www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, बुधवार, 6 सितम्बर,2023 | वर्ष-16 | अंक -151 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

इंडिया शब्द से घबराई केंद्र सरकार : कांग्रेस 02

■ दिल्ली की सड़कों पर दौड़ेंगी नई इलेक्ट्रिक बसें
■ जो अंधकार को मिटाए वह गुरु है : छाबड़िया 03

■ शेख हसीना व मोदी की आठ सितम्बर को होगी मुलाकात
■ इमरान की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा 07

शिक्षक दिवस पर काजोल ने कहा कि मैं ऐसे गांव... 10

सार संक्षेप

भारत मंडपम में 'शिव-नटराज' की स्थापना की गई

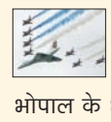

नई दिल्ली। राजधानी के प्रगति मैदान के भारत मंडपम् परिसर में लॉस्ट वैक्स तकनीक द्वारा अष्टधातु से बनी दुनिया की सबसे ऊंची नटराज प्रतिमा स्थापित की गई है। इसकी ऊंचाई 27 फीट, चौड़ाई 21 फीट और वजन लगभग 18 टन है। नटराज की मूर्ति का निर्माण तमिलनाडु के स्वामीमलाई के पारम्परिक स्थापतियों द्वारा श्री राधाकृष्णण की अगुआई में शिल्प शास्त्र में उल्लिखित सिद्धांतों से किया गया है।

वायुसेना 30 को भोपाल में करेगी फ्लाई पास्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के भोजताल पर वायुसेना के 91वें वर्षगांठ समारोह के अवसर पर भारतीय वायुसेना द्वारा 30 सितम्बर को मल्टी एयरक्राफ्ट फ्लाई पास्ट का आयोजन किया जाएगा। फ्लाई पास्ट में लड़ाकू विमान (सुखोई -30, मिराज-2000, जगुआर, एलसीए तेजस, हॉक), हेलीकॉप्टर (चिनूक, एमआई-17 वी 5, चेतक) और परिवहन विमान (सी130, आईएल-78 और एएन-32) शामिल होंगे।

विरोधियों को भी मानता हूं अपना गुरु : राहुल

नई दिल्ली। शिक्षक दिवस पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वे अपने विरोधियों को ही अपना शिक्षक मानते हैं। जो अपने व्यवहार,झूठ और शब्दों से उन्हें सिखाते हैं कि वे जिस रास्ते पर चल रहे हैं वह बिल्कुल सही है। इस रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए हर कीमत कम है। उन्होंने देश नागरिकों के लिए भी कहाकि भारत के लोग भी शिक्षकों की तरह हैं, जो विविधता में एकता का उदाहरण देते हैं।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

भोपाल। मध्यप्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आज देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने यहां कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय सभागार में मतदाता जागरूकता प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इसमें वर्ष 1951 से लेकर वर्तमान तक के निर्वाचन से जुड़े महत्वपूर्ण व्यक्तियों और घटनाओं के चित्रों को दर्शाया गया है।

ईडी ने सांसद नुसरत जहां को जारी किया समन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस की नेता नुसरत जहां को प्रवर्तन निदेशालय ने समन जारी किया है, जिसमें एक रियल एस्टेट फर्म के साथ उनके कथित संबंध में 12 सितंबर को पेश होने के लिए कहा है।

जी-20 रात्रिभोज के न्यौते में 'प्रेसिडेंट ऑफ भारत' का इस्तेमाल, बवाल

राष्ट्रपति भवन में 9 सितम्बर को जी-20 के नेताओं को दिया जा रहा है रात्रि भोज

■ विंध्यवासिनी त्रिपाठी

नई दिल्ली, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। राजधानी में इसी सप्ताह होने जा रहे जी-20 शिखर बैठक के दौरान राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू की ओर दिए जाने वाले रात्रिभोज के निमंत्रण को लेकर विवाद हो गया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने दावा किया कि राष्ट्रपति भवन में 9 सितम्बर को जी-20 के नेताओं को दिए जा रहे रात्रि भोज के निमंत्रण पत्र में प्रेसिडेंट इंडिया की जगह प्रेसिडेंट ऑफ भारत लिखा गया है। उन्होंने इसको लेकर मोदी सरकार पर हमला करते हए कहा कि संविधान के अनुच्छेद-1 में उल्लिखित भारत, जो इंडिया है, राज्यों का एक समूह होगा। लेकिन अब राज्यों के समूह पर भी हमला हो रहा है। इससे साफ है कि मोदी सरकार विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' से डरी है इसीलिए 'इंडिया' के स्थान पर 'भारत' शब्द का इस्तेमाल किया गया है।

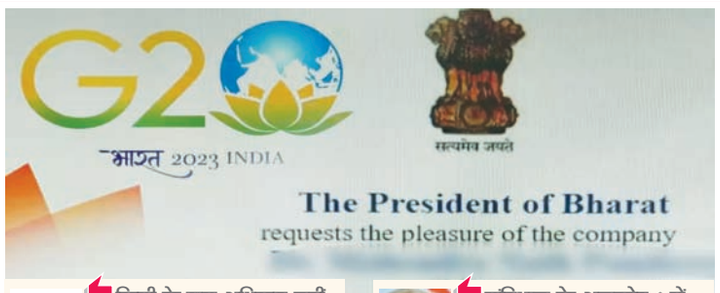

किसी के पास अधिकार नहीं है कि वो देश का नाम बदल सके। मुझे समझ में नहीं रहा है कि सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी ऐसा क्यों कर रही है: **शरद पवार, एनसीपी**

संविधान के अनुच्छेद-1 में उल्लिखित भारत, जो इंडिया है, राज्यों का एक समूह होगा। लेकिन अब राज्यों के समूह पर भी हमला हो रहा है : **जयराम रमेश, कांग्रेस**

देश के इतिहास को फिर से लिखने की कोशिश की जा रही है। मैंने सुना है कि भारत का नाम बदला जा रहा है। जी-20 के निमंत्रण पत्र पर भारत लिखा हुआ है: **ममता बनर्जी, टीएमसी**

फासीवादी बीजेपी शासन को उखाड़ फेंकने के लिए हमारे एकजुट होने और अपने गठबंधन को नाम 'इंडिया' देने के बाद अब बीजेपी 'इंडिया' को 'भारत' में बदलना चाहती है : **एमके स्टालिन, डीएमके**

मोदी कहते हैं घमंडिया गठबंधन

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का लेकर भाजपा सहज नहीं है। इसीलिए प्रधानमंत्री इस गठबंधन का नाम इंडिया न कहकर घमंडिया कहते हैं तो गृहमंत्री अमित शाह इसे इंडी अलायंस कहने लगे हैं। यही नहीं संघ प्रमुख मोहन भागवत सहित भाजपा के नेता भी इंडिया की जगह भारत शब्द इस्तेमाल करने की मांग कर रहे हैं। ऐसे में खबर यह भी है कि 18 सितम्बर से शुरू हो रहे संसद में विशेष सत्र में मोदी सरकार संविधान से इंडिया शब्द हटाने की तैयारी कर रही है। हालांकि यह संविधान संशोधन दो-तिहाई बहुमत से ही संभव है। इसलिए राह आसान नहीं है। इस बीच सक्रिय राजनीति में उतरने का संकेत देते हुए पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने मांग की है कि खिलाड़ियों की जर्सी पर भी भारत लिखा जाना चाहिए। उन्होंने कहाकि भारत हमारे देश का नाम है और इस पर हमें गर्व करना चाहिए।

■ कांग्रेस ने 'इंडिया' शब्द हटाने का लगाया आरोप
■ गठबंधन 'इंडिया' को लेकर भाजपा नहीं है सहज

अमिताभ बच्चन का भारत के समर्थन में ट्वीट

दिग्गज सिने अभिनेता अमिताभ बच्चन भी नाम की इस सियासत में सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने इंडिया की जगह भारत नाम के समर्थन की मंशा प्रक्रट करते हुए ट्वीट कर लिखा कि भारत माता की जय।

विश्व कप के लिए भारतीय टीम घोषित

कोलंबो, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को रोहित शर्मा की कप्तानी और हार्दिक पांड्या की उपकप्तानी में एकदिवसीय विश्व कप 2023 के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की। चोट के कारण लंबी छुट्टी के बाद भारतीय टीम में वापसी करने वाले केएल राहुल और श्रेयस अय्यर विश्व कप टीम में बने हुए हैं। भारत की कोर टीम में विराट कोहली, शुभमान गिल, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जाडेजा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

■ रोहित शर्मा संभालेंगे कमान
■ हार्दिक को मिली उपकप्तानी

भारत ने आखिरी बार 2011 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में विश्व कप जीता था। एशिया कप के लिए चुने गए प्रसिद्ध कृष्णा और तिलक वर्मा विश्व कप टीम में जगह नहीं बना सके। संजू सैमसन को भी 15 खिलाड़ियों की स्कवाड में जगह नहीं मिली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को विश्व कप टीम सौंपने की समय सीमा पांच सितंबर है, लेकिन टीमें आईसीसी से अनुमोदन की आवश्यकता के बिना 28 सितंबर तक बदलाव कर सकती हैं। भारत एशिया कप के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन और एकदिवसीय मैच खेलेगा, जबकि उसे अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत आठ अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही करनी है।

वनडे विश्वकप के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन, केएल राहुल, हार्दिक पांड्या (उप-कप्तान), सूर्यकुमार यादव, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव।

अनुच्छेद 370 पर सुनवाई पूरी

नई दिल्ली, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने अनुच्छेद 370 को रद्द करने और पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजय किशन कौल, संजीव खन्ना, बीआर गवई और सूर्यकांत की पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 16 दिनों तक दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया।

■ सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा
■ कोर्ट में केंद्र के फैसले को दी गई है चुनौती

कोर्ट ने सुनवाई के अंतिम दिन वरिष्ठ वकीलों कपिल सिब्बल, गोपाल सुब्रमण्यम, राजीव धवन, जफर शाह, दुष्यन्त दवे और अन्य की दलीलें सुनीं। शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि याचिकाकर्ता या उत्तरदाता की ओर से पेश कोई वकील लिखित दलील दाखिल करना चाहता है, तो वह अगले तीन दिनों में ऐसा कर सकता है। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि लिखित दलील दो पेज से ज्यादा की नहीं होनी चाहिए। पिछले 16 दिन में सुनवाई के दौरान अदालत ने केंद्र और हस्तक्षेपकर्ताओं की ओर से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, वरिष्ठ अधिवक्ताओं- हरीश साल्वे, राकेश द्विवेदी, वी गिरि और अन्य को अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का बचाव करते हुए सुना। वकीलों ने प्रावधान को निरस्त करने के केंद्र के 5 अगस्त 2019 के फैसले की संवैधानिक वैधता, पूर्ववर्ती राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित करने वाले जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम की वैधता, 20 जून 2018 को जम्मू कश्मीर में राज्यपाल शासन लगाए जाने, 19 दिसंबर 2018 को राष्ट्रपति शासन लगाए जाने और 3 जुलाई 2019 को इसे विस्तारित किए जाने सहित विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखे। अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने और जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं को 2019 में एक संविधान पीठ को भेजा गया था। जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 के चलते पूर्ववर्ती राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों जम्मू कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया था।

संसद के विशेष सत्र को लेकर कांग्रेस ने की बैठक

नई दिल्ली, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। कांग्रेस ने 18 सितंबर से शुरू होने वाले संसद के विशेष सत्र से पहले मंगलवार को संसदीय रणनीति समूह की बैठक की। बैठक कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास पर शुरू हुई। बैठक में शामिल होने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, अधीर रंजन चौधरी समेत अन्य प्रमुख 10 जनपथ पहुंचे।

■ खड़गे, अधीर रंजन समेत कई प्रमुख नेता 10 जनपथ पहुंचे
■ गोगोई बोले, देश के प्रति पारदर्शी व जिम्मेदार नहीं है मोदी सरकार

बैठक में अहम मुद्दों पर चर्चा की गई

बैठक के बाद कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने बताया कि आज सोनिया गांधी की अध्यक्षता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में हमारी संसदीय रणनीतिक समिति की बैठक हुई।

जिसमें हमने उन अहम मुद्दों पर चर्चा की जिनका सामना आज देश कर रहा है। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, मणिपुर और हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदा पर चर्चा हुई। कांग्रेस सांसद ने बताया कि 18 सितंबर से संसद का विशेष सत्र बुलाया गया है लेकिन बीजेपी ही नहीं बता पा रही है कि सत्र का एजेंडा क्या है। यह सरकार देश के प्रति पारदर्शी और जिम्मेदार नहीं है। हमारा सिद्धांत है कि देश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। कांग्रेस पार्टी इन मुद्दों पर चर्चा और सुझाव देने के लिए तैयार है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि जब कभी विशेष सत्र बुलाया जाता है तो इसके विषय की जानकारी सभी पार्टियों को दी जाती है। एक एजेंडा तय किया जाता है। हम पहली बार देख रहे हैं कि पीएम मोदी और उनके सहयोगियों ने भारत बैठक से ध्यान हटाने के लिए 5 दिवसीय विशेष सत्र की घोषणा की।

संसद में जनता के मुद्दों पर होनी चाहिए चर्चा

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस सत्र के दौरान कौन-कौन से मामले उठाए जाएंगे, इसकी हमें कोई जानकारी नहीं है। आज कांग्रेस पार्टी ने फैसला किया है कि हम इस विशेष सत्र में हिस्सा लेंगे, लेकिन चर्चा जनता के मुद्दों पर होनी चाहिए। जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस नेताओं के बीच सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक मामलों पर चर्चा हुई है और इंडिया गठबंधन नेताओं से भी होगी।

सीमाओं से जुड़े मुद्दों पर भी हो चर्चा

हम चाहते हैं कि विशेष सत्र में आर्थिक, राजनीतिक मुद्दों के साथ विदेश नीति और सीमाओं से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हो। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि विशेष सत्र में सरकार विपक्ष को साथ लेकर चलेगी। आज की बैठक के बाद हम मुद्दे चुनेंगे और मांग करेंगे कि सदन में खुलकर चर्चा हो।

इसरो ने आदित्य-एल1 की दूसरी बार बढ़ाई कक्षा

■ अगली बार 10 सितम्बर को बदला जाएगा कक्ष

चेन्नई, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने मंगलवार को घोषणा की कि भारत के पहले सूर्य मिशन आदित्य-एल1 को पृथ्वी से जुड़ी दूसरी कक्ष (ईबीएन 2) में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया है। इसरो ने कहा कि आदित्य-एल1 का अगला कक्ष 10 सितंबर को भारतीय समयानुसार लगभग दो बजकर 30 मिनट पर बदला जायेगा। इसरो के ग्राउंड स्टेशनों ने इस बदलाव के दौरान उपग्रह को ट्रैक किया और इसकी पूरी जानकारी दी। इसरो ने कहा कि मॉरीशस, बेंगलुरु और पोर्ट ब्लेयर में इस्ट्रैक/इसरो के ग्राउंड स्टेशनों ने इस ऑपरेशन के दौरान उपग्रह को ट्रैक किया तथा नयी कक्ष 282 किमी गुणा 40225 किमी प्राप्त की। एक अपडेट में इसरो ने पोस्ट किया, आदित्य-एल1 मिशन दूसरा पृथ्वी-बाउंड कक्ष बदलने का काम (ईबीएन-2) आईएसटीआरएसी, बेंगलुरु से सफलतापूर्वक किया गया है। मॉरीशस, बेंगलुरु और पोर्ट ब्लेयर के ग्राउंड स्टेशनों ने इस ऑपरेशन के दौरान उपग्रह को ट्रैक किया।

सूर्य मिशन

15 लाख किमी लंबी यात्रा पर निकला है यान

अंतरिक्ष यान को दो सितंबर को एसएचएआर रेंज से लॉन्च किया गया था और यह सौर क्षेत्र की चार महीने की 15 लाख किमी लंबी यात्रा पर निकला है।

6 राज्यों की 7 विधानसभा सीटों पर हुआ मतदान

नई दिल्ली, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। देश के 6 राज्यों की 7 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए वोटिंग हुई। इन राज्यों में उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, केरल, झारखंड और उत्तराखंड शामिल हैं, जहां 1-1 सीट पर चुनाव हुआ, जबकि त्रिपुरा की दो सीटों पर वोट डाले हए। नतीजे 8 सितंबर को आएंगे। इन सीटों पर 5 बजे तक वोटिंग पर्सेंटेज के आंकड़े आ गए हैं। यूपी की घोसी सीट पर 50 फीसदी, बंगाल की धुपगुड़ी सीट पर 74.35 फीसदी मतदान हुए। त्रिपुरा की बॉक्सानगर पर 86.34फीसदी और धनपुर सीट पर 81.88 फीसदी वोटर्स ने मतदान किया। चुनाव आयोग के मुताबिक, उत्तराखंड की बागेश्वर सीट पर 55.35 फीसदी मतदान हुआ। झारखंड की डुमरी में 5 बजे तक 64.84 फीसदी वोटिंग हुई है और केरल की पुथुपल्ली सीट पर 71.84फीसदी वोट पड़े। घोसी और धनपुर सीट पर मौजूदा विधायकों के इस्तीफा देने की वजह से चुनाव हो रहे है। बाकी पांच सीटों पर मौजूदा विधायक का निधन होने के चलते चुनाव हो रहे हैं।

■ त्रिपुरा में 80 फीसदी से ज्यादा वोट पड़े
■ उप्र की घोसी सीट पर 50 फीसदी मतदान

मैहर बना मध्य प्रदेश का 55वां जिला

भोपाल, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार सुबह मैहर को जिला बनाने की घोषणा की। शाम होते-होते तो नोटिफिकेशन भी जारी हो गया। इस फैसले को विंध्य, खासकर सतना और मैहर में भाजपा को मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है। मैहर के भाजपा विधायक नारायण त्रिपाठी लंबे समय से पार्टी की परेशानी बढ़ा रहे थे। उनकी एक मांग मैहर को जिला बनाने की भी थी।(चित्रकूट से तीन सितंबर को शुरू हुई जन आशीर्वाद यात्रा मंगलवार को मैहर पहुंची। यहां मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यात्रा को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये संबोधित किया। उन्होंने इस दौरान मैहर को जिला बनाने की घोषणा की। साथ ही कहा कि यह सिर्फ घोषणा नहीं है बल्कि आज हम इसके लिए कार्यवाही शुरू कर रहे हैं। इससे पहले 2018 में भी उन्होंने मैहर को जिला बनाने की घोषणा की थी।

■ घोषणा के कुछ ही घंटों बाद जारी हुआ नोटिफिकेशन

मौसम 1901 के बाद अगस्त सबसे गर्म रहा

दिल्ली में 4 सितम्बर को गर्मी का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। सितम्बर का महीना शुरू हो गया है, लेकिन देश के लोगों को अभी भी गर्मी से राहत नहीं मिल रही। इसकी बड़ी वजह सामान्य से कम बारिश होना है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 4 सितंबर तक देश में सामान्य से 11 फीसदी कम बारिश हुई। इसीलिए इस बार अगस्त में एक सदी से भी ज्यादा समय यानी साल 1901 के बाद सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया।

उधर, दिल्ली में सोमवार (4 सितंबर) पिछले 85 सालों में सबसे गर्म दिन रहा। राजधानी का अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 6 डिग्री ज्यादा है। यह पिछले 85 सालों में (1938 के बाद) सबसे ज्यादा है। भारत में एक सदी से भी ज्यादा समय में इस बार सबसे सूखा अगस्त रहा। जिसमें सामान्य से 36 फीसदी कम बारिश हुई। मौसम एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस बार मानसून सामान्य रहेगा और सितंबर में बारिश की कमी पूरी हो जाएगी। 4 सितंबर के बाद बारिश में तेजी आएगी।

■ पिछले 85 सालों में सबसे गर्म दिन रहा
■ देश में सामान्य से 11 फीसदी कम बारिश हुई

कम बारिश के लिए अल नीनो जिम्मेदार

भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने अगस्त में बारिश में कमी के लिए अल नीनो को जिम्मेदार ठहराया था। यह एक मौसमी घटना है, जो मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर में समुद्र का तापमान सामान्य से ऊपर बढ़ने से पैदा होती है।

देश

उवाच

समान नागरिक संहिता हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच एकता लाएगा, इसके अलावा यह कानून बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने में मदद करेगा। संविधान में बदलाव की कोई जरूरत नहीं है।

-रामदास अठावल,आरपीआईए के अध्यक्ष

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	36.0	27.0
मुंबई	30.0	27.0
कोलकाता	31.0	27.0
चेन्नई	29.0	28.0

इंडिया शब्द से घबराई केंद्र सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। जी-20 सम्मेलन के रात्रिभोज कार्यक्रम के निमंत्रण पत्र में प्रेसिडेंट ऑफ भारत लिखने के बाद इसे लेकर बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है। विपक्षी पार्टियां इसे लेकर सरकार पर निशाना साध रही हैं। इस बीच कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने संविधान में

- संविधान में संशोधन कर इंडिया का नाम बदलने की अटकलों पर की टिप्पणी
- भाजपा के अंदर का डर मोदी का भय दिखाता है

संशोधन कर इंडिया का नाम बदलने की अटकलों पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इंडिया शब्द से यह सहम गए हैं। क्या वे इस हद तक चले जाएंगे कि वे संविधान बदल देंगे। संविधान में लिखा है, इंडिया दैट इज भारत... भाजपा के अंदर का डर मोदी जी का भय दिखाता है। इधर इंडिया का गठन हुआ उधर भाजपा का बोरिया बिस्तर समेटना शुरू हुआ... आप इंडिया शब्द को धरती से नहीं मिटा सकते। हमें अपने भारत और इंडिया पर गर्व है।

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि हमारे संविधान के आर्टिकल-1 में साफ तौर पर लिखा गया है कि हमारा नाम इंडिया भी होगा और भारत भी। मोदी और संघ के लोग लगातार हमारे संविधान के साथ खिलवाड़ करना चाहते हैं। इनको बाबा साहब के संविधान से दिक्कत है। आपकी नफरत आपका डर आपकी बौखलाहट साफ है, आप इंडिया से घबराते हैं। अब ये सनक बन चुका है, अपने देश और अपनी मां का

इंडिया शब्द को आप धरती से नहीं मिटा सकते हमें अपने भारत व इंडिया पर गर्व है : प्रमोद तिवारी

नाम कौन बदलता है। मोदी हमसे डरते हैं हमें अपना शत्रु मानते हैं, लेकिन दुश्मनी आज आप देश से निभाने लगे। वे अच्छे से जानते हैं उनके पास राज्य सभा में बहुमत नहीं है।

चुनाव के दौरान इंडिया भाजपा को सत्ता से बाहर कर देगा : स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए उन्होंने माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि भाजपा ने भारत को बदलने का वादा किया था, लेकिन केवल नाम बदला। द्रमुक अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भाजपा इंडिया को भारत में बदलना चाहती है।

दक्षिण भारतीय राज्य के सीएम ने यह भी दावा किया कि भगवा पार्टी विपक्षी गुट के नाम इंडिया शब्द से घबरा गई है। स्टालिन ने अपनी पोस्ट में लिखा कि फासीवादी भाजपा शासन को उखाड़ फेंकने के लिए गैर-भाजपा ताकतों के एकजुट होने और अपने गठबंधन को इंडिया देने के बाद अब भाजपा इंडिया को भारत में बदलना चाहती है। उन्होंने यह भी लिखा कि भारतीय जनता पार्टी ने सत्ता में आने से पहले भारत को बदलने का वादा किया था, लेकिन नौ साल बीतने के बाद भी हमें सिर्फ बदले हुए नाम मिले। उन्होंने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि बीजेपी इंडिया नाम के एक शब्द से घबरा गई है क्योंकि वे विपक्ष के भीतर एकता की ताकत को पहचानते हैं। उन्हें मालूम है कि चुनाव के दौरान, इंडिया बीजेपी को सत्ता से बाहर कर देगा।

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि वैसे तो इंडिया को भारत बुलाने पर कोई संवैधानिक आपत्ति नहीं है। यह देश के दो नामों में से एक है। मैं उम्मीद करता हूं कि सरकार इतनी बेवकूफ नहीं होगी कि इंडिया नाम को पूरी तरह से हटा दे, जिसकी सदियों में बनी एक ब्रांड वैल्यू है। हमें दोनों ही नामों का इस्तेमाल जारी रखना चाहिए। एक नाम जो पूरी दुनिया में पहचाना जाता है।

कहां-कहां बदलेंगे नाम : तेजस्वी

पटना। देश में भारत बनाम इंडिया को लेकर चल रही सियासत पर बिहार के उप मुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन बनने के बाद से भाजपा घबराई हुई है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि कहां-कहां नाम बदलेंगे। राजद कार्यालय में आयोजित एक परिचर्चा में भाग लेते हुए तेजस्वी ने कहा कि देश में जब से इंडिया गठबंधन बना है इनको बेचैनी है जबकि हमारा नारा है कि 'जुड़ेगा भारत जीतेगा इंडिया'। उन्होंने कहा कि जी-20 की बैठक के लिए जो निमंत्रण जारी किया गया है उसमें प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया की जगह प्रेसिडेंट ऑफ भारत लिखकर दिया जा रहा है। ये भाजपा की संविधान के प्रति क्या सोच है स्पष्ट करता है, जबकि भारत के संविधान की प्रस्तावना में ही उल्लेख है कि इंडिया अर्थात भारत है। लेकिन, आज भाजपा प्रस्तावना को ही बदलने पर उतारू है। जबकि, हम सभी वी प्राउड ऑफ इंडिया कहलाने में गौरवान्वित महसूस करते हैं। विदेश में जब भारतीय जाते हैं तो उन्हें इंडियन और भारत के प्रधानमंत्री को प्राइम मिनिस्टर ऑफ इंडिया कहकर संबोधित किया जाता है। आज किस तरह की राजनीति केंद्र सरकार कर रही है यह देश के लोग देख रहे हैं। राजद नेता ने कहा कि विपक्षी दलों द्वारा इंडिया गठबंधन नाम दिए जाने के बाद से ही इन्हें बेचैनी हो रही है। उन्होंने लोगों को सतर्क करते हुए कहा कि ऐसे दुष्प्रचार करने वाले से बचने की आवश्यकता है जो राजनीति के लिए कुछ भी कर रहे हैं, जो देश हित में नहीं है।

आज के युवा 2047 के भारत का भावी योद्धा : जगदीप धनखड़

नई दिल्ली, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने युवाओं को विकसित भारत यात्रा का योद्धा करार देते हुए कहा है कि भारत अब विश्व की आशा का केंद्र है। धनखड़ ने मंगलवार को राजस्थान के कोटा में शिक्षक दिवस पर आयोजित 'शिक्षकों तथा केंद्र और राज्य सरकार के सेवा निवृत्त कर्मचारियों' के अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज के युवा वर्ष 2047 के भावी योद्धा हैं जो भारत को विकसित बनाएंगे। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष और कोटा के सांसद ओम बिरला तथा केंद्रीय कोयला, खान और संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी सहित क्षेत्र के अनेक विधायक, पूर्व जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी गण और बड़ी संख्या में शिक्षक समुदाय एवं सेवा निवृत्त सरकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। हाल के वर्षों में राष्ट्र की प्रगति की चर्चा करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि विगत दस वर्षों में भारत फ्रेजाइल फाइव से बढ़कर दुनिया के पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इस यात्रा में हमने ब्रिटेन को पछाड़ा जिन्होंने भारत पर सदियों राज किया। उन्होंने इस परिवर्तन का श्रेय जनता के पुरुषार्थ को दिया।

- उपराष्ट्रपति ने शिक्षक दिवस पर आयोजित समारोह को किया संबोधित
- भारत अब विश्व की आशा का केंद्र

धनखड़ ने कहा कि गत वर्ष भारत के कुल डिजिटल लेनदेन, अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाओं के कुल डिजिटल लेनदेन का चार गुना था। उन्होंने बताया कि भारत में प्रति व्यक्ति इंटरनेट डाटा प्रयोग, चीन और अमेरिका दोनों के कुल जमा डाटा से अधिक है। उपराष्ट्रपति ने कहा डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर (डीबीटी) से बिचौलिए समाप्त हो गए हैं, प्रशासन में भ्रष्टाचार समाप्त हो गया है और पारदर्शिता बढ़ी है।

आज भारत विश्व की आशा का केंद्र

भारत में स्टार्ट अप के लिए परिवेश तैयार हो रहा है। आज भारत विश्व की आशा का केंद्र है, नवाचार और निवेश का केंद्र बन कर उभरा है। उन्होंने कहा कि प्रगति के बावजूद भी चंद लोग विरोध कर रहे हैं। ऐसे लोग सिर्फ विरोध ही करते हैं, लेकिन विमर्श या बहस नहीं करते। इस संदर्भ में उन्होंने चिंता व्यक्त की कि ऐसे वर्ग संस्थाओं की कार्यवाही में व्यवधान पैदा करते हैं और उनकी प्रतिष्ठा गिराते हैं। उपराष्ट्रपति ने तात्कालिक लाभ के लिए, जनता के स्थायी सशक्तिकरण की जगह, उनको नि:शुल्क लाभ देने की प्रवृत्ति की आलोचना की।

सार संक्षेप

किश्तवाड़ में आतंकवादी ठिकाने का किया भंडाफोड़

जम्मू। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा बलों ने मंगलवार को हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादी के ठिकाने का भंडाफोड़ किया। किश्तवाड़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक खलील पोसवाल ने कहा कि पुलिस ने सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के साथ मिलकर हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादी जहांगीर सरूरी के ठिकाने को ध्वस्त कर दिया है। उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादी ठिकाने से दो कंबल, खाद्य वस्तुएं और निजी उपयोग की वस्तुएं बरामद की गईं, जो ठिकाने में आतंकवादी की मौजूदगी का संकेत देती हैं।

मोदी 14 सितम्बर को आएंगे बीना

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 14 सितम्बर को मध्य प्रदेश के सागर जिले के बीना के पास भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की रिफाइनरी में लगभग 50 हजार करोड़ रुपयों के निवेश संबंधी कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यहां अपने निवास से विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर चौहान ने अपने संबोधन में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि श्री मोदी 14 सितम्बर को बीना आएंगे।

मेघालय में दो करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त

शिलांग। मेघालय पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने मंगलवार को एक अंतरराज्यीय ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया और हेरोइन जब्त की जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में दो करोड़ रुपए आंकी गई है। आरोपी की पहचान मिजोरम के आइजवाल निवासी थांगसियामाविया पाइते के रूप में हुई है। उसे राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की जांच के दौरान पूर्वी जैंतिया हिल्स जिले के उम्त्यरा इलाके से गिरफ्तार किया गया। वाहन की जांच के दौरान पुलिस को एक छोटा भूरे रंग का कार्टन बॉक्स मिला जिसमें 20 साबुन के डिब्बे थे, जिनमें 252 ग्राम वजन का पीला नारंगी पाउडर भरा हुआ था, जिसमें हेरोइन होने की पुष्टि हुई।

छात्रों को हीरे की तरह तराशते हैं शिक्षक : सिन्हा

श्रीनगर। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को शिक्षक दिवस पर कहा कि शिक्षक छात्रों को हीरे, जवाहरात और मोतियों की तरह तराशता है। शिक्षक दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने शिक्षक को रत्न विज्ञानी बताते हुए कहा कि वह विविध प्रतिभाओं वाले हीरों को परखता है और उन्हें तराशता है। उपराज्यपाल ने कहा कि शिक्षक एक जौहरी है और बहुमूल्य रत्नों को सही आकार और चमक देता है।

अरुणाचल विधानसभा में दो अहम विधेयक पारित

ईटानगर, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश विधानसभा ने मंगलवार को यहां चार दिवसीय मानसून सत्र के दूसरे दिन ध्वनिमत से दो महत्वपूर्ण सरकारी विधेयक पारित किए। नगर नियोजन मंत्री कामलुंग मोसांग ने सोमवार को अरुणाचल प्रदेश हवाई अड्डा क्षेत्र योजना एवं विकास प्राधिकरण विधेयक, 2023 सदन में रखा था, जिसे बिना किसी चर्चा के सदन ने पारित कर दिया। विधेयक पर एक संक्षिप्त वक्तव्य देते हुए मंत्री मोसांग ने कहा कि होलोंगी हवाई अड्डा (जिसे आधिकारिक रूप से डोनी पोलो हवाई अड्डा कहा जाता है) और पासीघाट और तेजू में हवाई अड्डों के निर्माण के साथ राज्य में देश और विदेश से पर्यटकों के आने की उम्मीद है और इसलिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार आसपास के क्षेत्रों में हवाई अड्डों का विकास बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि व्यवस्थित योजना एवं विकास के लिए इसे एक समर्पित टीम द्वारा विनियमित करने की आवश्यकता है। विधेयक का उद्देश्य हवाई अड्डों के आसपास के क्षेत्रों के विकास को विनियमित करना है। विस में संक्षिप्त चर्चा के बाद अरुणाचल प्रदेश न्यायालय शुल्क विधेयक को भी पारित किया गया।

एक देश, एक चुनाव केंद्र को प्रभुत्व दिलाने का एजेंडा : पिनराई

तिरुवनंतपुरम, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने मंगलवार को

- लोकतांत्रिक समाज को इसके खिलाफ होना चाहिए खड़ा

भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के एक राष्ट्र, एक चुनाव के विचार की आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि इस तरह का कदम केंद्र को 'प्रभुत्व' दिलाने के इरादे से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत की अवधारणा, संसदीय लोकतांत्रिक प्रणाली और संवैधानिक मूल्य 'गंभीर खतरे' में हैं। सीएम पिनराई ने अपने बयान में बताया कि एक राष्ट्र-एक चुनाव यह नारा एक संघ द्वारा उठाया गया है जो इस खतरे को और गंभीर बना रहा है। यह केंद्र को प्रभुत्व दिलाने का एक एजेंडा है और लोकतांत्रिक समाज को इसके खिलाफ खड़े होना चाहिए। सीएम पिनराई विजयन का यह बयान केंद्र सरकार द्वारा पूर्व राष्ट्रपति की अध्यक्षता में एक देश-एक चुनाव के लिए समिति के गठन के बाद आया। यह समिति एक साथ चुनाव कराने के लिए संभावनाएं तलाशेगी। समिति संविधान, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम और किसी भी अन्य कानून एवं नियमों की पड़ताल करेगी तथा विशिष्ट संशोधनों की सिफारिश करेगी क्योंकि एक साथ चुनाव कराने से इनमें संशोधन की जरूरत पड़ेगी। उन्होंने आरोप लगाते हुए कि एजेंडा राज्य सरकारों को अस्थिर करने के लिए तैयार किया गया है, जो केंद्र के आदेशों के सामने झुकने से इनकार करते हैं और ऐसे राज्यों में सत्ता को शॉर्टकट तरीके से हासिल करने के लिए करते हैं।

विस चुनावों में हार के डर से संघ परिवार ने उठाया कदम

केरल के मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का कोई भी कदम राज्यसभा की राजनीतिक विविधता को खत्म कर देगा। इस साल होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में हार के डर से संघ परिवार ने ऐसा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत का संविधान और संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था देश की चुनाव प्रणाली को खत्म नहीं होने देगी जैसा कि संघ परिवार चाहता है।

एमईएस में फर्जी भर्ती घोटाले का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

श्रीनगर, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर पुलिस ने मंगलवार को कुपवाड़ा जिले में पांच लोगों को गिरफ्तार कर सैन्य इंजीनियरिंग सेवा (एमईएस) में फर्जी भर्ती घोटाले का भंडाफोड़ करने का दावा किया। पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए कुपवाड़ा एमईएस में युवा नौकरी चाहने वालों की आकांक्षाओं को प्रभावित करने वाले एक फर्जी भर्ती घोटाले का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने कहा कि एक सितंबर, 2023 को गुंड जोनरेशी चौकीबल निवासी मुमताज अहमद मीर ने क्रालपोरा पुलिस थाने में एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि उनका पुत्र मोहम्मद सामी मीर फर्जी भर्ती घोटाले के चंगुल में फंस गया है। फर्जी घोटाले को अंजाम देने वाले आरोपी की पहचान दूलीपोरा त्रेहगाम निवासी नजीर अहमद खान के रूप में हुई। आरोपी खान को बाद में घोटाले के संबंध में गिरफ्तार कर लिया गया और पूछताछ के बाद नए खुलासे सामने आए हैं। आरोपी ने एमईएस में नौकरी चाहने वाले बेरोजगार युवाओं को धोखा देने के लिए एक विशिष्ट कार्यप्रणाली को नियोजित करने वाले घोटालेबाजों के एक गिरोह के साथ अपने संबंध होने का भी खुलासा किया है।

गुरुकुल स्कूलों के 567 शिक्षक होंगे नियमित : चंद्रशेखर राव

हैदराबाद,5 सितम्बर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने पिछले 16 वर्षों से तेलंगाना समाज कल्याण गुरुकुल स्कूलों में काम कर रहे 567 अनुबंध शिक्षकों को नियमित करने के आदेश जारी किए हैं। सरकार ने समाज कल्याण विभाग के गुरुकुलों में कार्यरत संविदा शिक्षकों को 12 महीने का वेतन, मूल वेतन और छह महीने का मातृत्व अवकाश देने की घोषणा की है। गुरुकुल विद्यालयों के संविदा शिक्षकों का नियमितीकरण तुरंत होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मातृदेवोभव: पितृदेवोभव: आचार्यदेवोभव: का भाव माता-पिता के बाद शिक्षक की प्राथमिकता को बताता है। तेलंगाना सरकार छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ शिक्षकों और छात्रों के कल्याण और विकास के लिए प्रभावी गतिविधियों को लागू कर रही है। तेलंगाना ने शिक्षकों ने शिक्षा के क्षेत्र में देश के लिए एक मिसाल कायम की है और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके भावी पीढ़ी को सक्षम बनाने में सबसे आगे है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार द्वारा लागू की जा रही योजनाओं के लगातार अच्छे परिणाम आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना सरकार की नीतियों से आज सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र पढ़ाई और खेल के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम दुनिया भर में फैला रहे हैं। यह शैक्षणिक प्रगति के प्रति तेलंगाना सरकार के समर्पण और ईमानदारी का प्रमाण है। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने पिछले 16 वर्षों से तेलंगाना समाज कल्याण गुरुकुल स्कूलों में काम कर रहे 567 अनुबंध शिक्षकों को नियमित करने के आदेश जारी किए हैं। सरकार ने समाज कल्याण विभाग के गुरुकुलों में कार्यरत संविदा शिक्षकों को 12 महीने का वेतन, मूल वेतन और छह महीने का मातृत्व अवकाश देने की घोषणा की है।

- छह महीने का मातृत्व अवकाश देने की घोषणा की

मप्र विस चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर जोर

भोपाल, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार और निर्वाचन आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय तथा अरुण गोयल ने मतदान के प्रति जागरुकता बढ़ाने संबंधी अभियान की शुरुआत की। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन यहां विशेष जागरुकता अभियान मिशन 50 एट द रेट ऑफ 230 की शुरूआत की।

इस अभियान के जरिए राज्य के कम मतदान प्रतिशत वाले क्षेत्रों में न्यूनतम 50 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य हासिल करने का प्रयास किया जाएगा। इसके अलावा राजीव कुमार और अन्य वरिष्ठ निर्वाचन अधिकारियों ने यहां कुशाभाऊ ठाकरे सभागार परिसर में ही मतदाता जागरुकता प्रदर्शनी की शुरूआत की। इस अवसर पर राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन भी मौजूद थे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त तीन दिवसीय यात्रा पर सोमवार को यहां पहुंचे और उन्होंने पहले दिन विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ आगामी विधानसभा चुनाव के संबंध में चर्चा की और उनके सुझाव सुने। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चुनाव संबंधी तैयारियों को लेकर जानकारी हासिल की। राज्य में विधानसभा चुनाव नवंबर दिसंबर माह में प्रस्तावित हैं। इनकी तैयारियां प्रशासनिक स्तर पर काफी समय से चल रही हैं।

पटना विवि के कार्यक्रम में पैर फिसलने से गिरे नीतीश

पटना, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को पटना विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम में पैर फिसलने की वजह से जमीन पर गिर गए। उन्हें सुरक्षाकर्मियों ने

- सुरक्षाकर्मियों ने उठाया

तत्काल सहारा देकर उठाया। इस मौके पर बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर भी मौजूद थे। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। >

दरअसल, पटना विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस के मौके पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान पटना विश्वविद्यालय के नए सीनेट हॉल का भी उद्घाटन किया जाना था। कार्यक्रम में बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दोनों को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान नीतीश कुमार अपने सुरक्षाकर्मियों और अधिकारियों के साथ उद्घाटन स्थल पर पहुंचते हैं। जैसे ही वह उद्घाटन के लिए शिलापट्ट पर लगे पर्दे के पास जाते हैं, इसी दौरान उनका पैर फिसल जाता है और वह गिर पड़ते हैं।

अचानक मुख्यमंत्री के गिरने से मौके पर लोग आवाक रह गए। सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल मुख्यमंत्री को सहारा देकर उठाया। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री को ज्यादा चोट नहीं है। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री कार्यक्रम में शामिल हुए।

एतराज *कोल माइन्स के लिए जमीन अधिग्रहण के केंद्र के प्रस्तावित बिल पर झारखंड सरकार ने जताया एतराज,कहा*

आदिवासियों व मूल निवासियों के अधिकारों का होगा हनन

रांची, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। देश में कोल माइन्स के लिए जमीन अधिग्रहण से संबंधित केंद्र सरकार के प्रस्तावित बिल पर झारखंड सरकार ने कड़ा ऐतराज जताया है। इस बिल के कानून बन जाने पर कोयले के भंडार वाली जमीनों का अधिग्रहण कोल माइन्स के संपूर्ण जीवन काल के लिए किया जा सकेगा। झारखंड सरकार का कहना है कि।

यह बिल देश और राज्य हित में नहीं है। इसके जरिए ऐसे बदलाव प्रस्तावित किए हैं, जिससे झारखंड जैसे राज्यों को भारी नुकसान झेलना पड़ेगा। इससे राज्य के आदिवासियों और मूल निवासियों के हक-अधिकारों का हनन होगा।

झारखंड सरकार के खान एवं भूतत्व विभाग ने इस बिल पर आपत्तियां दर्ज कराते हुए केंद्र सरकार को पत्र भेजा है। बता दें कि द कोल बियरिंग एरिया (एक्वीजीशन एंड

- खान व भूतत्व विभाग ने आपत्तियां दर्ज कर केंद्र सरकार को पत्र भेजा

डेवलपमेंट) अमेंडमेंट बिल, 2023 को भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की ओर से प्रस्तावित किया गया है। इसे लेकर केंद्र ने राज्यों से राय मांगी है। इस पर झारखंड सरकार ने कहा है कि इस बिल के जरिए कोल बियरिंग एरिया एक्ट में बदलाव के जो प्रस्ताव हैं, वह जनभावना के भी विपरीत हैं।

झारखंड सरकार की ओर से केंद्र को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि पहले से जो कानून अस्तित्व में हैं, उसके तहत सरकारी कंपनियों को आवंटित किए जाने वाले कोल माइन्स पट्टा एक निश्चित अवधि तक के लिए आवंटित किए जाते हैं। अब केंद्र सरकार द्वारा इस बिल के जरिए यह प्रावधान लाया जा रहा है कि कोल माइन्स का खनन पट्टा तब तक के लिए मान्य होगा, जब तक माइन्स में कोयला शेष है। झारखंड सरकार ने अपनी आपत्ति में कहा है कि यह खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 8 तथा खनिज समनुदान नियमावली 1960 के नियम-24 (सी) के विपरीत है। इसी तरह मौजूदा नियम-कानूनों के अनुसार कोल माइन्स के खनन पट्टा का विस्तार किए जाने की स्थिति में राज्य सरकार को अतिरिक्त राशि मिलती है, लेकिन नए प्रस्तावित संशोधन के अनुसार जब खनन पट्टा माइन्स की पूरी अवधि तक के लिए जारी किया जाएगा तो राज्य सरकार को अतिरिक्त राशि नहीं मिल पाएगी।

इससे राज्य के राजस्व का नुकसान होगा। कोल बियरिंग एरिया एक्वीजीशन एंड डेवलपमेंट एक्ट 1957 के प्रावधान के मुताबिक कोयला खनन एवं इससे संबंधित गतिविधियों के लिए ही सरकारी कंपनियों के लिए भू-अर्जन का प्रावधान है। कोल माइन्स के संचालन के लिए स्थायी आधारभूत संरचना कार्यालय, आवासीय सुविधाओं व अन्य के लिए एलए एक्ट 1894 के तहत जमीन अधिग्रहित की जाती है, लेकिन प्रस्तावित संशोधन लागू होने पर सरकारी कंपनियों के लिए अधिग्रहित की गई जमीन को निजी संस्थाओं को भी दी जा सकती है।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

एक बार एक बादशाह ने खुशी में सब कैदी रिहा कर दिए। उन कैदियों में बादशाह ने एक कैदी को देखा जो बहुत ही बुजुर्ग था। बादशाह : तुम कब से कैद में हो?

बुजुर्ग : आप के अब्बा के दौर से। यह सुनकर बादशाह की आंखों में आंसू आ गए और बोला..इसको दोबारा कैद करो ये अब्बा की निशानी है।

दिल्ली की सड़कों पर दौड़ेंगी नई इलेक्ट्रिक बसें

■ केजरीवाल ने एलजी संग चार सौ नई बसों को दिखाई हरी झंडी

■ मुख्यमंत्री ने ई-बसों में उपलब्ध सुविधाओं का लिया जायजा

नई दिल्ली,5 सितम्बर (देशबन्धु)। सीएम अरविंद केजरीवाल के प्रयासों से दिल्ली इलेक्ट्रिक बसों के मामले में अब देश भर में नंबर-1 बन गई है। मंगलवार को आईपी स्टेट डिपो से सीएम अरविंद केजरीवाल ने एलजी के साथ 400 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर दिल्ली की जनता को सौंप दिया। इस अवसर पर सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ये बसें सब्सिडी स्कीम की 921 बसों में शामिल हैं। इन बसों के लिए केंद्र सरकार की तरफ से 417 करोड़ की सब्सिडी दी गई है, जबकि दिल्ली सरकार द्वारा 3674 करोड़ रुपए खर्च किया है। दिल्ली की सड़कों पर अब 800 इलेक्ट्रिक बसें दौड़ रही हैं, जो पूरे देश में सबसे ज्यादा हैं। सीएम ने कहा कि हमारा लक्ष्य 2025 के आखिर तक दिल्ली की सड़कों पर 8 हज़ार इलेक्ट्रिक बसें उतारने का है। इसके बाद दिल्ली में 10 हजार से ज्यादा बसें हो जाएंगी, जिसमें से 80 फीसद यानि कि 8280 इलेक्ट्रिक बसें होंगी। इसके बाद पूरे विश्व में दिल्ली को इलेक्ट्रिक बसों के लिए भी जाना जाएगा। मंगलवार को सुबह मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एलजी वीके सक्सेना के साथ आईपी स्टेट बस डिपो से 400 नई लो फ्लोर एसी इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत और परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यात्रियों के लिए ई-बसों में उपलब्ध सुविधाओं का भी जायजा लिया। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने एक-एक कर सभी सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके बाद सीएम अरविंद केजरीवाल ने प्रेस वार्ता कर दिल्ली की सड़कों पर उतारी गई 400 नई लो फ्लोर एसी ईलेक्ट्रिक बसों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली के लोगों के लिए बहुत खुशी का दिन है।

2025 के आखिर तक दिल्ली की सड़कों पर आठ हजार इलेक्ट्रिक बसें उतारने का है लक्ष्य : अरविंद केजरीवाल

आज मैंने और एलजी साहब ने 400 ई-बसों को हरी झंडी दिखाई है। आज से दिल्ली की सड़कों पर 400 और ई-बसें उतरी हैं। जबकि पहले से ही 400 ई-बसों दिल्ली की सड़कों पर चल रही थीं। अब आधुनिक और वातानुकूलित 800 ई-बसें दिल्ली की सडकों पर चलने लगी हैं। इसी के साथ दिल्ली देश का वो शहर बन गया है, जहां सबसे ज्यादा ई-बसें चल रही हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिसंबर 2023 तक दिल्ली सरकार की 1900 ईलेक्ट्रिक बसें सड़कों पर आ जाएंगी। 800 ई-बसों के साथ दिल्ली देश का सबसे ज्यादा ई-बसों वाला शहर हो गया है और 1900 ई-बसें आने के बाद दुनिया के उन चुनिंदा शहरों में दिल्ली का नाम आएगा, जहां ज्यादा ईलेक्ट्रिक बसें चलती हैं। 1900 ईलेक्ट्रिक बसों के आने के बाद हम हर साल 1.07 लाख टन कार्बन डाई ऑक्साइड के उत्सर्जन में कमी आएगी। हमारा लक्ष्य है कि दिसंबर 2025 तक दिल्ली की सड़कों पर कुल 10480 बसें होंगी। इसमें से 80 फीसद यानि 8280 ईलेक्ट्रिक बसें होंगी। यह काफी महत्वाकांक्षी लक्ष्य है और यह किसी भी क्रांति से कम नहीं है। लगभग सवा दो साल बाद दिल्ली सरकार के पास करीब 8280 इलेक्ट्रिक बसें होंगी। यानि सवा दो साल बाद करीब दस गुना अधिक ई-बसें होंगी। ये बसें जीरो प्रदूषण करती हैं और एक बार चार्ज होने के बाद 225 किलोमीटर चलती हैं। केजरीवाल ने इन बसों की वित्तीय स्थिति के आंकड़े भी रखे। सीएम ने बताया कि केंद्र सरकार की 921 बसों पर सब्सिडी मिल रही है। हर बस पर लगभग 45 लाख रुपए प्रति बस सब्सिडी मिलेगी। 921 बसों पर केंद्र से 417 करोड़ रुपए की सब्सिडी मिल रही है। हर बस की लाइफ करीब 12 साल है। इस तरह इन 921 ई-बसों पर कुल खर्च 4091 करोड़ रुपए है। इसमें से 417 करोड़ रुपए केंद्र सरकार से मिल रहा है। यानि केंद्र सरकार से 10 फीसद और बाकी 90 फीसद खर्च का वहन दिल्ली सरकार कर रही है। इस प्रकार दिल्ली सरकार का 8280 ई-बसों का जो कुल लक्ष्य है, उसमें से 1200 ई-बसें केंद्र सरकार की सब्सिडी से मिल रही है और बाकी ई-बसें दिल्ली सरकार अपने पैसे से खरीद रही है। हमारी केंद्र सरकार से अपील है कि जिस तरह 1200 बसों पर सब्सिडी दे रही है, वैसे ही बाकी बसों पर भी सब्सिडी दे तो और अच्छा रहेगा।

पूरे देश में अब दिल्ली में सबसे अधिक इलेक्ट्रिक बसें

दिल्ली के बस बेड़े में अब 7135 बसें हो गई हैं। इसमें डीटीसी की 4088 और क्लस्टर की 3047 बसें शामिल हैं। इन 7135 बसों में 800 ईलेक्ट्रिक बसें हैं, जो पूरे देश के किसी भी राज्य की तुलना में सबसे ज्यादा है। इसमें डीटीसी की 700 और 100 क्लस्टर की ई-बसें हैं। वहीं, 7135 में सीएनजी की 6335 बसें हैं। इसमें डीटीसी की 3388 और 2947 क्लस्टर की बसें शामिल हैं।

आज वैश्विक स्तर पर भारत की नई तस्वीर उभर कर आई है सामने : रवि

■ वैदिक गणित कार्यशाला व प्रथम विश्वयुद्ध के भारतीय नायकों पर व्याख्यानमाला आयोजित

नई दिल्ली,5 सितम्बर (देशबन्धु)। इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय द्वारा वैदिक गणित कार्यशाला एवं प्रथम विश्वयुद्ध के भारतीय नायकों पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। जिसमें अन्तरराष्ट्रीय वैदिक गणितज्ञ एवं लेखक रवि कुमार अय्यर और मैसूर लांसर्स हेरिटेज फाउंडेशन के अध्यक्ष उदय रघुनाथ बिर्जे बतौर वक्ता शामिल हुए। इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. पूनम कुमरिया ने कार्यक्रम के बारे में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से आज हमारा देश भारत वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान कायम करने में सफल रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन से शिक्षार्थियों में भारतीय ज्ञान परंपरा का परिचय संभव हो पाया है जिसके फलस्वरूप आज महाविद्यालय की छात्राएं भारतीय वैदिक ज्ञान की ओर रूचि दिखा रही है। रवि कुमार अय्यर ने कहा कि आज वैश्विक स्तर पर भारत की नई तस्वीर उभर कर सामने आयी है। यह भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रयासों से ही संभव हो पाया है आज विदेशों में रहने वाले लोग भारत को सम्मान ही नहीं अपितु पूजनीय दृष्टि से देखने लगे हैं। अय्यर ने कहा कि आज भारतीय ज्ञान के प्रचार-प्रसार की महती आवश्यकता है जिससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सके। अय्यर ने वैदिक गणित की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वैदिक गणित वास्तव में जटिल गणितीय गणनाओं का सरलीकरण है। उन्होंने वैदिक गणित कार्यशाला के माध्यम से महाविद्यालय की छात्राओं को वैदिक गणित की विभिन्न विधाओं और सूत्रों से अवगत कराया साथ ही वैदिक गणित के प्रयोगों द्वारा वैदिक गणित की विशेषताओं और बारीकियां समझाई। अय्यर ने यह भी बताया कि चन्द्रयान-3 की सफल लैंडिंग हेतु गणनाओं में वैदिक गणित की मुख्य भूमिका रही है। दूसरे सत्र उदय रघुनाथ बिर्जे ने प्रथम विश्वयुद्ध के भारतीय नायकों के बारे में छात्राओं को बताया तथा तत्कालीन परिस्थितियों में भारतीय नायकों के योगदान को भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में 'पाणिनी अष्टाध्यायी में कम्प्यूटिंग प्रौद्योगिकी' विषय पर संवाद का आयोजन किया गया। जिसमें वक्ता के रूप में एन.आई.सी. के पूर्व महानिदेशक डॉ. चिवुकुला श्रीराम प्रभु रहे। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. पूनम कुमरिया ने कहा कि कोई भी शिक्षा संस्थान केवल क्लासरूम से नहीं बनता बल्कि इसमें छात्र-छात्राओं और शिक्षकों की मुख्य भूमिका होती है।

सार संक्षेप

दिल्ली मेट्रो ने फिर तोड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने सोमवार को अभूतपूर्व 71.03 लाख यात्रियों की यात्रा दर्ज की है। इस नए आंकड़े ने दिल्ली मेट्रो के पिछले सप्ताह बनाए गए अपने उच्चतम यात्री यात्रा रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जो दिल्ली मेट्रो पर अब तक की सबसे अधिक दैनिक यात्री यात्रा है। दरअसल, दिल्ली मेट्रो द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक जहां 29 अगस्त, 2023 को 69.94 लाख यात्रियों ने यात्रा की थी वहीं 28 अगस्त, 2023 को 68.16 लाख लोगों ने मेट्रो की यात्रा का लाभ उठाया था। यह सभी आंकड़े एक दिवसीय हैं। डीएमआरसी का कहना है कि कल हासिल किया गया यह मील का पत्थर कई चुनौतियों के बाद आया है। यह आंकड़े डीएमआरसी द्वारा प्रदान की गई विश्व स्तरीय परिवहन प्रणाली में दिल्ली एनसीआर के नागरिकों के लचीलेपन और विश्वास को दर्शाता है। डीएमआरसी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, 4 सितंबर 2023 को की गई 71,03,511 यात्री यात्राओं का लाइन-वार विवरण इस प्रकार है। येलो लाइन-19,35,752। ब्लू लाइन-18,74,267। ग्रीन लाइन-3,35,529। मैजेंटा लाइन-5,92,338। पिंक लाइन-7,36,237। रेड लाइन- 7,04,545। ग्रे लाइन-38,941, रैपिड मेट्रो-47,733, एयरपोर्ट लाइन-69,527। उपरोक्त आंकड़ों से पता चलता है कि दिल्ली मेट्रो की येलो लाइन पर सब से ज्यादा यात्री यात्रा करते हैं। दिल्ली मेट्रो का मिशन है यात्रियों को आरामदायक सफर का आनंद देना है। इसकी वजह से हर दिन दिल्ली मेट्रो नई बुलंदियों को छू रहा है। इसका परिणाम यह हुआ है कि 4 सितंबर, 2023 को अभूतपूर्व 71.03 लाख यात्रियों की यात्रा दर्ज की गई है।

भारत का इतिहास शांति की खोज : मलिक

नई दिल्ली। मानव उत्थान पथ सेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष राम दास मलिक का कहना है कि एक पृथ्वी एक कुटुंब व एक भविष्य के सूत्र वाक्य के साथ भारत जी 20 की अध्यक्षता कर रहा है, इसका अर्थ है शांति इस शांति की चिंता में धरती से लेकर आकाश तक और आज से लेकर आने वाले कल तक की फिक्र शामिल है। सिद्धी भारत की उस परंपरा भेट जिसमें शांति की प्राचीनतम अवधारणा है और उसे पाने के लिए किए गए भागीरथ प्रयास है और फिर उन्होंने कहा जब पृथ्वी के अन्य हिस्सों में छोटे छोटे राज्यों और कबीलों में सत्ता का संघर्ष चल रहा था।

नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा के बीच चलेंगी विशेष रेलगाड़ियां

नई दिल्ली,5 सितम्बर (देशबन्धु)। रेलयात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़भाड़ की निकासी हेतु रेलवे ने नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा के बीच निम्नानुसार स्पेशल रेलगाड़ियां चलाने का निर्णय लिया है। 04071/04072 नई दिल्ली-

श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-नई दिल्ली गति शक्ति स्पेशल रेलगाड़ी (2 फेरे) 04071 नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा गति शक्ति स्पेशल रेलगाड़ी 6.09.2023. को नई दिल्ली से रात्रि 11.15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन पूर्वाह्न 11:25 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा पहुंचेगी। वापसी दिशा में 04072 श्री माता वैष्णो देवी कटरा नई दिल्ली गति शक्ति स्पेशल रेलगाड़ी दिनांक 09.09.2023 को श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से साँय 06.30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 06.50 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। एकनामिकल वानानुकूलित श्रेणी के डिब्बो वाली यह स्पेशल रेलगाड़ी मार्ग मे सोनीपत, पानीपत, करनाल, कुरुक्षेत्र जंश , अम्बाला कैंट, लुधियाना, जलंधर कैंट, पठानकोट कैंट, जम्मू तवी तथा उधमपुर स्टेशनों पर दोनों दिशाओ मे रुकेगी। 04081/04082 नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-नई दिल्ली स्पेशल रेलगाड़ी (02 फेरे) 04081 नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा स्पेशल रेलगाड़ी दिनांक 07.09.2023. को नई दिल्ली से रात्रि 11.15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन पूर्वाह्न 11:25 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा पहुंचेगी 7 वापसी दिशा में 04082 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-नई दिल्ली स्पेशल रेलगाड़ी दिनांक 10.09.2023. को श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से साँय 06.30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 06.50 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। वानानुकूलित, शयनयान तथा सामान्य श्रेणी के डिब्बो वाली यह स्पेशल रेलगाड़ी मार्ग में सोनीपत, पानीपत, करनाल, कुरुक्षेत्र जक्शन, अम्बाला कैंट, लुधियाना, जलंधर कैंट, पठानकोट कैंट, जम्मू तवी तथा उधमपुर स्टेशनों पर दोनों दिशाओ मे रुकेगी।

जो अंधकार को मिटाए वह गुरू है : छाबड़िया

■ शिक्षक दिवस पर 250 प्रधानाचार्यों को किया गया सम्मानित

नई दिल्ली,5 सितम्बर (देशबन्धु)। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य मे पूर्वी दिल्ली के एफोंडएबल स्कूल एसोसिएशन द्वारा नई दिल्ली में सावित्री बाई फुले नेशनल अवार्ड का आयोजन किया गया। जिसमें भारत के अलग-अलग राज्यों के 250 प्रधानाचार्यों और शिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गिरीश मानिक लाल गांधी रहे। श्याम जाजू वरिष्ठ नेता बीजेपी, हरपाल रावत, ज्वाइंट सेक्रेटरी एआईसीसी, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। एप्सा के अध्यक्ष डा.लक्ष्य छाबड़िया और एप्सा की वरिष्ठ सलाहकार

अनन्या वेदी ने अतिथियों का गुलदस्ता, अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न देकर उनका स्वागत किया। मुख्यतिथि ने नारी शिक्षा पर प्रबल जोर देते हुए शिक्षा को हर क्षेत्र अनिवार्य बताया। डा.लक्ष्य छाबड़िया ने गुरू शब्द की व्याख्या करते हुए कहा कि जो अंधकार को मिटाए वह गुरू है और राष्ट्र को सम्मान दिलवाना है तो शिक्षक का सम्मान आवश्यक है।

स्कूलों में मनाया गया शिक्षक दिवस

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार फेस-3 दिल्ली स्थित विद्या बाल भवन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, फेयर चाइल्ड स्कूल हर्ष, ग्रीन फील्ड स्कूल विवेक विहार, लिटिल फ्लावर स्कूल शाहदरा, बाल मंदिर स्कूल प्रीति विहार में शिक्षक दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य डा.सतवीर शर्मा के मार्गदर्शन में शिक्षक दिवस पर प्रात: काल विशेष सभा का आयोजन किया गया। सभा का प्रारंभ डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्ण के सम्मुख पुष्पार्पण के साथ किया गया। विद्यार्थियों ने गीत, कविता, नृत्य के माध्यम से अपने अध्यापक-अध्यापिकाओं को सम्मान प्रकट किया। प्रधानाचार्य डॉ.सतवीर शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें शिक्षा के प्रति रुझान और शिक्षकों के प्रति सम्मान देना के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों को बताया की एक छात्र जीवन में शिक्षक की कितनी बड़ी भूमिका होती है। तत्पश्चात बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने अपने अध्यापकों का कार्य-भार संभालकर अपनी कृतज्ञता प्रकट की। बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने विद्यालय में अनुशासन एवं कार्य को उत्तमता के साथ व्यवस्थित किया।

इंडिया डिजर्व्स कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली,5 सितम्बर (देशबन्धु)। आज, इतिहास रचा गया जब संबंधित नागरिक, प्रतिष्ठित विशेषज्ञ और उत्सुक वकील वीटो 4 इंडिया हक बनता है! इंडिया डिजर्व्स कार्यक्रम के लिए नई दिल्ली स्थित प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में इक्ट्ठे हुए। यह ऐतिहासिक अवसर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत के लिए स्थायी सीट सुरक्षित करने के लिए चल रहे आंदोलन में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को किया गया। जिसमें विशिष्ट अतिथि वीटो 4 इंडिया के संस्थापक अरविंद सिंह, राजदूत अनिल त्रिगुणायत आईएफएस (सेवानिवृत्त), मेल्विन विलियम्स चिरायथ (सिने अभिनेता, लेखक, निर्देशक, निर्माता, क्यूरेटर, उद्यमी व संस्कृति पत्रकार) और सुप्रीम कोर्ट के वकील देश रतन निगम उपस्थित थे। जीवंत प्रश्न और उत्तर सत्र के बीच श्री राम सेंटर प्रोफेशनल्स द्वारा एक ज्ञानवर्धक नाटक भी पेश किया गया, जहां प्रतिभागियों ने अपने विचार और चिंताएं व्यक्त कीं। वीटो 4 इंडिया के संस्थापक अरविंद सिंह ने कहा कि आज, हम न केवल नागरिकों के रूप में, बल्कि भारत के भाग्य के प्रबंधक के रूप में इकट्ठा हुए हैं और उस मान्यता की मांग करते हैं जिसका हमारा देश विश्व मंच पर हकदार है।

जी-20 बैठक को लेकर इस्कॉन द्वारका में महायज्ञ आयोजित

नई दिल्ली,5 सितम्बर (देशबन्धु)। देश की राजधानी नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 9 व 10 सितम्बर को जी-20 शिखर सम्मेलन के भव्य आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। इसकी आशातीत सफलता के लिए इस्कॉन द्वारका में 5 सितम्बर मंगलवार को प्रात: विशाल यज्ञ का आयोजन किया गया। गौरतलब है कि देश के लिए यह विशेष गौरव की बात है कि भारत को इस ऐतिहासिक आयोजन की मेजबानी करने का अवसर मिला है। प्रत्येक भारतवासी इसकी सफलता के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार को अपनी शुभकामनाएं भेज रहा है, वहीं इस्कॉन द्वारका ने श्री श्री रुक्मिणी द्वारकाधीश के समक्ष टेंपल हॉल में विशाल यज्ञ में आहुति देकर इसकी अपार सफलता की

कामना की है। अमेरिका व चीन जैसे देश-दुनिया के दिग्गजों का स्वागत एवं अगुवाई करने में और इस शिखर सम्मेलन की सफलता हेतु जहां भारत अपनी संपूर्ण समर्थ शक्ति का उपयोग करने में जुटा है, वहीं अनेक सामाजिक संस्थाएँ भी उसके मनोबल हेतु अपने बधाई भरे शुभ संदेश सरकार तक पहुंचा रही हैं। ऐसे में इस्कॉन द्वारका का यह प्रयास सफलता की दिशा में एक मजबूत कदम है।

G20 **उत्तर रेलवे** आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

इलेक्ट्रानिक निविदा ई प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतू निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली - 110055 द्वारा इच्छुक फर्मो से निम्नलिखित मदों के लिये ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
1.	93235713	संलग्न विनिर्देशों के अनुसार, मानव संचालित कंबल स्टरलाइज़र (रोगाणु रहित) मशीन सहायक उपकरण के साथ की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग	3 सेट	03.10.2023

निविदा शर्तें:1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुउल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगा।

टेंडर नोटिस सं.: 93235713 दिनांक: 05.09.2023

2763/23

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

भूखण्ड संख्या-1, सैक्टर-नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा सिटी-201310 जिला-गौतमबुद्धनगर।

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि Flat No. BIV/1103, Eleventh Floor, Eldeco Golf View Apartments, Area-121.70 Sqm., Sector-Omega, Greater Noida जो कि Mr. Shashi Kumar & Mrs. Sunaina Kumar निवासी Flat No. BIV/1103, Eleventh Floor, Eldeco Golf View Apartments, Sector-Omega, Greater Noida के नाम पर उप निबंधन कार्यालय, सदर गौतमबुद्धनगर में दिनांक 17.08.2004 को पंजीकृत है। Mrs. Sunaina Kumar की मृत्यु के उपरांत उनकी उनके पति Mr. Shashi Kumar ने उक्त भूखण्ड/भवन का नामांतरण अपने पक्ष में करने हेतु म्यूटेशन प्रपत्र प्रस्तुत किये हैं। अतः इस म्यूटेशन के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि के 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में Mr. Shashi Kumar S/o Mr. Brij Mohan Lal का नाम दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (बिल्डर्स)
ग्रेटर नोएडा औ0 वि0 प्राधिकरण

अभियान *एमसीडी के स्कूलों का दो साल के अंदर होगा कायाकल्प*

शिक्षक का दर्जा बच्चों की नजर में भगवान से कम नहीं : आतिशी

नई दिल्ली,5 सितम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम की ओर से शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में अध्यापकों को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि केजरीवाल सरकार के स्कूलों की तर्ज पर दो साल के अंदर एमसीडी के स्कूलों का कायाकल्प होगा। निगम विद्यालयों में जल्द ही सफाई कर्मी, सुरक्षा गार्ड एवं डाटा एंट्री ऑपरेटर लगाए जाएंगे। मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने कहा कि बच्चों के भविष्य निर्माण और बुनियाद को मजबूत करने में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण है।

नेता सदन मुकेश गोयल ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में एमसीडी में 'आप' की सरकार बनने के बाद से स्कूलों का कायाकल्प हो रहा है। डिप्टी मेयर आले मोहम्मद इकबाल ने कहा कि दिल्ली नगर निगम के विद्यालयों में छात्रों की बुनियाद को मजबूत करने का कार्यक्रम चल रहा है। दिल्ली नगर निगम ने सिविक सेंटर स्थित केदारनाथ सहानी सभागार में शिक्षक दिवस पर 99 शिक्षकों को सम्मानित किया। इसमें 20 प्रधानाचार्य, 65 अध्यापक, 4 मेंटर अध्यापक, 4 विशेष शिक्षक, 5 नर्सरी अध्यापक एवं 1 शारीरिक

■ स्कूलों में सफाई कर्मी, सुरक्षा गार्ड व डाटा एंट्री ऑपरेटर लगाए जाएंगे

शिक्षक शामिल थे। इस अवसर पर दिल्ली नगर निगम के शिक्षा विभाग द्वारा पिछले एक वर्ष में किए गए कार्यों का लेखा जोखा प्रस्तुत करने वाली पुस्तक उन्नयन का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली के शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि एक शिक्षक कुछ गलत नहीं कर सकता है। शिक्षक का दर्जा बच्चों की नजर में भगवान से कम नहीं होता। बच्चे कक्षा में सिर्फ यह नहीं देखते कि शिक्षक क्या पढ़ा रहा है बल्कि वो सब कुछ देखते हैं कि कैसे बात करता है। बच्चा सुबह से लेकर रात तक अपने शिक्षक की हर छोटी बात पर ध्यान देता है। प्राइमरी स्कूल के 90 प्रतिशत बच्चे बोलते हैं कि हमें टीचर बनना है। हमें हमारी मैडम और सर पढ़ाते हैं, वैसे ही पढ़ाना है। शिक्षक बच्चे को कक्षा में सिर्फ हिंदी, गणित और ईवीएस ही नहीं पढ़ाते। एक बच्चा कैसा इंसान बनेगा वो शायद टीचर के व्यवहार पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि हम पिछले कई साल से दिल्ली सरकार में भी और पिछले 1 साल से एमसीडी के सरकारी स्कूलों और एमसीडी स्कूलों में सुधार लाने की कोशिश कर रहे हैं। हम सब आपका सिर्फ सपोर्ट स्टाफ है। शिक्षा क्रांति में मुख्य भूमिका शिक्षक की होती है। अगर बच्चों की जिंदगी में बड़ा बदलाव लाना है तो उसमें मुख्य भूमिका शिक्षक की है। अगर हमारी इस शिक्षा क्रांति की फ्लाइट को टेक ऑफ करना है तो उसके लिए पायलट तो अध्यापक ही है, शिक्षक ही शिक्षा क्रांति को आगे लेकर जाएंगे। और नगर निगम में चल रही दिक्कतों की वजह से टीचर पिछले कई सालों से काफी परेशान भी रहे हैं। मैं आज आपको मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय और सीएम अरविंद केजरीवाल की तरफ से एक वादा करती हूं कि आने वाले दो सालों में शिक्षकों की सारी पुरानी समस्याओं का समाधान जरूर करेंगे। आप लोगों को सैलरी समय पर मिलनी शुरू हुई है। मुझे खुशी इस बात की है कि धीरे-धीरे ही सही उस और यह सफलता प्राप्त हो रही है कि एक तारीख को आपके बैंक अकाउंट में सैलरी आए। इसके लिए मैं दिल्ली नगर निगम की पूरी टीम को बधाई देना चाहती हूं। लेकिन जो आपके बाकि लंबित मामले हैं। उसके लिए मैंने दो साल का समय इसलिए मांगा है क्योंकि समस्या पुरानी है। उन्हें ठीक करने में समय लगेगा। मैं आपको आश्वासन दे रही हूं कि अध्यापक हमारे लिए प्राथमिकता है और आपकी समस्याओं का समाधान हम जरूर करेंगे।

हमारे जीवन में शिक्षक की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण

इस अवसर पर दिल्ली की मेयर डॉ.शैली ओबेरॉय ने कहा कि हमारे जीवन में शिक्षक की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। शिक्षक हमारे जीवन को दिशा देता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक ही हमें समाज से तालमेल बिठाना सिखाता है और हम अपने शिक्षकों के प्रयासों के फलस्वरूप ही यहां आपके सामने बैठे हैं।

G20 **उत्तर रेलवे** आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना (ई-टेंडरिंग द्वारा)

कार्य का नाम तथा स्थान	ओखला पलवल के कार्य का प्रावधान दिल्ली डिवीजन में पीडब्ल्यूएल अनुभाग में पुराने आरई मुख्य केबल को 6 क्वाड केबल से बदला जाएगा।
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	₹ 1,61,50,093.99/- मात्र
निविदा-प्रपत्र शुल्क (₹)	₹ 0/- मात्र
धरोहर राशि (₹)	₹ 2,30,800/- मात्र
कार्यालय का पत्ता	वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता-C, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली - 110055.
निविदा प्रपत्र जमा करने तथा निविदा खुलने का दिनांक तथा समय।	निविदा प्रपत्र जमा अपलोड करने का समय दिनांक 27.09.2023 को 15:00 बजे तक
वेबसाइट एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।	उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें या देखे नोटिस बोर्ड, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली - 110055.

निविदा संख्या:- 558-सिगनल-16-टेली-ओपनटेंडर-981 दिनांक: 04.09.2023

2751/23

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कैपिटल ज़ोन

उवाच

निगम की कार्यशैली में बहुत से बदलाव लाने की योजना पर काम चल रहा है। शहर वासियों के लिए मूलभूत सुविधाओं को और अधिक बेहतर तरीके से करने हेतु अधिकारियों के साथ एक टीम बनाकर कार्य किया जाएगा। निगम की आर्थिक स्थिति को और अधिक मजबूत करने के लिए भी पहले दिन ही नगर आयुक्त द्वारा संबंधित अधिकारियों के प्लानिंग के बारे में जानकारी ली।
विक्रमादित्य सिंह मलिक, नगर आयुक्त

माफिया की 91 करोड़ की संपत्ति पुलिस ने की कुर्क

गाजियाबाद, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। ग्रामीण जोन पुलिस ने भूमाफिया व हिस्ट्रीशीटर अपराधी महबूब अली की जनपद गाजियाबाद में स्थित अवैध रुप अर्जित की गई लगभग 26 करोड़ रुपए की अचल सम्पत्ति गैंगस्टर अधिनियम के अन्तर्गत कुर्क की है।

एसीपी ने बताया कि थाना ट्रोनिका सिटी के अंतर्गत पावी सादकपुर के रहने वाले महबूब अली जिसके विरूद्ध वर्ष 2008 से अगस्त 2023 के बीच धोखाधड़ी, मारपीट, अपहरण, जमीन पर कब्जा करने, गुण्डा एवं गैंगस्टर अधिनियम के कुल 20 अभियोग पंजीकृत हैं। उसके विरुद्ध दिनांक 15अगस्त को थाना ट्रोनिका सिटी पर पंजीकृत गैंगस्टर अधिनियम की प्रथम सूचना रिपोर्ट की गई थी। इसी क्रम में पुलिस आयुक्त ने इस भूमाफिया की कुल 9 अचल संपत्तियों कुर्क करने का आदेश दिया था। इस प्रॉपर्टी का वर्तमान बाजार मूल्य लगभग 91 करोड़ रुपए है।

पुलिस आयुक्त, के आदेश के अनुपालन में ग्रामीण जोन पुलिस ने भूमाफिया महबूब अली की अवैध रुप से अर्जित की गई जनपद गाजियाबाद में स्थित 3 सम्पत्तियां आवासीय / व्यवसायिक कीमत 26 करोड़ रुपए धारा 14(1) गैंगस्टर एक्ट में कुर्क की गई है। अभियुक्त महबूब अली द्वारा अपराध कारित कर अवैध रूप से अर्जित अन्य जनपदों में स्थित अवैध सम्पत्ति की कुर्की की कार्रवाई की है।

कलेक्ट्रेट में हुई राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की बैठक

■ **सफाई कर्मचारियों के हित में किए गए कार्य की रिपोर्ट प्रस्तुत**

■ **आयोग की उपाध्यक्ष व नगर आयुक्त ने लिया बैठक में हिस्सा**

गाजियाबाद, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की बैठक का आयोजन किया गया। इसमें सफाई कर्मचारियों के हित में किए गए कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की उपाध्यक्ष अंजना पवार ने की। बैठक में उपस्थित नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने सफाई कर्मचारियों के हित में कई विशेष बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की। इस मौके पर नगर निगम द्वारा सफाई कर्मचारियों के हित में किया जा रहे कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। जिसमें नगर आयुक्त द्वारा बैठक में उपस्थित नगर स्वास्थ्य अधिकारी को समस्त सफाई कर्मचारियों का हेल्थ चेकअप प्रत्येक 3 माह में करने के निर्देश दिए। केंद्रीय उपाध्यक्ष अंजना पवार द्वारा नगर आयुक्त तथा अन्य नगर पालिका व नगर पंचायत से संबंधित अधिकारियों को स्वास्थ्य विभाग से समन्वय बनाकर सफाई मित्रों तथा उनके परिवार जनों का विशेष ध्यान रखने हेतु योजना बनाकर कार्य करने के लिए कहा गया। इस मौके पर जिले के सभी नगर पालिका, ग्राम पंचायत के संबंधित अधिकारीकरण उपस्थित रहे।

सफाई मित्रों का परिवार भी निगम का हिस्सा : विक्रमादित्य मालिक

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने कहा कि बैठक निर्णय लिया कि सफाई मित्रों के साथ उनका परिवार भी निगम का हिस्सा है। इसलिए सफाई कर्मचारी तथा उनके परिवार जनों का फुल बॉडी हेल्थ चेकअप समय-समय पर करने के निर्देश दिए गए है। यही नहीं ऐसे कर्मचारियों के पीएफ का सही समय पर भुगतान करना, मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराना हमारे दायित्वों में शामिल हैं। आने वाले समय में सफाई मित्रों के कार्य स्थलों पर हाजिरी स्थल व चेंजिंग रूम की व्यवस्था करना की जाएगी। ऐसे कर्मचारियों को समय समय पर पदोन्नति भी दी जाएगी। बैठक में नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश, प्रदीप चौहान व अन्य राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

■ **सफाई मित्र व उनके परिवारजन हैं निगम का अहम हिस्सा : नगर आयुक्त**

बिना योजना के काम करने वाले अधिकारियों को चेतावनी

गाजियाबाद, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। नए नगर आयुक्त के रूप में पद भार संभालते ही विक्रमादित्य सिंह मलिक ने सभी विभागाध्यक्षों को चेतावनी दे दी। उन्होंने कहा कि बिना योजना के काम में सफलता मिलना कठिन है। इसलिए सभी विभाग अपने काम काज को प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत करे। यह सुनते ही सभी अधिकारियों में हड़कंप मच गया। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद वह जी 20 के रूट का निरीक्षण करने पहुंच गए। मलिक ने स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर नगर आयुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को पूरी तैयारी कर मैदान में उतरने के लिए कहा कि राजधानी से सटा होने के कारण साफ सफाई के मामले में बेहतर रहना चाहिए। इसके लिए और अधिक मेहनत करने की जरूरत है। चार्ज लेने के फौरन बाद उन्होंने देर रात में जी20 रूट का निरीक्षण किया। मौके पर सभी विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस दौरान जी 20 की तैयारियों को लेकर निर्माण विभाग, उद्यान विभाग, तथा स्वास्थ्य विभाग, प्रकाश विभाग रात्रि में दौरे पर रहा और अपने अपने विभाग के काम काज को बारीकी से निरीक्षण किया। नगर आयुक्त ने पहले दिन ही विभागों से बैठक कर कार्य की रूपरेखा बनाई और निरीक्षण के दौरान मौके पर अधिकारियों को बेहतर और कम समय लगाते हुए कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। जी-20, तथा स्वच्छता सर्वेक्षण के अलावा भी शहर हित में निगम अधिकारियों को अपने-अपने विभाग से संबंधित कार्यों को रफ्तार से पूरा करने के निर्देश दिए साथ ही अपने-अपने विभाग से संबंधित समस्याओं के समाधान की प्रतिदिन की कंप्लायंस रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भी निर्देशित किया। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने कहा कि निगम की कार्यशैली में बहुत से बदलाव लाने की योजना पर काम चल रहा है। शहर वासियों के लिए मूलभूत सुविधाओं को और अधिक बेहतर तरीके से करने हेतु अधिकारियों के साथ एक टीम बनाकर कार्य किया जाएगा। निगम की आर्थिक स्थिति को और अधिक मजबूत करने के लिए भी पहले दिन ही नगर आयुक्त द्वारा संबंधित अधिकारियों के प्लानिंग के बारे में जानकारी ली।

■ **चार्ज संभालते ही नगर आयुक्त ने सभी विभागों से लिया प्रेजेंटेशन**

सार संक्षेप

वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय अशोक गोयल की स्मृति में शोक सभा का आयोजन

बुलंदशहर। काला आम चौराहे पर स्थित राज्य बाबू पार्क पर पहुंचकर स्वर्गीय अशोक गोयल की स्मृति में किया गया शोक सभा का आयोजन शोक सभा के दौरान दर्जनों से अधिक पत्रकार हुए एकत्रित शोक सभा का संचालन करते हुए नंद गोपाल वर्मा बिलासपुर ग्रेटर नोएडा द्वारा गिनाई गई वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय अशोक गोयल की उपलब्धियां तो वही वरिष्ठ पत्रकार मुकुल शर्मा द्वारा लोकतंत्र सेनानी वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय अशोक गोयल के जीवन पर प्रकाश डालते हुए नम आंखों से किए श्रद्धा सुमन अर्पित की। इस कदर जाना बुलंदशहर की पत्रकारिता को बहुत बड़ी क्षति हुई है। इस मौके मौके पर घनश्याम पंडित अयोध्या पैदल यात्रा करने वाले, वरिष्ठ पत्रकार हरि अंगिरा बुलंदशहर, हरिप्रकाश बाबा बिलासपुर, इमामुद्दीन सैफी जहांगीराबाद, बलदेव भटनागर सिकंदराबाद, पत्रकार सुरेन्द्र सिंह भाटी, सचिन शर्मा एवं पत्रकार मनोज गिरि सहित दर्जनों से अधिक पत्रकार उपस्थित रहे।

सत्यम फैशन इंस्टीट्यूट में मिस एसएफआई फ्रेशर का आयोजन

नोएडा। देश के उभरते डिजाइन संस्थानों में से एक एनएएसी द्वारा 'ए' ग्रेड से मान्यता प्राप्त सत्यम फैशन इंस्टीट्यूट ने नोएडा स्थित परिसर में मिस एसएफआई फ्रेशर 2023 मेगा इवेंट का आयोजन किया। मिस एसएफआई फ्रेशर, इस प्रतिष्ठित संस्थान के सबसे पसंदीदा खिताबों में से एक है, जिसे इस साल राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा सीजीपीए 3.18 के साथ 'ए' ग्रेड के साथ फिर से मान्यता दी गई है, जिसका उद्देश्य छात्रों को अपना प्रदर्शन दिखाने के लिए प्रोत्साहित करना है। आत्मविश्वास के साथ प्रतिभा, सीमाओं को पार करें और वह करें जो असंभव है, और शिष्टता और सकारात्मकता के साथ नई चुनौतियों का पता लगाएं। कार्यक्रम में फैशन व सौंदर्य उद्योग के दिग्गजों की उपस्थिति देखी गई। हाउतेमोंडे मिसेज इंडिया वर्ल्डवाइड 2021 की मिसेज ग्लैमरस विजेता मोनिका आहूजा सम्मानित अतिथि थीं, जिन्होंने इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम को जज भी किया।

50 से अधिक सशक्त महिलाओं की प्रदर्शनी को डीएम व पत्नी ने सराहा

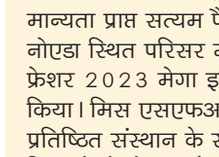

नोएडा। सेक्टर-27 स्थित फार्च्यून इन ग्रेजिया में कोव (कोफेडरेशन ऑफ वूमेन एंटरप्रेन्योर) यूपी द्वारा कोव मार्ट का आयोजन किया गया। डीएम गौतमबुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा और उनकी पत्नी अंकिता वर्मा कार्यक्रम में मौजूद रहे। मार्ट में खरीदारी के लिए महिलाओं को उनके परिवारों की खासी भीड़ रही। 50 से ज्यादा सशक्त महिलाओं ने प्रदर्शनी लगाई। डीएम और उनकी पत्नी ने अपने संबोधन में कार्यक्रम की सराहना की। प्रदर्शनी में डिजाइनर पोशाक, साड़ियां, जूलरी, सहायक उपकरण, हस्तशिल्प, उपहार और घरेलू सजावट के सामान बेचे जा रहे थे।

सीबीआई ने गेल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर को किया गिरफ्तार

नोएडा, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। सीबीआई ने मंगलवार को गेल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर केबी सिंह समेत 5 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। सीबीआई ने उन्हें दिल्ली में 50 लाख घूस लेते हुए पकड़ा। इसके अलावा बड़ोदरा की एडवांस इन्फ्रास्ट्रक्चर के निदेशक सुरेंद्र कुमार और घूस देने वाले को भी गिरफ्तार किया गया है। केबी सिंह पर आरोप है कि वह एक प्राइवेट कंपनी को गैस प्रोजेक्ट दे रहे थे। सोमवार देर रात सीबीआई ने केबी सिंह के नोएडा के सेक्टर-72 में स्थित घर पर छापा मारा था। सीबीआई उनके मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स और बैंक अकाउंट को खंगाल रही है। फिलहाल, अभी भी छापेमारी जारी है। इस केस में दिल्ली, नोएडा और विशाखापत्तनम सहित कई स्थानों पर छापेमारी चल रही है। गौरतलब है कि गेल (गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड) एक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत आने वाली महारत्न कंपनी है। गेल की स्थापना 1984 में हुई थी और इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। यह भारत के साथ-साथ विदेशों में भी कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही है। गेल की स्थापना केंद्र सरकार ने 1984 में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के रूप में की थी। इसको देश में गैस आपूर्ति के बुनियादी ढांचे को स्थापित करने के लिए शामिल किया गया था। यह कंपनी न केवल व्यवसाय चलाने और लाभ उत्पन्न करने के लिए, बल्कि एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बनाई गई थी।

नोएडा प्राधिकरण के नियोजन विभाग की बड़ी लापरवाही

■ **सुप्रीम कोर्ट के आदेश में सेक्टर-43 में देनी थी जमीन**

■ **बोर्ड में प्रस्तुत किया सेक्टर-42 का संशोधित प्लान**

नोएडा, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। नोएडा प्राधिकरण के नियोजन विभाग की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। एक मामले में उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय सहकारी आवास समिति को सेक्टर-43 में जमीन देने का आदेश दिया, जबकि प्राधिकरण ने इस मामले में जमीन देने के लिए सेक्टर-42 के संशोधित ले आउट प्लान को मंजूरी के लिए बोर्ड बैठक में रख दिया।

अब लापरवाही उजागर होने पर नए सिरे से सेक्टर-43 का ले आउट प्लान तैयार किया जा रहा है। इसको अगली बोर्ड बैठक में मंजूर कराया जाएगा। उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद नियोजन विभाग की ओर से 12 अगस्त 2023 को हुई बोर्ड बैठक में सेक्टर-42 का संशोधित ले आउट प्लान मंजूरी के लिए रखा गया।

इसमें बताया गया कि न्यायालय के आदेश के तहत केंद्रीय कर्मचारी सहकारी गृह निर्माण समिति को भूखंड संख्या-जीएच-1, सेक्टर-42 में 60 हजार वर्ग मीटर जमीन आरक्षित कर दी गई है। इस सेक्टर में 12 और 24 मीटर की चौड़ी सड़कों के प्रावधान के साथ 350 और 450 वर्ग मीटर क्षेत्रफल के बड़े आवासीय भूखंडों को नियोजित किया गया है। बोर्ड बैठक के बाद प्राधिकरण ने प्रेस रिलीज जारी करते हुए बताया कि सेक्टर-42 के संशोधित ले आउट प्लान को मंजूरी की जानकारी दी।

अब इस मामले में नियोजन विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। उच्चतम न्यायालय ने जो आदेश जारी किया था उसमें साफ तौर पर सेक्टर-43 में समिति को जमीन देने को कहा गया है जबकि प्राधिकरण के नियोजन विभाग ने सेक्टर-42 का संशोधित ले आउट प्लान का प्रस्ताव रख दिया गया। इस मामले में नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सतीश पाल ने नियोजन विभाग की गलती को माना है। उन्होंने बताया कि भूमि की सीमित उपलब्धता को देखते हुए उसका अधिकतम उपयोग का प्रावधान करते हुए सेक्टर-43 का संशोधित ले आउट प्राधिकरण की आगामी बोर्ड बैठक में रखा जाए।

निवास प्रोमोटर्स ने 7 रेरा शिकायतकर्ताओं के साथ आपसी सहमति से वसूली प्रमाणपत्रों का किया समाधान

नोएडा, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। उ.प्र. रेरा से जारी वसूली प्रमाण पत्रों के सापेक्ष मेसर्स निवास प्रोमोटर्स ने अपने 7 आवंटियों को राशि का भुगतान करते हुए विवाद का समाधान कर लिया। दोनों पक्षों के मध्य हुए आपसी समाधान के अनुसार सभी 7 आवंटियों को लगभग रुपये 1 करोड़ 8 लाख की धनराशि का भुगतान किया जाएगा। इसके अन्तर्गत जुलाई 2023 से मार्च 2024 तक, लगभग 9 किश्तों में, रुपये 12 लाख 12 हजार प्रति माह के पोस्ट डेटेड चेक जारी कर दिए गए है और इस प्रकार से सभी आवंटियों की मांग पूरी कर दी जाएगी। इस सम्बन्ध में प्रोमोटर ने आवंटियों के साथ हस्ताक्षरित एग्रीमेन्ट प्राधिकरण में जमा करके जारी वसूली प्रमाण पत्र जिला प्रशासन से वापस मंगाने का अनुरोध किया है। प्रस्तुत किये गए एग्रीमेन्ट के अनुसार मेसर्स रिनाउंड बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड ने तृतीय पक्ष की भांति मध्यस्थता करते हुए विवाद का समाधान कराने में सहयोग किया है। ज्ञातव्य है कि उ.प्र. रेरा ने निवास प्रोमोटर्स प्राइवेट लिमिटेड के विरुद्ध दर्ज शिकायतों में सुनवाई करते हुए आवंटियों को तय समय में इकाई का कब्जा या जमा धनराशि विलम्ब अवधि के ब्याज सहित वापस करने का आदेश जारी किया था।

प्रोमोटर द्वारा ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर 10 में स्थित आवासीय परियोजना विकसित की जानी थी लेकिन परियोजना में कई वर्षों से निर्माण व विकास कार्य बन्द पड़ा है। प्रोमोटर द्वारा आदेश का अनुपालन नहीं किये जाने पर आवंटियों ने पोर्टल पर आदेश अनुपालन कराने का अनुरोध दर्ज किया था। इसके उपरान्त अग्रिम प्रक्रिया के तहत कार्रवाई करते हुए प्राधिकरण ने सुनवाई की थी और आवंटियों को रिफण्ड दिलाने के उद्देश्य से वसूली प्रमाण पत्र जारी किया था।

तीन बड़े इवेंट में ट्रैफिक की मिलेगी हर अपडेट

नोएडा, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। नोएडा में जी-20 शिखर सम्मेलन, मोटो जीपी-2023 और इंटरनेशनल ट्रेड शो के दौरान वाहन चालकों को दिक्कत नहीं होगी। गूगल मैप, एपल मैप ऐप और मेप माई इंडिया ऐप पर ट्रैफिक की हर अपडेट और डायजर्वन की जानकारी मिलेगी। इसके लिए मंगलवार को डीसीपी ट्रैफिक ने गूगल मैप के अधिकारियों कंवलदीप सिंह व उनकी ट्रैफिक एडवाइजरी सपोर्ट के प्रमुख, जितेंद्र के साथ सेक्टर-14ए नोएडा स्थित कार्यालय में बैठक की गई।

■ **गूगल मैप पर दिखेगा डायवर्जन, पार्किंग और लाइव ट्रैफिक**

■ **एपल मैप और मेप माई इंडिया के साथ होगी बैठक**

इसमें गूगल मैप की टीम द्वारा लाइव ट्रैफिक और सामान्य ट्रैफिक को उनके द्वारा मैप में शो किया जाएगा। इसके साथ ही सभी महत्वपूर्ण डायवर्जन को भी मैप पर दिखाया जाएगा। इवेंट के दौरान प्लेस आफ इंटरस्ट में जैसे प्रमुख पार्किंग स्थलों जिसमें मोटो जीवी-2023 नार्थ जोन, वेस्ट जोन और इस्ट जोन के अलावा और इंटरनेशनल ट्रैड शो 2023- नासा गोलचक्कर और प्रमुख अस्पतालों को भी गुगल मैप पर प्लॉट किया जाएगा। इस पर सहमति बन गई है। ये सब लाइव सिस्टम पर भी होगा।

मसलन यदि कही जाम की स्थिति बनती है या कोई इमरजेंसी आती है तो तत्काल गूगल मैप पर इसकी जानकारी मिल जाएगी। ऐसे में रूट डायवर्ट करना भी आसान होगा। इवेंट के दौरान आने और जाने वाले ट्रैफिक को कैसे विभिन्न क्षेत्रों में रूटिंग और रीरूटिंग की जाएगी इसका भी खाका तैयार किया जा रहा है। दरअसल दोनों इवेंट में लाखों लोगों के नोएडा पहुंचने की उम्मीद है। सबसे ज्यादा लोग ट्रेड शो में आएंगे। इसके अलावा वीवीआईपी और वीआईपी लोगों की आवाजाही के लिए रूट डायवर्ट और बंद भी किया जाएगा।

जी-20 सम्मेलन पांच बार्डर, तीन एक्सप्रेस वे पर डायवर्जन

नोएडा, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 7 से 10 सितम्बर तक आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सदस्य देशों और आमंत्रित देशों के राष्ट्राध्क्षों, शासनाध्यक्षों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख भाग लेंगे। दिल्ली पुलिस की ओर से गौतमबुद्धनगर के बॉर्डर से दिल्ली राज्य में भारी, मध्यम, हल्के मालवाहक वाहन का प्रवेश प्रतिबन्धित करने के लिए कहा गया है। ऐसे में 7 सितम्बर को शाम 5 बजे से 10 सितम्बर की रात 12 बजे तक इस श्रेणी के वाहनों का दिल्ली में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। वहीं आम लोगों को निजी वाहनों का कम प्रयोग करके मेट्रो का प्रयोग करने की सलाह दी गई है।

■ **नोएडा-दिल्ली पुलिस ने जारी किया रूट प्लान**

■ **7 से 10 सितम्बर तक रहेगा लागू**

वहीं जरुरी सेवाओं जेसे दूध, सब्जियां, फल, चिकित्सा आपूर्ति ले जाने वाले मालवाहक वाहनों को दिल्ली पुलिस नो-एन्ट्री परमिशन के अनुसार जा सकेंगें। यातायात असुविधा होने पर गौतमबुद्धनगर यातायात हेल्प लाइन नंबर 9971009001, दिल्ली यातायात पुलिस हेल्प लाइन नंबर 1095/011-25844444 एवं वाटस एप नंबर 8750871493 पर सम्पर्क कर सकते हैं। किसी भी समय दिल्ली पुलिस द्वारा जारी एडवाइजरी में परिवर्तन किये जाने पर गौतमबुद्धनगर यातायात पुलिस द्वारा भी परिवर्तन किया जाएगा।

ट्रैफिक डीसीपी अनिल यादव ने बताया कि गौतमबुद्धनगर सीमा से दिल्ली राज्य से सटे बॉर्डर चिल्ला, डीएनडी, कालिन्दी कुंज, न्यू अशोक नगर, कोण्डली/झुण्डपुर से दिल्ली सीमा में भारी, मध्यम और हल्के मालवाहक वाहन का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा। ये वाहन ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

दिल्ली से सटे पांच बार्डर पर ये होगा रूट डायवर्जन

चिल्ला बॉर्डर : चिल्ला रेड लाइट (बॉर्डर) से दिल्ली राज्य प्रवेश कर अन्य स्थानों को जाने वाले वाहन चिल्ला रेड लाइट से यू-टर्न लेकर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

डीएनडी बॉर्डर : डीएनडी (बॉर्डर) से दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्य स्थानों को जाने वाले वाहन डीएनडी टोल प्लाजा से यू-टर्न लेकर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

कालिन्दी बॉर्डर : कालिन्दी कुंज यमुना (बॉर्डर) से दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्य स्थानों को जाने वाले वाहन यमुना नदी से पहले अंडरपास तिराहा से डायवर्ट किए जाएंगे, जो नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

न्यू अशोक नगर बॉर्डर : डीएससी रोड से आकर न्यू अशोक नगर (बॉर्डर) से दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्य जाने वाले वाहन गोलचक्कर चोक सेक्टर 15 से डीएससी रोड होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

कोंडली, झुण्डपुरा बॉर्डर : झुण्डपुरा/कोंडली (बॉर्डर) से दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन स्टेडियम चौक से शहर क्षेत्र होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

तीनों एक्सप्रेस पर वे ऐसा होगा रूट प्लान

जपनद में यमुना एक्सप्रेस वे, नोएडा ग्रेटरनोएडा एक्सप्रेस वे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस है। इन तीनों एक्सप्रेस वे पर 7 सितम्बर को शाम 5 बजे से 10 सितम्बर की रात 12 बजे तक भारी, मध्यम और हल्के तीनों मालवाहक वाहन का आवागन पूरी तरह से प्रतिबन्धित रहेगा। हालांकि आवश्यक वस्तुएं जेसे दूध, सब्जियां, फल, चिकित्सा आपूर्ति ले जाने वाले मालवाहक वाहनों को दिल्ली पुलिस नो-एन्ट्री परमिशन के अनुसार जा सकेंगे।

अन्य जनपदों में जाने के लिए ये मार्ग

मेरठ, हापुड, गाजियाबाद, से ईस्टर्न पेरिफेरल द्वारा बील अकबरपुर से जनपद आगरा, मथुरा, लखनऊ व अन्य जनपदों में जाने के लिए एनएच-91 का प्रयोग करेगें। पलवल से ईस्टर्न पेरीफेरल द्वारा नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से होकर दिल्ली की ओर जाने वाले वाहनों का सिरसा लूप से उतरना पूर्णत: प्रतिबिन्धत रहेगा। केवल गौतमबुद्धनगर आने वाले भारी , मध्यम और हल्के मालवाहक वाहन का संचालन नो-एन्ट्री के प्रावधानों के साथ प्रवेश कर सकेगें।

जनपद गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट के इंटरनल क्षेत्र का डायवर्जन

>>गौतमबुद्धनगर के आन्तरिक मार्गो पर भारी, मध्यम और हल्के मालवाहक वाहन का संचालन नो-एन्ट्री के प्रावधानों के साथ सामान्य आवागमन की अनुमति निम्न मार्गों (यमुना एक्सप्रेस-वे एवं नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे) पर प्रतिबन्धों के साथ रहेगी। अन्य प्रान्त या अन्य जनपद के आवागमन के लिए एनएच-24, एनएच-91 एवं ईस्टर्न पेरीफेरल का प्रयोग कर नो-एन्ट्री के प्राविधानों के अनुसार गंतव्य को जा सकेगें।

>>जीरो प्वाईंट, परीचौक, पी-03 गोलचक्कर, होण्डा सीएल चौक, सूरजपुर घंटा चौक ग्रेटर नोएडा व जपनद के आन्तरिक मार्ग पर नो-एन्ट्री के प्रावधानों के अनुसार गंतव्य को जा सकेगें।

परीचौक से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे होकर दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन परीचौक से होंडा सीएल चौक, सिरसा गोलचक्कर से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

>>पी-03 गोलचक्कर से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे होकर दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन पी-03 गोलचक्कर से होण्डा सीएल चौक, सिरसा गोलचक्कर से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

>>होंडा सीएल चौक से पुस्ता तिराहा/पी-03 गोलचक्कर से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे होकर दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन होण्डा सीएल चौक से सिरसा गोलचक्कर से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

>>सूरजपुर घण्टा चौक से परीचौक से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे होकर दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन सूरजपुर घंटा चौक से तिलपता गोलचक्कर से सिरसा गोलचक्कर से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

>>यमुना एक्सप्रेस-वे से आकर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे होकर दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन जेवर कस्बा की ओर उतरकर सबौता अंडरपास से खुर्जा की ओर जाने वाले बाईपास से जहांगीरपुर से खुर्जा, सिकन्द्राबाद, बुलन्दशहर होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

भारत में व्यर्थ प्रबन्धन प्रथाओं में क्रान्तिकारी बदलाव लाने की हमारे समर्पण की पुष्टि करता है। आधुनिक टेक्नोलॉजी एवं स्थायी प्रक्रियाओं के माध्यम से हम स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण के निर्माण में योगदान देना चाहते हैं। यह प्लांट स्थायी भविष्य के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रशांत सिंह, कंपनी सह-संस्थापक एवं सीईओ

महेश शर्मा बने बीकेयू लोकशक्ति के तहसील अध्यक्ष, किसानों ने की बैठक

जेवर, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। क्षेत्र के गांव बनवारीपुर में मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें एयरपोर्ट के तीसरे चरण में जान वाले गांव के किसानों की समस्याओं पर चर्चा की गई और संगठन का विस्तार करते हुए महेश शर्मा को जेवर तहसील अध्यक्ष बनाया गया। भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर श्यौराज सिंह के नेतृत्व में आयोजित बैठक अध्यक्षता नानक चंद्र शर्मा ने तथा संचालन पप्पू नागर ने किया। संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए विस्तार करते हुए महेश शर्मा को सर्वसम्मति से जेवर तहसील अध्यक्ष मनोनीत किया गया। वहीं एयरपोर्ट के तीसरे चरण में जाने वाले गांव के किसानों से वार्ता करने के बाद कार्यकर्ताओं ने एक मत होकर आवाज बुलंद करने तथा किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ देने का संकल्प लिया।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की तैयारी को लेकर प्रभारी मंत्री व अपर मुख्य सचिव ने किया दौरा

ग्रेटर नोएडा, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। इंडिया एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा में 21 से 25 सितम्बर तक उत्तर प्रदेश का पहला यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो होना प्रस्तावित है, जिसको लेकर प्राधिकरण, जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने युद्ध स्तर पर अपने-अपनी तैयारी को अंतिम रूप प्रदान किया जा रहा है।

इसी कड़ी में मंगलवार को राज्य मंत्री लोक निर्माण विभाग उत्तर प्रदेश व जनपद के प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह एवं अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने जिला प्रशासन, प्राधिकरण एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के साथ यू.पी इंटरनेशनल ट्रेड शो को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक के अवसर पर जिला प्रशासन, प्राधिकरण एवं पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंत्री एवं अपर मुख्य सचिव को यू.पी. इंटरनेशनल ट्रेड शो को लेकर की जा रही वर्तमान तक की तैयारियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। अपर मुख्य सचिव ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए बैठक में उपस्थित अधिकारियों का

- तैयारी को लेकर जिला प्रशासन, प्राधिकरण एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के साथ की बैठक
- शो में वीवीआईपी, निवेशकों, उद्यमी व एंटरप्रेन्योर्स लेंगे हिस्सा

आह्वान करते हुए कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो उत्तर प्रदेश सरकार का बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यक्रम है और यह जनपद गौतम बुद्ध नगर का सौभाग्य है कि इतना बड़ा इवेंट जनपद में होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि यू.पी इंटरनेशनल ट्रेड शो में देश एवं विदेश के वीवीआईपी, निवेशकों, उद्यमियों एंटरप्रेन्योर्स आदि के द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। इसलिए जिला प्रशासन, प्राधिकरण एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी गण आपसी समन्वय स्थापित करते हुए यू.पी इंटरनेशनल ट्रेड शो में आने वाले देश एवं विदेश के मेहमानों के रहन-सहन, खान पान, स्वास्थ्य, ट्रैवलिंग तथा उनकी सुरक्षा से संबंधित सभी तैयारियां समय रहते मानकों के अनुरूप पूर्ण कर ली जाए ताकि इस मेगा इवेंट के दौरान आने वाले मेहमानों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े और जब वह ट्रेड शो के समापन के बाद वापस लौटे तो वह हमारे देश व प्रदेश को लेकर एक अच्छा संदेश अपने साथ लेकर जाएं।

उन्होंने कहा कि यू.पी इंटरनेशनल ट्रेड शो को लेकर जिला प्रशासन, प्राधिकरण एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी गण आपसी समन्वय बनाकर इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को सफल बनाने की कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे तथा यू.पी इंटरनेशनल ट्रेड शो को लेकर व्यापक प्रचार प्रसार भी सुनिश्चित कराया जाए ताकि आयोजित होने वाले ट्रेड शो को लेकर अधिक से अधिक लोगों को जानकारी प्राप्त हो सके।

प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह ने शिक्षक-शिक्षिकाओं को किया सम्मानित

- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से समूचे शिक्षक समुदाय को मिलती रहेगी प्रेरणा

ग्रेटर नोएडा। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया, जिसमें राज्य मंत्री लोक निर्माण विभाग उत्तर प्रदेश व जनपद के प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह एवं दादरी क्षेत्र के विधायक तेजपाल नागर तथा अन्य जनप्रतिनिधियों, डीएम मनीष कुमार वर्मा, शिक्षा विभाग, शिक्षक व शिक्षिकाओं के लिए लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने शिक्षक-शिक्षिकाओं के सम्मान समारोह को कलेक्ट्रेट सभागार में सजीव प्रसारण देखा गया। सजीव प्रसारण के बाद मंत्री एवं विधायक ने माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा के उत्कृष्ट कार्य करने वाले माध्यमिक शिक्षा विभाग गौतम बुद्ध नगर के 8 व बेसिक शिक्षा विभाग गौतम बुद्ध नगर के 11 शिक्षक-शिक्षिकाओं को शाल ओढ़ाकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिले के सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन सभी के लिए प्रेरणास्रोत है, जब एक शिक्षक विभिन्न कठिनाईयों से जूझता हुआ भारत के सर्वोच्च संवैधनिक पद पर पहुंचा। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से सदैव ही समूचे शिक्षक समुदाय को प्रेरणा प्राप्त होती रहेगी। उन्होंने शिक्षकों को कर्तव्यबोध का एहसास कराते हुए कहा कि शिक्षक सदैव से ही सम्माननीय रहा है। आज के दौर में शैक्षणिक कार्य और अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है, क्योंकि अभिभावक अपने बच्चे को अधिकाधिक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाना चाहता है। सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक रूप से सुधार करते हुए विभिन्न मानकों को पूरा किया गया है। बहुत सारे शिक्षकों द्वारा नवाचार और स्वयं की प्रेरणा से विद्यालयों को सुधारा गया है। इस प्रकार से वर्तमान में छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो रही है।

सार संक्षेप

बिल्ली के बच्चे को तेंदुआ समझ हुए भयभीत

रबूपुरा। क्षेत्र के गांव मोहम्मदाबाद खेड़ा में जंगली बिल्ली के बच्चे को तेंदुआ का बच्चा समझ कर लोग सहम गए। जंगल में तेंदुए के बच्चे होने की खबर पूरे क्षेत्र में आग की तरफ फैल गई। जिसके चलते कुछ ग्रामीणों ने अपने खेतों पर भी आना जाना छोड़ दिया है। लोगों में अफवाह है कि यह तेंदुए के बच्चे हैं लेकिन कुछ ग्रामीणों का कहना है कि यह जंगली बिल्ली के बच्चे हैं। इनसे डरने की कोई जरूरत नहीं है।

संदिग्ध परिस्थितियों में व्यक्ति की मौत

जेवर। कोतवाली क्षेत्र के गांव जेवर खादर उर्फ मढैया निवासी एक व्यक्ति मंगलवार शाम को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने अत्याधिक शराब के सेवन से मौत होने की आशंका व्यक्त की है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनोज सिंह चौहान ने बताया कि मंगलवार को जेवर खादर उर्फ मढैया के ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी थी कि गांव के समीप स्थित यमुना पुस्ता के समीप एक व्यक्ति नशे की हालात में पडा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एम्बूलेंस बुलाकर उसे कस्बे के निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अघोरी साधु ने लगाया मारपीट व लूट का आरोप

जेवर। कस्बे के झाझर रोड स्थित एक शमशान घाट पर रहने वाले एक अघोरी साधु ने दो लोगो पर सोमवार रात को मारपीट कर लूटपाट करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। अघोरी साधु ने पुलिस से शिकायत करते हुए बताया कि सोमवार रात को कस्बे के एक परिचित व्यक्ति व एक अज्ञात व्यक्ति उसके पास पहुंचे। जिसके बाद उन्होंने साधु के साथ मारपीट करते हुए डेढ़ लाख की नगदी लूट ली। साधु का कहना है कि उसके पास एक घोड़ी थी जिसे उसने कुछ ही समय पूर्व डेढ़ लाख रुपए में बेच था।

नाम परिवर्तन

मैं आशुतोष पुत्र रघुराम मिश्रा निवासी ग्राम सी 118 चंदीपुर नौबस्ता कानपुर उ०प्र० अपना नाम बदलकर आशुतोष मिश्रा रखता हूं भविष्य में मुझे आशुतोष मिश्रा के नाम से जाना जाए

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

जेवर के विकास के लिए एक मंच पर आए फेयरस्ट्रीट स्पोर्ट्स व गौतम बुद्ध विवि

ग्रेटर नोएडा, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। भारत में पहली बार आयोजित होने जा रहे मोटोजीपी भारत रेस के भारतीय प्रमोटर्स-फेयरस्ट्रीट स्पोर्ट्स और जेवर स्थित गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी (जीबीयू) ने इस क्षेत्र के विकास और युवाओं के लिए रोजगार तथा सीखने के साधन उपलब्ध कराने के मकसद से मंगलवार को एक मंच पर आने का फैसला किया। सितम्बर के अंतिम सप्ताहांत 22 से 24 सितम्बर में होने वाली इस बहुप्रतीक्षित रेस के लिए पार्टनर यूनिवर्सिटी के तौर पर मोटोजीपी भारत से जुड़ गया है। फाउंडर एंड चीफऑपरेटर ऑफिसर पुष्कर नाथ ने कि कहा कि मोटो जीपी में करीब 400 लोग कार्य करने के लिए अन्य देशों से आते हैं। अगर यहां पर ही लोगों को उन कार्यों के बारे में सिखा दिया जाएगा तो इससे देश का फायदा होगा। छात्रों को एक नए फील्ड में करियर बनाने का मौका भी मिलेगा। गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रोफेसर रविंद्र कुमार सिन्हा और फेयरस्ट्रीट स्पोर्ट्स के प्रतिनिधियों ने जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह की मौजूदगी में इस क्षेत्र के विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की और कहा कि जनप्रतिनिधि के साथ-साथ जीबीयू और फेयरस्ट्रीट स्पोर्ट्स जैसे संस्थानों का एक मंच पर आना निश्चित तौर पर इस क्षेत्र में विकास के नए रास्ते खोलेगा। प्रोफेसर सिन्हा ने कहा कि इस साझेदारी से यूनिवर्सिटी के छात्रों के लिए चहुंमुखी विकास का रास्ता खुलेगा। प्रोफेसर सिन्हा ने इस इवेंट का स्वागत करते हुए इसे सफल बनाने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि इस आयोजन का संभावित प्रभाव युवाओं को सशक्त बनाने और अवसरों तक उन्हें पहुंच प्रदान करने की दिशा में होगा। साथ ही साथ इस आयोजन के बाद इसका अधिकतम लाभ लेने के रास्ते खोजने पर किया जाएगा। मोटोजीपी भारत में लगभग 40 टीमें भाग लेंगी, जिसमें 80 राइडर्स शामिल होंगे। पुष्कर नाथ ने बताया कि युवाओं में भी मोटर बाइक रेसिंग का क्रेज ज्यादा बढ़ रहा है। साथ ही मोटोजीपी देश विदेश के टॉप 10 सपोर्ट्स में शामिल है। उन्होंने विश्वविद्यालय के संस्थापक से 40 से 50 वालंटियर भी मांगे है। जोकि मीडिया और इंजीनियरिंग सहित अन्य क्षेत्रों के हो सकते हैं। ताकि वह वहां पर आई नई टेक्नोलॉजी के बारे में जान सके। वहां उन्हें पता चलेगा कि किस तरह मोटरसाइकिल पर लगे कैमरे की मदद से रेसिंग के कवरेज की जाती है।

सेक्टर डेल्टा दो की समस्या को लेकर प्राधिकरण की एसीईओ ने किया दौरा

ग्रेटर नोएडा, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ मेधा रूपम ने आरडब्ल्यूए के साथ सेक्टर डेल्टा-2 का निरीक्षण किया। सेक्टर की समस्या को लेकर आरडब्ल्यूए की टीम कई बार प्राधिकरण को शिकायत की थी, जिसको लेकर एसीईओ ने दौरा किया।

निवासियों की मांग पर सेक्टर के सामुदायिक केंद्र को रिपेयर कराने, बाउंड्री वॉल को ऊंचा करने, पार्क में मिट्टी का भराव कराने, पार्क में हाईमास्ट लाइट लगवाने, साफ- सफाई कराने और सेक्टर में सी एंड डी वेस्ट के ढेर को हटवाने के निर्देश दिए गए।

मंगलवार को मेधा रूपम ने समस्त विभागों के मैनेजर और ठेकेदारों के साथ सेक्टर का दौरा किया। इस अवसर पर आर.डब्लू.ए.डेल्टा-2 के पदाधिकारियों ने सेक्टर की समस्या से अवगत कराया।

सेक्टर के कूड़े कचरे का किया जा रहा है स्थायी समाधान

- ब्लू प्लेनेट एशिया ने ग्रेटर नोएडा में व्यर्थ प्रबन्धन को दिया नया आयाम
- कूड़े से तैयार हो रहा है गैस, डीजल, किसानों के लिए खाद

ग्रेटर नोएडा, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा के सेक्टरों में रहने वाले निवासियों के घर से कूड़ा एकत्रित कर स्थायी समाधान किया जा रहा है, जिसके लिए एक प्लांट नॉलेज पार्क तीन में लगाया गया है। इस प्लांट का संचालन ब्लू प्लेनेट एशिया एनवायरनमेंटल सोल्युशन्स कर रही है, जिसका मुख्यालय सिंगापुर में है। ब्लू प्लेनेट व्यर्थ के संग्रहण से लेकर पृथक्करण एवं परिवहन तक पूरी प्रक्रिया में व्यर्थ प्रबन्धन के स्थायी समाधान उपलब्ध कराती है। अपने आधुनिक मॉडल के जरिए कंपनी स्रोत पर ही व्यर्थ का एक्सक्लुजिव एक्सेस पाकर, व्यर्थ के प्रभावी प्रबन्धन, प्रसंस्करण एवं अपसायक्लिंग को सुनिश्चित करती है। हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस युनिट का उद्घाटन किया था। यह यूनिट पर्यावरणी मसस्याओं को हल कर सार्वजनिक-निजी भागीदारी के महत्व पर जोर देती है। ब्लू प्लेनेट एशिया का यह प्लांट टीमवर्क के साथ आधुनिक मॉडल पर काम करता है जो भारत में व्यर्थ प्रबन्धन को नया आयाम देते हुए स्वच्छ उर्जा एवं स्वस्थ समुदायों का मार्ग प्रशस्त करता है।

कंपनी के सह-संस्थापक एवं सीईओ प्रशांत सिंह ने बताया कि भारत में व्यर्थ प्रबन्धन प्रथाओं में क्रान्तिकारी बदलाव लाने की हमारे समर्पण की पुष्टि करता है। आधुनिक टेक्नोलॉजी एवं स्थायी प्रक्रियाओं के माध्यम से हम स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण के निर्माण में योगदान देना चाहते हैं। यह प्लांट स्थायी भविष्य के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस प्लांट की स्थापना ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के साथ साझेदारी में की गई। इस प्लांट में प्रति दिन 18 मीट्रिक टन व्यर्थ को प्रसंस्कृत करने की क्षमता है। यह यूनिट स्थायी ईंधन की आपूर्ति, व्यर्थ को बायोगैस एवं सीएनजी में रीसायकल करने की ब्लू प्लेनेट के नेतृत्व को दर्शाती है। इसके अलावा कंपनी की एमएसडब्ल्यू पहल के चलते कार्बन डाई ऑक्साईड के उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आई है, जो विश्वस्तरीय जलवायु लक्ष्यों के अनुरूप है। प्लांट विजिट के दौरान बायो-माइनिंग परियोजनाओं में ब्लू प्लेनेट एशिया की क्षमता का प्रदर्शन किया गया। इस तरह की 17 पहलें पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्यरत हैं।

भूसा भरा ट्रक आग लगने के कारण जलकर हुआ राख

दनकौर, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। दनकौर क्षेत्र स्थित ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे पर मंगलवार की सुबह भूसा से भरे एक ट्रक में शार्ट सर्किट से अचानक आग लग गई। जब तक आग बुझाने के लिए दमकल कर्मी पहुंचे तब तक ट्रक पूरी तरह से जलकर राख हो गया। राजस्थान के धौलपुर के रहने वाले नीरज सिंह ने बताया कि वह पलवल से भूसा भरकर दादरी की तरफ जा रहे थे। जब ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे पर उनका ट्रक दनकौर कोतवाली क्षेत्र में पहुंचा तो शार्ट सर्किट से अचानक आग लग गई। चालक नीरज सिंह को जैसे ही इसकी जानकारी हुई तो सतर्कता बरतते हुए ट्रक को सड़क किनारे लगा दिया।

इस दौरान चालक और परिचालक दोनों ट्रक से नीचे उतरकर दूर खड़े हो गये। साथ ही दमकल को मामले की जानकारी दी गई। पीड़ित चालक ने बताया कि सूचना के बाद जब तक दमकल कर्मी मौके ओर पहुंचे उससे पहले ही भूसा के साथ ट्रक भी जलकर राख हो गया। बाद में ट्रक मालिक महेश चंद गर्ग और चालक नीरज सिंह ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस को जानकारी दी। पुलिस का कहना है कि शार्ट सर्किट के कारण ट्रक में आग लगी है।

महिलाओं को आर्टिफीसियल ज्वैलरी बनाने के लिए किया गया प्रशिक्षित

ग्रेटर नोएडा, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में स्वरोजगार हेतु 'आर्टिफीसियल ज्वैलरी बनाने का 13 दिवसीय प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में एन. आर.एल. के स्वय सहायता समूह सहित 30 महिलाओं ने भाग लिया। डोमेन विषय का प्रशिक्षण और प्रैक्टिकल डीएसटी रजनी शिशोदिया ने सभी को दिया गया और सॉफ्ट स्किल के साथ साथ बैंकिंग की जानकारी। संस्थान के निदेशक अनिल कुमार, फैकल्टी अजीत सिंह व अंकिता नागर ने सभी को प्रदान किया। इस कार्यक्रम में महिलाओं ने मंगलसूत्र, चूड़ी, कान के एयारिंग्स, पायल, मेहंदी हल्दी की ज्वैलरी, नक्लेस, राखी, कान्हा जी की ज्वैलरी आदि का निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण समापन और प्रमाण पत्र वितरण समारोह आरसेटी में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनिल कुमार सहायक विकास अधिकारी दादरी ब्लाक गौतम बुद्ध नगर उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

भूखण्ड संख्या-01, सैक्टर नॉलेज पार्क-4 ग्रेटर नोएडा सिटी-201310 जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है ग्राम/सैक्टर-घोडी बछेडा की प्रस्तावित आबादी में आवंटित आवंटन संख्या-जी0एच.डी.01652, भूखण्ड संख्या-666, क्षेत्रफल-230 वर्ग मीटर श्री प्रमोद कुमार पुत्र श्री अजब सिंह, श्रीमती सावित्री देवी पत्नी स्व0 श्री अजब सिंह, निवासी-ग्राम-घोडी बछेडा, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में आवंटित किया गया था। सहः आवटी श्रीमती सावित्री देवी पत्नी स्व0 श्री अजब सिंह की मृत्यु के उपरांत इनके वारिसान श्री प्रमोद कुमार पुत्र स्व० श्री अजब सिंह, निवासी-ग्राम-घोडी बछेडा, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में इनके श्री प्रमोद कुमार पुत्र स्व0 श्री अजब सिंह, निवासी-ग्राम-घोडी बछेडा, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 के पक्ष में सह आवंटी के रूप में दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

भूखण्ड संख्या-01, सैक्टर नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा सिटी-201310 जिला-गौतम बुद्ध नगर।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सैक्टर-सैनी की प्रस्तावित आबादी में आवंटित आवंटन संख्या-एस.ए.आई.01637, भूखण्ड संख्या-51, पाकेट-सी, क्षेत्रफल-330 वर्ग मीटर श्री राजपाल पुत्र स्व0 श्री केवल व श्री अमित शर्मा पुत्र स्व० श्री बबलू पौत्र स्व० श्री केवल, निवासी-ग्राम-सैनी, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में आवंटित किया गया था। सहः आवंटी श्री राजपाल पुत्र स्व० श्री केवल की मृत्यु के उपरांत इनके वारिस सर्वश्री रोहित शर्मा, सचिन शर्मा, गौरव शर्मा पुत्रगण स्व० श्री राजपाल, श्रीमती रमेश्वरी पत्नी स्व0 श्री राजपाल, श्रीमती रचना शर्मा (विवाहित) पुत्री स्व० श्री राजपाल, निवासी-ग्राम-सैनी, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 में से सर्वश्री रोहित शर्मा, सचिन शर्मा, गौरव शर्मा पुत्रगण स्व० श्री राजपाल, निवासी-ग्राम-सैनी, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में इनके सर्वश्री रोहित शर्मा, सचिन शर्मा, गौरव शर्मा पुत्रगण स्व० श्री राजपाल, निवासी-ग्राम - सैनी, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 के पक्ष में आवंटी के रूप में दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

भूखण्ड संख्या-01, सैक्टर-नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा सिटी-201310 जिला-गौतमबुद्धनगर।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सैक्टर-सैनी की प्रस्तावित आबादी में आवंटित आवंटन संख्या-एस.ए.आई.0185, भूखण्ड संख्या-48, क्षेत्रफल-510 वर्ग मीटर श्री राजपाल पुत्र स्व0 श्री केवल व श्री अमित शर्मा पुत्र स्व० श्री बबलू पौत्र स्व० श्री केवल, निवासी-ग्राम-सैनी, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 के पक्ष में आवंटित किया गया था। सहः आवंटी श्री राजपाल पुत्र स्व० श्री केवल की मृत्यु के उपरांत इनके वारिस सर्वश्री रोहित शर्मा, सचिन शर्मा, गौरव शर्मा पुत्रगण स्व० श्री राजपाल, श्रीमती रमेश्वरी पत्नी स्व0 श्री राजपाल, श्रीमती रचना शर्मा (विवाहित) पुत्री स्व० श्री राजपाल, निवासी-ग्राम-सैनी, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 में से सर्वश्री रोहित शर्मा, सचिन शर्मा, गौरव शर्मा पुत्रगण स्व० श्री राजपाल, निवासी-ग्राम-सैनी, ग्रेटर नोएडा, जिला - गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में इनके सर्वश्री रोहित शर्मा, सचिन शर्मा, गौरव शर्मा पुत्रगण स्व० श्री राजपाल, निवासी-ग्राम-सैनी, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 के पक्ष में आवंटी के रूप में दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

शिक्षक दिवस पर जीबीयू के शिक्षक राष्ट्रपति भवन में हुए आमंत्रित

ग्रेटर नोएडा, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के शिक्षकों को शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में आमंत्रित किया गया शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन का दौरा करने के लिए जीबीयू द्वारा नौ शिक्षकों को नामित किया गया था। नौ संकाय सदस्यों की एक टीम जिसमें शामिल हैं, डॉ. विक्रांत नैन, डॉ. अरविंद कुमार सिंह, डॉ. राकेश श्रीवास्तव, डॉ. शक्ति साही, डॉ. सतीश के. मित्तल, डॉ. विदुषी शर्मा, डॉ. पंकज दीप, डॉ. विवेक मिश्रा, डॉ. विमलेश कुमार, शिक्षक दिवस समारोह का दौरा किया और उसकी शोभा बढ़ाई।

सेन्ट जोसेफ विद्यालय में मनाया गया शिक्षक दिवस

ग्रेटर नोएडा, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। सेंट जोसफ विद्यालय में शिक्षक दिवस बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल के प्रधानाचार्य फादर आल्विन पिंटो, सभी स्टाफ सदस्यों, सिस्टर्स अलावा स्कूल के प्रबंधक फादर एंड्रयू कोरिया और अन्य कुछ विशेष अतिथि भी मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। बच्चों ने शिक्षक के प्रति आभार व्यक्त करते हुए एक सुंदर समूह गान प्रस्तु किया। इसके उपरांत कक्षा यूकेजी के छात्र छात्राओं द्वारा एक शानदार कव्वाली का प्रस्तुतीकरण किया गया, जिसे देखकर वहां उपस्थित प्रत्येक शिक्षक गण खुशी से झूम उठा और सब ने ताली बजाकर कार्यक्रम की खूब सराहना की।

इसी श्रृंखला आगे एक के बाद एक कार्यक्रमों की जैसे झड़ी ही लग गई। बच्चों ने सभी शिक्षक गणों को उनके व्यक्तित्व के अनुसार शीर्षक भेंट किए। बच्चों के अंदर टीचर्स डे को लेकर एक अलग ही उत्साह था। चारों तरफ एक उत्सव जैसा माहौल बना हुआ था। कार्यक्रम के अंत में स्कूल के प्रबंधक फादर एंड्रयू कोरिया ने सभी शिक्षक गणों को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की पुण्यतिथि पर सभी को उनसे सीख लेने की अनुरोध किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

एकेटीयू ने शिक्षा में विशेष योगदान के लिए शिक्षकों को किया सम्मानित

ग्रेटर नोएडा, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। शिक्षक दिवस के अवसर पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में विश्वविद्यालय से जुड़े कोलिजों के 11 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। जिनमें से गौतमबुद्धनगर के चार प्रोफेसर भी शामिल थे। नॉलेज पार्क स्थित जीएल बजाज इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी एंड मैनेजमेंट के प्रोफेसर शशांक अवस्थी को अकादमिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए बैस्ट टीचर अवार्ड से सम्मानित किया गया। सम्मान मिलने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. शशांक अवस्थी ने कहा (टीचिंग विद इमोशन रादर देन प्रोफेशन) केवल पब्लिकेशन करना रिसर्च नहीं है उससे समाज के लिए प्रोडक्ट बनाना वास्तव में रिसर्च है। एसी रिसर्च से ही प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया और इनोवेशन को बढ़ावा मिल सकेगा। कॉलेज पहुंचने पर कॉलेज के निदेशक डॉ. मानस कुमार मिश्रा, डी एस डब्ल्यू महावीर सिंह नरुका और अन्य साथी अध्यापकों ने जोरदार स्वागत किया। जीएल बजाज शिक्षण संस्थान के वाइस चेयरमैन पंकज अग्रवाल ने इस सम्मान के लिए प्रो. शशांक अवस्थी को बधाई देते हुए भविष्य के लिए शुभकामनायें दीं। चुने गए सभी 11 शिक्षकों को एकेटीयू लखनऊ के परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पद्मश्री एसएन कुरील ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। आपको बता दें कि अकादमिक में बेहतर परिणाम और कार्यों को देखते हुए प्रदेशभर से इन शिक्षकों को चयन किया गया था।

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, बुधवार 6 सितम्बर 2023

संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

जी-20 का भारत और यथार्थ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छवि चमकाने का नया मौका दिन-ब-दिन करीब आता जा रहा है। साथ ही यह भी पता चल रहा है कि इसके लिये किस बड़े पैमाने पर पैसा खर्च किया जा रहा है। 9 और 10 सितम्बर को दिल्ली में आयोजित जी-20 के दौरान इवेंटबाजी में सिद्धहस्त मोदी भारत की एक ऐसी चमकदार तस्वीर पेश करने जा रहे हैं जिसके पीछे देश की बदहाली का अंधेरा छिप जाये। वैश्विक नेताओं के सामने वे खुद को एक उदार, लोकतांत्रिक तथा समतावादी नेता साबित करने की कोशिश करने जा रहे हैं ताकि पिछले नौ वर्षों के दौरान उनके सारे लोकतंत्र विरोधी कृत्यों पर पर्दा पड़ जाये। वे खुद और साथ ही कमजोर होती हुई उनकी भारतीय जनता पार्टी इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन का भरपूर लाभ आंतरिक राजनीति में उठाने पर आमादा दिखलाई पड़ रही है। इसके लिये एक तरफ आयोजन स्थलों को बेतहाशा सजाया-संवारा जा रहा है, तो दूसरी तरफ मोदी इस आशय के बयान दे रहे हैं हैं मानों उन्होंने मुल्क को ज़न्नत बना दिया हो।

पहले बात करें साज-सज्जा की। दिल्ली के हृदय स्थल पर बने प्रगति मैदान में 'भारत मंडपम' के नाम से भव्य आयोजन स्थल बनकर लगभग तैयार हो चुका है। 26 देशों के राष्ट्राध्यक्ष यहां भारत के आध्यात्मिक-सांस्कृतिक गौरव और परम्परा का प्रस्तुतिकरण देखेंगे। बाहरी मुल्कों से आने वाले जी-20 के संख्या में बहुत कम लेकिन बेहद प्रभावशाली राष्ट्राध्यक्षों को दिखलाने और आत्मसंतुष्टि के लिये मंडप के अलग-अलग हिस्सों में भारत का केन्द्रीय भाव 'वसुधैव कुटुम्बकम्' अभिव्यक्त हो रहा है। सांस्कृतिक वीथिका में 29 भाषाओं में बतलाया गया है कि 'संसार एक परिवार है।' हिन्दू धर्म से जुड़े कई प्रतीक चिन्ह भी यहां हैं- मोर पंख है तो शंख भी। यहां पंचतत्व है, सूर्य शक्ति है, योग है और वेद की पाण्डुलिपि भी। यानी वह सब कुछ जो प्राचीन भारत की देन है। हालांकि इस सम्पूर्ण वास्तु के दौरान यह भी ध्यान रखा गया है कि वर्तमान सत्ता को इन तमाम उपलब्धियों एवं अर्जित विकास का श्रेय देना है। 'जीरो से इसरो' इसी प्रयास की एक कड़ी है। तीन दर्जन सभा कक्षों वाली चार मंजिला इमारत में 14 हजार लोगों के बैठने तथा 5500 कारों की पार्किंग के लिये जगह है। शंखनुमा झूमर के साथ इतना आलीशान सभा कक्ष कि कोई देश की गरीबी का अंदाजा भी न लगा सके।

इसके साथ ही बात करनी ज़रूरी है उस साक्षात्कार की जो प्रधानमंत्री ने जी-20 सम्मेलन के अवसर पर एक समाचार एजेंसी को दिया है। उन्होंने इसमें बताया है कि पहले भारत को एक अरब भूखे लोगों का देश माना जाता था परन्तु अब वह एक अरब महत्वाकांक्षी दिमाग तथा 2 अरब कुशल हाथों में रोजगार का देश बन गया है। भारत के जल्दी ही दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बन जाने का दावा दोहराते हुए मोदी साहब बतलाते हैं कि 2047 तक, यानी आजादी के सौ साल पूरे होने पर देश एक विकसित राष्ट्र बन जायेगा। विकास के लिये 4-डी का फार्मूला देते हुए मोदी यह भी बताते हैं कि अब दुनिया का भारत को देखने का नजरिया बदल गया है। डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी और डायवर्सिटी के साथ डेवलपमेंट शब्द को जोड़ते हुए प्रधानमंत्री ने देशवासियों को आश्वस्त किया है कि भारत का 1000 वर्षों के विकास का रास्ता प्रशस्त हो चुका है। एक अच्छे समाज सुधारक की तरह उन्होंने भ्रष्टाचार, जातिवाद एवं साम्प्रदायिकता से दूर रहने की सलाह दी है। इसके साथ ही उन्होंने देशी व अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र पर अपनी गहरी पकड़ व अनुभव के बल पर छोटे विकासशील देशों को सलाह भी दी है कि वे कर्जों के जाल में न फंसें। इसके अलावा भी उन्होंने अनेक बातें कही हैं जो भारत के नागरिक आधारित मॉडल, फेक न्यूज़ के खतरे, कोरोना काल में भारत द्वारा 150 देशों को टीके व दवाइयां देने और 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' से सम्बन्धित है।

अगर मोदी के उपरोक्त साक्षात्कार के अलग-अलग हिस्सों पर विचार करें तो साफ है कि भारत में कम से कम ऐसा कुछ भी होता हुआ नहीं दिख रहा है। देश में रोजगार की स्थिति सर्वज्ञात है। देश की विकास दर निम्न स्तर पर है। देश में लोकतंत्र के जितने खराब दिन अभी चल रहे हैं, वैसे नागरिकों ने कभी भी नहीं देखे। मानवाधिकार कानून ताक पर रख दिये गये हैं, सारी संवैधानिक संस्थाएं इतनी कमजोर कर दी गई हैं कि वे एक तरह से सरकार की हां में हां मिला रही हैं। सत्ता से सवाल पूछने वाले जेलों में डाल दिये गये हैं। लोकतंत्र की जननी होने का दावा करने वाले मोदी का 9 साल का कार्यकाल नागरिकों के बुनियादी हकों और समावेशी संस्कृति को मटियामेट कर चुका है। जातिवाद और साम्प्रदायिकता का आलम यह है कि दलित महिलाओं से बलात्कार होते हैं, आदिवासियों पर पेशाब की जाती है तथा ट्रेन में बाकायदा शिनाख्त करते हुए मुस्लिमों को गोलियों से भुना है। संविधान बदलने की बात होती है और विपक्ष मुक्त भारत बनाया जा रहा है।

आधी से ज्यादा दिल्ली को ठहराकर या बन्द कराकर मोदी स्वयं को बाहरी लोगों के सामने देश का सबसे शक्तिशाली और देशवासियों के समक्ष एक लोकप्रिय वैश्विक नेता साबित करना चाहते हैं। आंतरिक राजनीति में अपनी कमजोर होती स्थिति को सुधारने के लिये मोदी बड़े पैमाने पर खर्च कर रहे हैं वरना नयी दिल्ली और उसके आसपास ऐसे सैकड़ों स्थल हैं जहां ये आयोजन सादगीपूर्ण ढंग से हो सकते हैं। दरअसल यह मोदी द्वारा वैश्विक नेताओं के समक्ष प्रस्तुतिकरण के लिये तैयार किया गया भारत है। असली हिन्दुस्तान बिलकुल अलग है- बदहाल, विपन्न, विभाजित और पिछड़ता हुआ।

भारतीय अस्मिता और हिन्दू राष्ट्र

■ अरुण कुमार डनायक

क्या भारत कभी हिन्दू राष्ट्र बन सकता है? क्या 'हिन्दी, हिन्दू, हिन्दुस्तान' का नारा कभी धरातल पर उतर सकता है? ये यक्ष प्रश्न हैं। इनका उत्तर 1947 के बहुत पहले, शायद सौ वर्षों से खोजा जा रहा है, लेकिन अभी तक जवाब नहीं मिला है। इस परिकल्पना में जीते अनेक हिंदूवादी संगठन अपना अस्तित्व अतीत को भेंट कर चुके हैं, जनता ने उन्हें कई बार सिरे से नकार दिया है, लेकिन एक संगठन जिसे हम फासिस्टवादी हिटलर और मुसोलिनी से प्रेरित बताते हैं, जिसका विस्तार आज़ादी की पूर्व संध्या तक केवल महाराष्ट्र के कतिपय ब्राह्मणों तक सीमित था और बंटवारे के समय वह कुछ सिंधी और पंजाबी शरणार्थियों पर असर डालने में सफल हुआ, आज भारत का सबसे प्रभावशाली संगठन बन गया है। उपरोक्त नारे इसी संगठन की दिमागी उपज हैं और एक मोटे अनुमान से कहा जा सकता है कि देश की पच्चीस से तीस प्रतिशत आबादी का विश्वास इन नारों में है।

भारत की इस आबादी के मनो-मस्तिष्क में यह बात भर दी गई है कि हिंदुत्व और भारतीयता एक-दूसरे के पर्याय हैं। हिन्दू शब्द का अस्तित्व वैदिक या पौराणिक नहीं है। इसकी उत्पत्ति ही पश्चिमी आक्रान्ताओं के, सिन्धु नदी को इंडस और इस भूभाग को इंडिया कहने से हुई। यही इंडस और इंडिया आगे चलकर हिन्दू और हिन्दुस्तान हो गए। इस आधार पर अगर विदेशी विद्वान यहां के सभी निवासियों को हिन्दू मानते हैं तो भला क्या आपत्ति हो सकती है, लेकिन आपत्ति तो उन लोगों को सबसे ज्यादा है जो 'हिन्दी, हिन्दू, हिन्दुस्तान' का नारा देते हैं। उनकी निगाह में हमारी धार्मिक मान्यताओं से परहेज रखने वाले अहिंदू हैं। ये अहिंदू उनके साथ बैठ तो सकते हैं, लेकिन उनका स्थान बराबरी का नहीं होगा। जब तक यह समानता स्वीकार नहीं की जायेगी, अहिंदू स्वयं को भारतीय कहलाने में तो गर्व महसूस करेंगे, लेकिन हिन्दू कहलाना कतई पसंद नहीं करेंगे।

फिर भारत तो ऐसा देश है जहां धर्म, आध्यात्म, संस्कृति और सामाजिक विचारों की अनेक धाराएं आकर समाहित हो गई हैं। हमारे देश में ऐसे लाखों-करोड़ों लोग हैं जो किसी धर्म को नहीं मानते। उस वैदिक संस्कृति, आर्य सभ्यता पर भी उनका विश्वास नहीं है जिसे हिन्दुत्ववादी संगठन राष्ट्रीय स्वाभिमान से जोड़कर देखते हैं। इसलिए हमारी राष्ट्रीय पहचान हिंदुत्व व हिन्दू की जगह भारतीय रहनी चाहिए। भाषा को भी संस्कृत, उर्दू, हिन्दी के पचड़े से दूर रखना चाहिए। हमारे पूर्वज भले चाहे किसी भी भाषा को सम्प्रेषण का माध्यम मानते रहे हों, लेकिन यदि हम जिस भाषा को पढ़-लिख नहीं सकते वह हमारी मातृभाषा नहीं हैं। ऐसा मानने में क्या हर्ज है?

जब हम अंग्रेजों की गुलामी की बेड़ियों से मुक्त हुए तब विभाजन का दंश झेलना पड़ा। पाकिस्तान का जन्म धर्म के आधार पर हुआ, लेकिन हमारे तत्कालीन नायकों ने बहुसंख्यक हिन्दू आबादी वाले देश को हिदुस्थान मानने की बजाय 'इंडिया देट इज भारत' कहा। हमने धार्मिक आधार पर बंटवारे को सिरे से नकार दिया। हम लम्बे समय तक भारत विभाजन के लिए जिन्ना की कट्टरवादिता और हिन्दू-मुस्लिमों के बीच अविश्वास की गहरी खाई को दोषी मानते रहे, लेकिन इसके लिए हमारे इतिहासकारों ने कभी भी सुल्तानों और मुग़ल बादशाहों के अत्याचारों, धर्म परिवर्तन, आस्था स्थलों की तोड़-फोड़ को दोष नहीं दिया, वरन हमने अंग्रेजों की 'फूट डालो, राज करो' की नीति को हिन्दू-मुस्लिम वैमनस्यता का दोषी माना।

अब जो प्रयास इतिहास पुनर्लेखन को लेकर हो रहे हैं वे इन स्थापित धारणाओं के विपरीत हैं। विभाजन के आधार को यदि पुनर्जीवित कर इसे धार्मिक आधार देने का प्रयास सफल होता है तो इसका मतलब यही होगा कि जिन्ना, गोलवलकर, सावरकर एक ही हैं। जिन्ना ने यदि भारत को इस्लाम के नाम पर विखंडित कर दिया तो हिंदुत्व के नाम से यह नया प्रयास एक और विखंडन को जन्म देगा।

भारतीय मानसिकता जिसका मूलाधार वेदान्त में निहित है, राज धर्म की बात करता है। वह शासक से अपेक्षा करता है कि धर्म, जाति, विचारों के आधार पर प्रजा के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिये। भारत के संविधान निर्माताओं में बहुसंख्यक सदस्य वेद-पुराण में वर्णित राजनीतिक सिद्धांतों व नीति उपदेशों से प्रेरित थे। वे महात्मा गांधी के अनुयायी नहीं, तो प्रशंसक अवश्य थे। उन्होंने जिस संविधान की रचना कर भारत के लोगों को समर्पित किया था उसमें धर्म आधारित राज्य को तरजीह देने की जगह धर्मनिरपेक्षता को संविधान के मूल ढांचे में शामिल किया गया था।

> भारतीय मानसिकता जिसका मूलाधार वेदान्त में निहित है, राज धर्म की बात करता है। वह शासक से अपेक्षा करता है कि धर्म, जाति, विचारों के आधार पर प्रजा के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिये। भारत के संविधान निर्माताओं में बहुसंख्यक सदस्य वेद-पुराण में वर्णित राजनीतिक सिद्धांतों व नीति उपदेशों से प्रेरित थे। वे महात्मा गांधी के अनुयायी नहीं, तो प्रशंसक अवश्य थे।

यदि भारत के संविधान का आधार हिन्दू धर्म होता तो क्या होता? यह कल्पना ही मन को झकझोर देती है। हमारे दिमाग में सीरिया, सउदी अरब, ईरान, पाकिस्तान की आवाम का चित्र आ जाता है। भारत का संविधान भारतीय लोगों का संविधान है, वह हिन्दू संविधान नहीं है। इसीलिये यह देश हिन्दुस्थान नहीं भारत है और यहां के निवासी हिन्दू नहीं भारतीय हैं।

इतना कहने मात्र से हम साम्प्रदायिकता के जहर से मुक्त नहीं हो सकते। देश की बहुसंख्यक आबादी को यह भरोसा दिलाने की आवश्यकता है कि भले चाहे संविधान के अनुच्छेद 25 (धर्म को मानने और प्रचार करने का समान हक), अनुच्छेद 26 (धार्मिक संस्थाओं की स्थापना और पोषण की स्वतंत्रता), अनुच्छेद 28 (शिक्षा संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक उपासना में उपस्थित होने की स्वतंत्रता) और अनुच्छेद 29 (नागरिकों के किसी भी वर्ग को अपनी विशिष्ट भाषा, लिपि या संस्कृति को संरक्षित करने का अधिकार) आदि प्रावधान अल्पसंख्यकों में भेदभाव-रहित राज्य की कल्पना के लिए जोड़े गए हैं, लेकिन वे बहुसंख्यकों के अधिकारों का हनन नहीं करते और इन अनुच्छेदों के प्रावधान उन्हें भी अपने धर्म का पालन करने संबंधी पर्याप्त छूट देते हैं।

अल्पसंख्यकों को भी कतिपय मामलों में अपने विचार बदलने होंगे। वे भले ही हिन्दू आदर्शों को अपना नहीं मानें, लेकिन कुतबुद्दीन ऐबक, अलाउद्दीन खिलजी, औरंगजेब जैसे धर्मांध मुस्लिम शासकों को, जिन्होंने राजधर्म निभाने में चूक की, अपना आदर्श नहीं बताएं। उन्हें गैर-कानूनी व आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त अपने सजातीय बंधुओं की न केवल भर्त्सना करनी होगी, वरन उन्हें प्रश्रय देना भी बंद करना होगा। ऐसा करने में यदि उनकी जान भी चली जाय तो उन्हें उसकी परवाह नहीं करनी चाहिए। देश की एकता और अखंडता अक्षुण रखने के लिए कम-से-कम इतने बलिदान की अपेक्षा तो की जा सकती है।

मुसलमानों में भी बहुत सी सामाजिक कुरीतियां, जैसे-बहु-पत्नी प्रथा, पर्दा प्रथा, उत्तराधिकार, तलाक, असमानता आदि हैं। उन्हें इन पुरातन नियमों में परिवर्तन के लिए स्वयं आगे आना होगा। कुरआन ईश-निंदा की इजाजत नहीं देता। बहुसंख्यक समुदाय भी प्राय: अल्लाह, पैगम्बर साहब के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करता है, लेकिन कुछ मामलों में चूक हो ही जाती है। ऐसे में मुस्लिम समुदाय को फतवा देने से बचना चाहिए। अगर ऐसे कुछ उपाय मुसलमान करेंगे और सरकारें भी धार्मिक आधार पर आयोजनों से परहेज करेंगी तो यह देश भारत के संविधान के अनुसार चलता रहेगा।

(लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं)

भारत के उच्च व्यापार घाटे के पीछे डंप चीनी निर्यात

■ नन्तु बनर्जी

यह समझना मुश्किल है कि भारत लगातार चीन का शिकार क्यों हो रहा है, अगर वह पूरी तरह से जानता है कि चीन निर्यात में भारी डंपिंग कर रहा है और वह अक्सर 'कच्चे माल की लागत से कम पर माल की आपूर्ति कैसे करता है?'

यह सवाल भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के हाल ही में दिल्ली में जी-20 देशों के व्यापार मंत्रियों के साथ एक पैनल चर्चा में मॉडरेटर के रूप में नाराजगी के संदर्भ में प्रासंगिक है, जहां उन्होंने चीनी उप मंत्री (वाणिज्य) वांगशौवेन से खुले तौर पर पूछा: 'आप सामान की आपूर्ति कैसे कर सकते हैं, कच्चे माल की लागत से भी कम पर?'

गोयल को यह बताना चाहिए कि भारत पिछले नौ वर्षों में चीन से इतनी भारी मात्रा में आयात करने के लिए क्यों मजबूर है, यह जानते हुए भी कि चीन माल डंप कर रहा है? चीन से डंप किये गये आयात भारत के समान वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों को कैसे प्रभावित कर रहे हैं? 2014 में जब भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार सत्ता में आई, तो चीन से भारत का आयात लगभग 58 बिलियन अमेरिकी डॉलर का था। पिछले साल, यूएन कॉम ट्रेड डेटा बेस के अनुसार, चीन से भारत का व्यापारिक आयात बढ़कर .102.25 बिलियन हो गया।

जबकि गोयल ने बताया कि, चीन के साथ उच्च व्यापार घाटे के डर से भारत आरसीईपी में शामिल क्यों नहीं हुआ, चीनी उप मंत्री (वाणिज्य) वांग शौवेन ने कहा, 'इसके विपरीत, आरसीईपी कार्यक्रम से बाहर निकलने के भारत के फैसले के बावजूद भारत-चीन व्यापार लगातार बढ़ रहा है।' चिंता थोड़ी अलग है, द्विपक्षीय व्यापार चीन के पक्ष में झुका हुआ है। उद्योग जगत का मानना है कि अगर हम आरसीईपी में शामिल होते तो व्यापार जरूर बढ़ता, लेकिन व्यापार घाटा और बढ़ जाता,' गोयल ने कहा।

> नवंबर 2019 में चीन के नेतृत्व वाले 15 देशों के व्यापार ब्लॉक, क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (आरसीईपी) से भारत के बाहर निकलने के बावजूद, ऐसा माना जाता है कि यह स्वदेशी जागरण मंच के आदेश पर किया गया है, जो अखिल भारतीय दक्षिणपंथी आरएसएस की रक्षा और रक्षा करने वाली शाखा है और मानता है कि सरकार भारतीय व्यापार और उद्योग का विकास करे।

भारतीय वाणिज्य मंत्री ने आगे कहा कि चीन को भारत सहित दुनिया के कई हिस्सों से अधिकतम एंटी-डंपिंग और एंटी-सब्सिडी प्रश्नों का प्राप्तकर्ता होने के कारण, आयातकों को आश्चर्य होता है कि चीन अपने निर्यात की कीमत कैसे तय करता है। उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसी बात है कि मुझे लगता है कि सभी मंत्री यह जानना चाहेंगे कि आप कच्चे माल की लागत से कम पर सामान की आपूर्ति कैसे कर सकते हैं।'

हालांकि, चीनी मंत्री लापरवाह थे। वांग ने व्यावहारिक रूप से गोयल को फटकार लगाई और चीनी निर्यात डंपिंग के बारे में भारतीय वाणिज्य मंत्री की टिप्पणियों पर बहुत कम ध्यान दिया क्योंकि उन्होंने कहा कि आरसीईपी से बाहर रहने के भारत के फैसले के बावजूद, दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं।

'पिछले साल, द्विपक्षीय व्यापार 130 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। यदि द्विपक्षीय या आरसीईपी संदर्भ में कोई एफटीए होता है, तो व्यापार क्षमता का हमारे दोनों देशों के लाभ के लिए और अधिक दोहन किया जायेगा। आरसीईपी में शामिल होने का निर्णय आपका है, लेकिन भारत के लिए आरसीईपी के दरवाजे हमेशा खुले रहेंगे, ' वांग शौवेन ने जवाब दिया।

वांग के बयान से यह आभास होता है कि भारत के पास चीन से अधिक से अधिक आयात करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। यहां तक कि दोनों देशों के बीच बढ़ती कूटनीतिक कड़वाहट और लद्दाख क्षेत्र से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक भारत की भूमि सीमाओं पर चीन की लगातार सैन्य ताकत चीन के साथ भारत के बेहद बढ़ते घाटे वाले व्यापार को प्रभावित करने में विफल रही है।

क्या गोयल के पास वांग की टिप्पणियों का कोई विशिष्ट उत्तर है? भारत चीन से इतना अधिक आयात क्यों करता है? भले ही भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का दावा करता है, देश तेजी से आयात पर निर्भर होता जा रहा है और व्यापार घाटा लगभग हर साल बढ़ रहा है। पिछली बार भारत में व्यापार का अनुकूल संतुलन 1976-77 में देखा गया था - जिसे 'आपातकालीन' वर्ष के रूप में जाना जाता है - 86 करोड़ रुपये तक, जब एक अमेरिकी डॉलर का मूल्य केवल 8.5 रुपये के आसपास था। भारत ने पहली बार 1972-73 में अनुकूल व्यापार संतुलन दिखाया था। यह रकम 104 करोड़ रुपये थी और तब विनिमय दर एक अमेरिकी डॉलर के लिए 7.5 रुपये थी।

ये दो वित्तीय वर्ष स्वतंत्र भारत के इतिहास में एकमात्र ऐसे कालखंड हैं, जिनमें देश का व्यापार संतुलन अनुकूल रहा। वर्तमान में, भारत का व्यापार अधिशेष केवल अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, यूनाईटेड किंगडम और वियतनाम जैसे कुछ देशों के साथ है। 2022-23 में भारत का कुल निर्यात (माल और सेवाएं संयुक्त) साल-दर-साल 13.84 प्रतिशत बढ़कर 770.18 बिलियन डॉलर हो गया। पिछले वित्त वर्ष के दौरान कुल आयात 17.38 प्रतिशत की तेज गति से बढ़कर 892.18 अरब डॉलर हो गया। भारत का कुल व्यापार घाटा 2022-23 में बढ़कर 122 बिलियन डॉलर हो गया, जो पिछले वित्तीय वर्ष में 83.53 बिलियन डॉलर था।

जब विशेष रूप से व्यापारिक निर्यात की बात आती है, तो भारत की वैश्विक रैंक केवल 447.46 बिलियन डॉलर के निर्यात के साथ 19वीं थी। 2022 में, चीन ने दुनिया भर में 3.59 ट्रिलियन डॉलर का सामान निर्यात किया, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में सात प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। भारत की आयात-आधारित आर्थिक वृद्धि के विपरीत, निर्यात ने चीन की अर्थव्यवस्था को अमेरिका के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए प्रेरित किया।

1995 से चीन लगातार व्यापार अधिशेष की बुकिंग कर रहा है। 2022 में, व्यापार अधिशेष 31 प्रतिशत बढ़कर 876 बिलियन डॉलर हो गया - जो कि 1950 में चीन द्वारा रिकॉर्ड बनाये रखना शुरू करने के बाद से सबसे अधिक है- फिर निर्यात सात प्रतिशत बढ़ा और आयात केवल एक प्रतिशत बढ़ा। चीन के व्यापार अधिशेष, पिछले साल, अकेले भारत के कारण .101.02 बिलियन था, जो 2021 में 69.38 बिलियन के स्तर से बढ़ रहा है।

नवंबर 2019 में चीन के नेतृत्व वाले 15 देशों के व्यापार ब्लॉक, क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (आरसीईपी) से भारत के बाहर निकलने के बावजूद, ऐसा माना जाता है कि यह स्वदेशी जागरण मंच के आदेश पर किया गया है, जो अखिल भारतीय दक्षिणपंथी आरएसएस की रक्षा और रक्षा करने वाली शाखा है और मानता है कि सरकार भारतीय व्यापार और उद्योग का विकास करे। अब समय आ गया है कि गोयल और उनकी चुनावी सरकार कूटनीतिक रूप से आक्रामक चीन से आयात को नियंत्रित करने और 'डंपिंग' मुद्दे से निपटने के बारे में एक मजबूत निर्णय ले।

भारत चीन से जो कुछ भी आयात करता है वह दुनिया के अन्य हिस्सों में उपलब्ध नहीं है। वर्तमान सरकार मई 2014 से सत्ता में है। संतुलित आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करने वाली आयात-निर्यात नीति बनाने और उसे लागू करने में काफी समय लग गया है।

चीन के साथ तनावपूर्ण राजनयिक संबंध रखने वाले अधिकांश देश चीन से आयात में कटौती कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, अमेरिकी जनगणना ब्यूरो के अनुसार, 2023 के पहले पांच महीनों के दौरान, चीन से अमेरिकी आयात एक साल पहले की समान अवधि से 24 प्रतिशत कम था। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि देश की कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए अपनी आपूर्ति लाइनों का स्थान बदल रही हैं, या तो प्रतिद्वंद्वी महाशक्तियों के बीच दबने के जोखिम से बचने के लिए या ग्राहकों के करीब सामान का उत्पादन करने की दीर्घकालिक रणनीति के हिस्से के रूप में। भारत को चीन से आयात में भारी कटौती करने के लिए इसी तरह की प्रथा का पालन करना चाहिए।

पावन प्रसंग

युवाओं की ऊर्जा एवं बुजुर्गों का अनुभव

यह हमेशा से रहा है कि पुरानी पीढ़ी नई पीढ़ी को नासमझ व भटका हुआ समझती है और नई पीढ़ी पुरानी पीढ़ी की परवाह नहीं करती। यह इसी मतभेद और विरोधाभास का विरोधाभासी होती है। अब आज के दौर को ही लें। साहित्यकारों से लेकर समाजशास्त्रियों तक की एक मुकम्मिल पुरानी पीढ़ी, आज के युवाओं को बेपरवाह, लापरवाह, भटकी हुई और गलत दिशा का राही मानती है, जबकि किशोर इस विस्फोटक सूचना के प्रौद्योगिकी युग में पुरानी पीढ़ी को चुका हुआ समझता है।

पुरानी पीढ़ी के पारंपरिक बुद्धिजीवी नई पीठी को अपने ढंग से परिभाषित करने की कोशिश कर रहे हैं और नई पीढ़ी उनकी इस हास्यास्पद कोशिश पर तरस खा रही है। नई पीढ़ी के साथ अपने दबाव और अपनी सम्मस्याएं होती हैं तो यह भी सही है कि उसकी अपनी एक सहूलियत भी होती है। मई पीढ़ी अगर पुरानी पीढ़ी से कुछ मामलों में पीछे होती है तो बहुत मामलों में आगे भी होती है लेकिन यह विरोधाभास ज्यादातर लोगों को समझ में नहीं आता। इसलिए नई और पुरानी पीढ़ी के बीच मतभेद होते हैं। दोनों ही पीढ़ियां एक दूसरे के महज नकारात्मक पहलुओं पर ही दृष्टि केंद्रित करती हैं और नतीजा यह होता है कि दोनों एक दूसरे को समझ नहीं पातीं और खारिज कर देती हैं।

कुछ बुजुर्गों का कहना है कि नई पीढ़ी पूरी तरह से मुगालते में है। वह भटकी हुई है। भ्रम में जी रही हैं। नई पीढ़ी जिसे अपनी सफलता, अपनी आजादी, रंगों और सपनों से भरी अपनी दुनिया मान रही है, वह दरअसल यह एक धोखा है और हकीकत में वह उसके पतन की प्रक्रिया है। नई पीढ़ी को लगता है वह नृत्य कर रही है, लेकिन वह नृत्य नहीं कर रही, बल्कि उनके पैरों के नीचे की धरती हलचल करते हुए खिसक रही है। दरअसल उनकी उछल कूद उनके पैरों के नीचे से खिसकती जमीन का नतीजा है। अगर इस कल्पना की नकारात्मकता की तह तक पहुंचेंगे तो केवल कल्पना ही नजर आती है। आखिर नई पीढ़ी क्यों और कैसे इस कदर मुगालते में हो सकती है? महज रुमानियत से भरी और अव्यावहारिक हैं? क्या वह मेहनत नहीं करती? क्या वह नया नहीं सोचती? क्या उस पर बेहतर साबित होने के दबाव नहीं है? क्या वह कल्पनाशील नहीं है? क्या वह दुनिया के तमाम खतरों से परिचित नहीं है?

हैरानी होती है, जब कोई पूरी पीढ़ी के बारे में एकतरफा नजरिया बना लेता है और वह भी बेहद नकारात्मक नजरिया। नई पीढ़ी को पुरानी पीढ़ी शायद इसलिए समझ नहीं पा रही है, क्योंकि बदलाव की जिस रफ्तार से नई पीढ़ी गुजर रही है और बदलाव की जिस तेज रफ्तार में नई पीढ़ी ने आंखें खोली हैं, उससे पुरानी पीढ़ी कदमताल कर पाने में खुद को असमर्थ पा रही है। इस पीढ़ी ने वास्तविक ग्लोबल जेनरेशन की अवधारणा के विकास क्रम के दौर में आंखें खोली हैं और पुरानी पीढ़ी ने सिर्फ नीति- वचनों में ही वसुधैव कुटुम्बकम् जैसे आप्त वचन पढ़े हैं। इस पीढ़ी का भावनाओं से कम, वास्तविकता से ज्यादा लेना देना है। पुरानी पीढ़ी वास्तविकता में कम और भावनाओं में ज्यादा जीती है।

यह पीढ़ी अगर सचमुच में ग्लोबल जेनरेशन है, भूमंडलीय पीढ़ी है तो इसका मतलब सिर्फ यह नहीं है कि नई पीढ़ी सिर्फ और सिर्फ बुराइयों या खामियों का ही वैश्विक विस्तार कर रही हैं। नई पीढ़ी अपनी खूबसूरत मौलिक ऊर्जा कल्पनाओं, क्षमताओं, कोशिशें और सपनों को भी एक दूसरे के साथ बांटती हैं।

इसी युग में हिंदुस्तानी युवाओं को डिस्कवरी और हिस्ट्री जैसे चैनल भी दिए हैं, जो इतना ज्ञान परोसते हैं, जो बड़ी-बड़ी लाइब्रेरियों तक में नहीं है। अगर ग्लोबल जेनरेशन एक दूसरे के ऐबों से रूबरू हुई है तो एक दूसरे की खूबियों से भी परिचित हुई हैं। आज कितने बच्चे हैं जो दुनिया के किसी भी कोने के बारे में सटीक और वास्तविक जानकारी रखते हैं।

अखंड ज्योति

आपके पत्र

बौद्धिकता की जड़ों को खोखला करता अज्ञानता, अंधविश्वास

अशिक्षा और अज्ञानता ने अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता को भारत में फैलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी है। यदि अशिक्षित मनुष्य धार्मिक अंधविश्वास को मानता है तो यह बात कुछ थोड़ी देर के लिए समझ में आती है किंतु इस वैज्ञानिक युग में अत्यंत शिक्षित एवं पढ़े-लिखे लोग भी अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता के पीछे भागने लगे तो यह समाज और देश के लिए दुर्भाग्य की बात है। यह तो तय है की शिक्षा, ज्ञान अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर के विवेकपूर्ण विचारों को सोचने की शक्ति प्रदान करता है और इसके पश्चात ही मनुष्य वैज्ञानिक आधार पर तर्क रखकर अपनी बात को मानना शुरू करता है। पूर्व में हम मानते थे कि पृथ्वी चपटी है किंतु वैज्ञानिक प्रयोगों तथा वैज्ञानिक अनुसंधान के अनुसार यह सिद्ध हो गया कि पृथ्वी गोल है। अब लोगों ने लॉजिक और वैज्ञानिक प्रमाण के आधार पर यह मान लिया है की पृथ्वी गोल ही है।

युवा शक्ति ही देश में नए विचारों की क्रांति ला सकती है और अंधविश्वास को समूल नष्ट करने में इनकी ऊर्जा इस कार्य के लिए लगाई जा सकती है। दूसरी तरफ शिक्षा का प्रचार प्रसार होना भी नितांत आवश्यक है। शिक्षा ही ऐसा मूल मंत्र है जिससे अंधविश्वास एवं आडंबर की पोल खोली जा सकती है। शिक्षा से हमारा तात्पर्य विज्ञान से भी है विज्ञान ने अनेक अंधविश्वास को जन सूचियों में अविश्वास के रूप में स्थापित किया है और शिक्षा तथा विज्ञान तकनीकी ऐसे मार्ग हैं जिन पर चलकर हम न सिर्फ चांद पर पहुंचे हैं बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से पूरी दुनिया एक परिवार की तरह एक दूसरे के एकदम करीब आ चुकी है। ऐसे में अंधविश्वास, धार्मिक कट्टरता एवं संप्रदायवाद की जगह कहां बच जाती है भला? शिक्षा का स्तर इतना ऊंचा हो जाना चाहिए कि इन अंधविश्वासी बातों और मिथकों का अस्तित्व ही मूल रूप से विस्मृत किया जाना चाहिए। बिल्ली के रास्ता काटने से काम रुक जाता है, किसी की छींक देने से अशुभ संकेत स्थापित होने लगते हैं यदि कौंवा बोलता है तो मेहमान आने का संकेत माना जाना- इन सब बातों की कोई तार्किक अथवा वैज्ञानिक पृष्ठभूमि नहीं है और जनमानस द्वारा अपने दिमाग का प्रयोग कर ऐसी अतार्किक और वैज्ञानिक बातों में विश्वास करना भी अंधविश्वास को सामाजिक स्तर पर मान्यता प्रदान करता है। यह भी अशिक्षा का एक बहुत बड़ा परिणाम है। शिक्षा विज्ञान तथा तकनीकी ज्ञान समाज में तर्कसंगत बातों का विश्वास करने पर भरोसा दिलाता है और धीरे-धीरे अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता से मनुष्य को परे ले जाता है। मूलत: अंधविश्वास को दूर करने के लिए हमें शिक्षा जैसे अस्त्र का इस्तेमाल तीव्र गति से किया जाना चाहिए। अंधविश्वास तंत्र मंत्र के अधीन होकर पशुओं की बलि देना भी एक प्रकार से अंधविश्वास को बढ़ावा देना ही है, तंत्र मंत्र में विश्वास कर मानव न केवल पशुओं की बलि देते बल्कि बच्चों तक की बलि देने से भी परहेज नहीं करता है। समाज में व्याप्त अंधविश्वास तथा कट्टरपंथ का लाभ समाज के कुछ चालबाज तथा धोखेबाज लोग उठाते हैं और यही लोग इन अंधविश्वासी लोगों को भूत, प्रेत, राहु-केतु, काल सर्प दोष इत्यादि का भय दिखाकर पूजा पाठ, तंत्र मंत्र के नाम से हजारों रुपए लूट लेते हैं। यह सिर्फ गांव में ही नहीं हो रहा है यह शहरों में भी बुरी तरह व्याप्त है तंत्र मंत्र तथा भूत प्रेत से छुटकारा भारत के कस्बों तथा गांव में एक व्यवसाय के रूप में विकसित हो गया है जो देश के लिए एक बड़ी विसंगति और विडंबना है।

संजीव ठाकुर

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव,
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

चक्रवात की चपेट में आने से चार लोगों की मौत

साओ पाउलो। ब्राजील के दक्षिणी राज्य रियो ग्रांडे डो सुल में चक्रवात के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बिजली की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गी, जबकि अन्य व्यक्ति और एक जोड़े की बाढ़ में बहने से मौत हो गयी तूफान के कारण राज्य की राजधानी पोर्टो एलेग्रे सहित अर्जेंटीना और उरुग्वे की सीमा से लगे राज्य के 15 से अधिक शहरों में बाढ़ आ गई।

शेख हसीना व मोदी की आठ सितम्बर को होगी मुलाकात

ढाका, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच द्विपक्षीय बैठक की तारिख आठ सितंबर को नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान तय हुई है। ढाका में बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने पुष्टि करते हुए कहा कि दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच आधिकारिक बैठक आठ सितंबर को सुश्री हसीना की नई दिल्ली यात्रा के पहले दिन होगी। बांग्लादेश के कई अधिकारियों ने कहा कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की बंगलादेश की प्रस्तावित यात्रा को देखते हुए दोनों प्रधानमंत्रियों (हसीना-मोदी) के बीच

■ **जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान तय हुई मुलाकात**

आठ सितंबर को बैठक का प्रस्ताव रखा गया है। भारत सरकार और प्रधानमंत्री मोदी के कार्यालय ने इस पर अपनी सहमति व्यक्त की है और आठ सितंबर को दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच बैठक तय है हालांकि बैठक के समय की घोषणा अभी नहीं की गई है। गौरतलब है कि बंगलादेश सरकार जी-20 शिखर सम्मेलन के मेजबान देश भारत के विशेष आमंत्रण पर एक अतिथि के रूप में इसमें हिस्सा ले रही है। इसके अलावा, अमेरिका, फ्रांस, सऊदी अरब, चीन, रूस जैसे जी-20 गठबंधन में शामिल शीर्ष नेतृत्व के अलावा 150 से ज्यादा हाई-प्रोफाइल मेहमान इस सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भारत के इतिहास के सबसे रोमांचक कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद 10 सितंबर को वापस फ्रांस लौटने से पहले बंगलादेश जाएंगे और इसमें शामिल होने से पहले रास्ते में, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव सात सितंबर को ढाका में 20 घंटे ठहरने वाले हैं। बंगलादेश का अस्तित्व में आने के बाद इसके इतिहास में किसी रूसी विदेश मंत्री की यह पहली बंगलादेश की यात्रा होगी।

जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों

नई दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के कार्यालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों इस सप्ताह भारत की अध्यक्षता में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए नई दिल्ली की यात्रा करेंगे। बयान में कहा गया, जी20 शिखर सम्मेलन फ्रांस के राष्ट्राध्यक्ष को हर महाद्वीप के अपने समकक्षों के साथ चल रही बातचीत जारी रखने में सक्षम बनाएगा, ताकि दुनिया के विखंडन के जोखिमों का मुकाबला किया जा सके। उन्होंने कहा, यह प्रमुख वैश्विक चुनौतियों के लिए संयुक्त प्रतिक्रियाओं को लागू करने में प्रगति करने का भी एक अवसर होगा, जिन्हें केवल बहुपक्षीय कार्रवाई के माध्यम से प्रभावी ढंग से निपटाया जा सकता है। जिसमें शांति, स्थिरता, गरीबी उन्मूलन, जलवायु और हमारे पृथ्वी की सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और डिजिटल विनियमन शामिल है।

सूडान संघर्ष से 48 लाख लोग विस्थापित हुए : संरा

खार्तूम, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि सूडानी सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक रैपिड (आरएसएफ) के बीच संघर्ष के कारण अप्रैल के मध्य से सहायता बल सूडान के अंदर और बाहर लगभग 48 लाख लोग विस्थापित हुए हैं। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने सोमवार को अपने नवीनतम अपडेट में कहा कि लगभग दस लाख लोग पड़ोसी देशों में चले गए हैं। ओसीएचए के मुताबिक सूडान में संघर्ष शुरू होने के बाद से कम से कम 20 लाख बच्चे अपने घरों से भाग गए हैं।

■ **लगभग दस लाख लोग पड़ोसी देशों में पहुंचे**

इससे पहले सोमवार को संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग (यूएनएचसीआर) ने संघर्ष के कारण सूडान से भाग कर पांच पड़ोसी देशों में आने वाले 10.8 लाख से अधिक लोगों को आवश्यक सहायता और सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक अरब अमेरिकी डॉलर की अपील की थी। यूएनएचसीआर ने एक बयान में कहा कि संकट से निपटने के लिए मई में शुरू में लगाए गए अनुमान से दोगुनी वृद्धि हुई है। इसमें कहा गया है कि दस लाख से अधिक शरणार्थी और तीसरे देश के नागरिक पहले ही भाग चुके हैं।

सुडोकू 6308

1		3				8		6
				3	8		7	
5	8			9				
9	7		3		1		4	8
4								5
6	1		8		9		2	3
				7			5	4
	5		2	8				
7		4				3		9

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ **बेजान दारुवाला**

ग्रह स्थिति : बुधवार 6 सितम्बर, 2023 भाद्र कृष्ण पक्ष 7

राशिफल

मेष - परिवार और कार्य के क्षेत्र में समझौतापूर्ण व्यवहार से संघर्ष टाल सकेंगे। वाणी पर नियंत्रण नहीं होने से किसी के साथ वाद-विवाद या झगड़ा होने की आशंका रहेगी। मित्रों से लाभ होगा। मन की उदासी से नकारात्मक विचार आएंगे।

वृषभ - विचारों की दृढ़ता के साथ आप सावधानीपूर्वक काम करेंगे। व्यवस्थित रूप से आर्थिक विषयों का आयोजन कर सकेंगे। अपनी रचनात्मकता को निखार सकेंगे। वस्त्र, आभूषण, सौंदर्य प्रसाधन और मनोरंजन के पीछे धन खर्च होगा।

मिथुन - आपकी वाणी या व्यवहार से आज किसी के साथ गलतफहमी पैदा कर सकते हैं। परिजनों तथा सगे- संबंधियों के साथ खूब संभलकर रहना पड़ेगा। बीमारी या दुर्घटना का योग है, सावधानी बरतें। मान प्रतिष्ठा को हानि पहुंचेगी।

कर्क - आर्थिक आयोजनों और नए कार्य की शुरूआत करने के लिए उत्तम दिन है। व्यापार- धंधे में लाभ, नौकरी में पदोन्नति और आय के स्रोत में वृद्धि होने से आप आनंद और संतोष की भावना का अनुभव करेंगे।

सिंह - नौकरी तथा व्यवसाय के क्षेत्र में लाभदायक और सफल दिन है। आपके कार्यक्षेत्र में आप वर्चस्व और प्रभाव जमा सकेंगे। भरपूर आत्मविश्वास और दृढ़ मनोबल से आपका काम सरलतापूर्वक पूरा होगा।

कन्या - आपका आज का दिन धार्मिक प्रवृत्तियों में व्यतीत होगा। किसी तीर्थ स्थान की यात्रा के संयोग बनेंगे। विदेश गमन के लिए अवसर निर्मित होंगे। भाई-बंधुओं से लाभ होगा। ऑफिस में अधिकारियों से वाद-विवाद ना करें।

तुला - आकस्मिक धन लाभ का दिन है। आध्यात्मिक सिद्धियां प्राप्त करने के लिए उत्तम दिन है। फिर भी नए काम शुरू न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखना पड़ेगा। गुप्त शत्रु आपका अहित करने का प्रयास करेंगे। दोस्तों से सचेत रहें।

वृश्चिक - दैनिक घटना चक्र की प्रवृत्तियों में आज परिवर्तन आएगा। आज आप मौज-मस्ती और मनोरंजन की दुनिया में घूमने के मूड में होंगे। इसमें मित्रों, परिजनों का साथ मिलेगा। सार्वजनिक जीवन में आपकी मान- प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु - आर्थिक और व्यापारिक आयोजन करने के लिए आज का दिन शुभ है। कार्य सरलतापूर्वक सफल होंगे। परोपकार की भावना आज बलवती रहेगी। आपका दिन आमोद-प्रमोद में व्यतीत होगा।

मकर - आपका आज का दिन मिश्र फलदायी साबित होगा। बौद्धिक कार्यों और व्यवसाय में नई विचारधारा अमल में लाएंगे। लेखन और साहित्य से संबंधित प्रवृत्तियों में आपकी सृजनात्मकता दिखाई देगी।

कुंभ - नकारात्मक विचारों से मन में हताशा जन्म लेगी। इस समय मानसिक उद्वेग और क्रोध की भावना अनुभव होगी। खर्च बढ़ेगा। वाणी पर संयम न रहने के कारण परिवार में मनमुटाव और झगड़े होने की संभावना है।

मीन - आपका आज का दिन सुख-शांति से व्यतीत होगा। व्यापारियों को भागीदारी के लिए उत्तम समय है। दांपत्य जीवन में निकटता का अनुभव होगा। मित्रों

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

जिल बाइडेन कोरोना संक्रमित हुई

वाशिंगटन, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। अमेरिका की प्रथम महिला जिल बाइडेन कोरोना वायरस संक्रमित पायी गयी हैं। व्हाइट हाउस ने बताया कि श्रीमती बाइडेन की कोविड-19 की रिपोर्ट सोमवार को पॉजिटिव आयी। श्रीमती बाइडेन की प्रवक्ता एलिजाबेथ एलेक्जेंडर ने कहा, आज शाम अमेरिकी प्रथम महिला कोविड-19 पॉजिटिव पायी गयी। वह रेहोबोथ बीच स्थित अपने घर में रहेंगी। व्हाइट हाउस के अनुसार अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन की रिपोर्ट हालांकि निगेटिव आयी है। एक प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि व्हाइट हाउस के कोविड प्रोटोकॉल या राष्ट्रपति के कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इस बीच श्री बाइडेन मंगलवार को सेना के एक कैप्टन को व्हाइट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में पदक प्रदान करेंगे। इसके बाद वे गुरुवार को जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत रवाना होंगे। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार अगस्त में देश के प्रथम महिला दक्षिण कारोलिना में छुट्टियां मनाने के दौरान कोरोना पॉजिटिव पायी गयी थीं। वहीं श्री बाइडेन जुलाई में कोरोना पॉजिटिव पाये गये थे।

इमरान की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

इस्लामाबाद, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट ने जवाबदेही कानूनों को चुनौती देने वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की 2022 की याचिका पर आखिरकार मंगलवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें 50 से अधिक सुनवाई शामिल थीं।

■ **50 से अधिक सुनवाई थीं शामिल**

पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) उमर अता बंदियाल, न्यायमूर्ति इजाजुल अहसन और न्यायमूर्ति सैयद मंसूर अली शाह की तीन सदस्यीय पीठ ने आज याचिका पर सुनवाई की। जून 2022 में पूर्व प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय जवाबदेही (दूसरा संशोधन) अधिनियम 2022 के तहत राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) अध्यादेश में किए गए संशोधन के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया था। संशोधनों ने राष्ट्रीय जवाबदेही अध्यादेश (एनएओ) 1999 में कई बदलाव किए, जिसमें एनएबी अध्यक्ष और अभियोजक जनरल का कार्यकाल घटाकर तीन साल करना, एनएबी के अधिकार क्षेत्र को 50 करोड़ रुपये से अधिक के मामलों तक सीमित करना और सभी लंबित पूछताछ, जांच और संबंधित प्राधिकारियों के परीक्षणों को स्थानांतरित करना भी शामिल है।

हाईकोर्ट ने परवेज इलाही को रिहा करने का दिया आदेश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) ने मंगलवार को 3-एमपीओ (सार्वजनिक व्यवस्था के रखरखाव) के तहत पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष परवेज इलाही की हिरासत को निलंबित कर दिया और इस्लामाबाद पुलिस को उन्हें रिहा करने का आदेश दिया। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री इलाही को एक सितंबर को लाहौर उच्च न्यायालय (एलएचसी) में राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) द्वारा रिहा किए जाने के तुरंत बाद इस्लामाबाद कैपिटल टेरिटरी (आईसीटी) पुलिस की ओर से फिर से गिरफ्तार कर लिया गया था।

किम जोंग उन की बेटी सैन्य कार्यक्रमों में होती हैं शामिल

प्योंगयांग, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन सैन्य क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों को उजागर करने और सशस्त्र बलों का समर्थन प्राप्त करने के लिए सैन्य-संबंधित कार्यक्रमों में मुख्य रूप से अपनी बेटी किम जू ऐ को अपने साथ लेकर जाते हैं। यह जानकारी दक्षिण कोरियाई समाचार एजेंसी योनहाप ने देश के एकीकरण मंत्रालय के हवाले से मंगलवार को दी। रिपोर्ट के अनुसार, किम जू ए पहली बार नवंबर 2022 में अपनी पहली सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज की थी, जब उन्होंने ह्वासोंग-17

अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल के प्रक्षेपण में हिस्सा लिया था। तब से, वह 15 कार्यक्रमों में शामिल हुई है, जिनमें से 12 सैन्य-संबंधित कार्यक्रम हैं और शेष तीन अर्थव्यवस्था और सामाजिक कार्य से संबंधित हैं।

रूस का दौरा कर सकते हैं किम जोंग-उन

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन जल्द ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने और संभावित हथियार सौदे पर चर्चा करने के लिए रूस की यात्रा कर सकते हैं। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, न्यूयॉर्क टाइम्स ने सोमवार को प्रकाशित अपनी रिपोर्ट में अज्ञात अमेरिकी और संबद्ध अधिकारियों का हवाला देते हुए कहा कि किम अगले सप्ताह व्लादिवोस्तोक की यात्रा कर सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, किम उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग से, संभवत: बख्तरबंद ट्रेन से, रूस के प्रशांत तट पर व्लादिवोस्तोक तक यात्रा करेंगे, जहां वह पुतिन से मिलेंगे।

जिम्बाब्वे के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने ली शपथ

हरारे, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। जिम्बाब्वे के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति एमर्सन मनांगाग्वा ने क्षेत्रीय नेताओं और अन्य विदेशी गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में एक समारोह में अपने दूसरे पांच साल के कार्यकाल के लिए शपथ ली। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले महीने हुए आम चुनाव में 52.6 प्रतिशत वोट हासिल कर मनांगाग्वा की जीत हुई। हरारे की राजधानी में राष्ट्रीय खेल स्टेडियम में अपने संबोधन में मनांगाग्वा ने उन्हें सत्ता में बनाए रखने के लिए जिम्बाब्वे के लोगों को धन्यवाद दिया और अगले पांच वर्षों में देश को एकजुट करने, आधुनिकीकरण और विकास जारी रखने का वादा किया। उन्होंने कहा कि पिछले महीने के चुनाव ने एक बार फिर प्रदर्शित किया है कि जिम्बाब्वे अब एक परिपक्व लोकतंत्र है। मनांगाग्वा ने कहा, हम अपने देश में संवैधानिक लोकतंत्र को गहरा और मजबूत करना जारी रखेंगे। यह जीत नव-उपनिवेशवादी और आधिपत्यवादी प्रवृत्ति के खिलाफ जिम्बाब्वे के लोगों की है।

वर्ग पहेली 6308

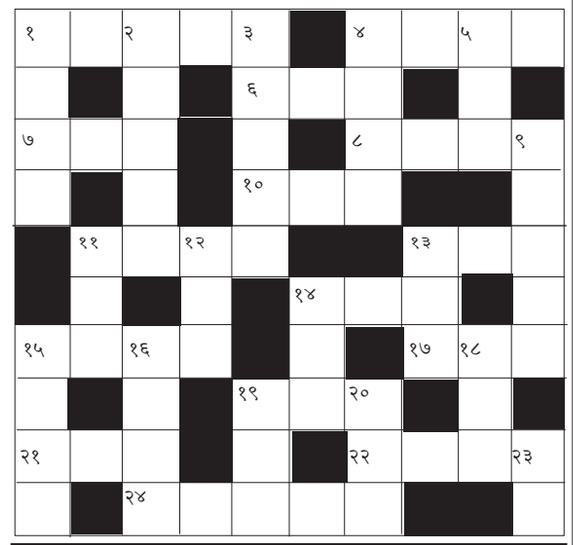

बायें से दायें:-

१. संविधान संबंधी
४. दूसरा साल
६. पीछे का, पीछे की ओर
७. पूजा में देवता को चढ़ाई जाने वाली सामग्री
८. बजरंग बली
१०. धातु का बना हुआ, धातु संबंधी
११. एक तरह का वाद्ययंत्र
१३. उत्साह, उल्लास, मौज, जोश
१४. सुग्रीव के राज्य की राजधानी
१५. कम खर्ची, कमदाम, बचत (उर्दू)
१७. चांदी
१९. जो मोटा न हो, जो गाढ़ा न हो
२१. दबाव देना, दबाना
२२. चापलूस
२४. बड़ा शहर

ऊपर से नीचे:-

१. सिकुड़ना
२. अविरल गति से होने या जारी रहने वाला
३. काशी के पास का एक तीर्थस्थल
४. मेघ, बादल, पर्वत, कृष्ण के चार घोड़ों में से एक का नाम
५. अनुवाद (उर्दू)
९. जिसका गठन अभी हाल ही में हुआ हो
११. वृद्धि (उर्दू)
१२. मुरदे रखने का संदूक (उर्दू)
१३. ऋण, कर्ज
१४. भाग्य, नसीब (उर्दू)
१५. किले में रहने वाली सेना का प्रधान, दुर्ग रक्षक (उर्दू)
१६. अपने नाम के अनुरूप
१८. जोंक
१९. वायु, हवा
२०. निरूपाय (उर्दू)1
२३. खून, लहू

वर्ग पहेली-6307

ब	द	२ ह	वा	३ स		४ सौ	म	५ न	स्य
ल		म		६ म	र्या	दा		र्म	
७ वा	रि	स		झ		८ मि	क	दा	९ र
न		फ		१० दा	मि	नी			ज
	११ द	र	१२ का	र			१३ वि	जि	त
	रि		न		१४ घ	प	ला		म
१५ भ	द	१६ ज	न		ट		१७ स	१८ म	य
र		क		१९ अ	ना	२० थ		दि	
२१ पा	प	ड़		धि		२२ क	त	रा	२३ ना
यी		२४ ना	म	क	मा	ना			री

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

आज का इतिहास

1552-समंदर के रास्ते पृथ्वी का पूरा चक्कर लगाने वाला पहला जहाज विक ?टोरिया आज ही के दिन स्पेन लौटा था।
1716: पहला लाइट हाउस उत्तरी अमेरिका के बोस्टन में बनाया गया।
1870-अमेरिका में पहली बार किसी महिला ने स्थानीय चुनावों में वोट डाला। हालांकि, राष्ट्रीय चुनावों में वोटिंग का अधिकार महिलाओं को 1920 में मिला था।
1901-अमेरिका के 25वें राष्ट्रपति विलियम मैककिनले को गोली मार दी गई थी। आठ दिन बाद उनकी मौत हो गई थी।1915: पहला युद्धक टैंक बनाया गया। इंग्लैंड में बने टैंक के पहले प्रोटोटाइप को ‘लिटिल विलि’ के नाम से पुकारा गया।1916-पहला सुपर मार्केट अमेरिका के टेनेसी में खुला।
1929-फ़िल्म निर्माता यश जौहर का जन्म हुआ ।
1937-इल मजूको युद्ध के साथ स्पेन में गृह युद्ध शुरू हुआ।1958-अमेरिका ने अटलांटिक सागर में परमाणु परीक्षण किया।
1965-भारतीय सेना ने तीन जगहों से सीमा पार कर पश्चिमी पाकिस्तान पर हमला किया था।
1969-अफ्रीकी देश स्वाजीलैंड को ब्रिटेन से आजादी मिली। आज के दिन को इस देश का राष्ट्रीय दिवस घोषित किया गया।1972-हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के दिग्गज उस्ताद अलाउद्दीन खान का निधन हुआ।
1986-इस्तांबुल में यहूदी उपासना गृह में हमले में 23 लोग मारे गए।
1988-11 साल की उम्र में थॉमस ग्रेगोरी इंग्लिश चैनल पार करने वाले सबसे कम उम्र के तैराक बने।
1991-रूस के दूसरे सबसे बड़े शहर को कभी सेंट पीटर्सबर्ग, कभी पेत्रोग्राद तो कभी लेनिनग्राद नाम से जाना जाता रहा।

आयोजन इंडोनेशिया में इसी सप्ताह हो रहा है भारत आसियान शिखर सम्मेलन

सम्मेलन में चीनी मानचित्र का मुद्दा उठा सकता है भारत

नई दिल्ली, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। इंडोनेशिया में इसी सप्ताह होने वाले भारत आसियान शिखर सम्मेलन और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलनों में चीन द्वारा हाल ही में जारी उसके कथित मानक मानचित्र के मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाए जाने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दोनों शिखर सम्मेलनों में भाग लेने के लिए दो दिन की इंडोनेशिया यात्रा का विवरण देते हुए विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) सौरभ कुमार ने यह संकेत दिया। श्री कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री की यह यात्रा बहुत ही संक्षिप्त होगी और आसियान के मौजूदा अध्यक्ष इंडोनेशिया ने भारत के प्रधानमंत्री के जल्दी लौटने में सहूलियत के लिए दोनों शिखर सम्मेलनों के समय को समायोजित किया है। उन्होंने कहा कि भारत एवं

■ **दो दिन की इंडोनेशिया यात्रा पर जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी**

आसियान के बीच रणनीतिक साझीदारी की घोषणा के बाद यह पहला भारत आसियान शिखर सम्मेलन होगा। उन्होंने कहा कि चूंकि जी-20 शिखर सम्मेलन की मेज़बानी के लिए श्री मोदी को जल्दी लौटना होगा इसलिए वह नई दिल्ली से बुधवार छह सितंबर को देर रात रवाना होंगे और सुबह जकार्ता पहुंचेंगे। वह पहले सुबह करीब नौ बजे से दस बजे तक भारत आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और उसके 15 मिनट बाद पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन होगा। इसके बाद श्री मोदी स्वदेश के लिए रवाना हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि बहुत कम समय की यात्रा होने के कारण कोई द्विपक्षीय बैठक नहीं होगी। श्री सौरभ कुमार ने कहा कि भारत आसियान शिखर सम्मेलन में मुख्य फोकस कनेक्टिविटी पर होगा। हाल ही में भारत एवं इंडोनेशिया के बीच इंडिगो एयरलाइन की सीधी उड़ान शुरू हुई है। गत वर्ष विएतनाम के लिए भी उड़ानें भी शुरू हुई हैं। इसके अलावा आसियान देशों में डिजीटल लोक अधोसंरचना, स्थानीय मुद्राओं में कारोबार करने को लेकर भी दिलचस्पी है। भारत एवं सिंगापुर के बीच यूपीआई से भुगतान की व्यवस्था शुरू हो चुकी है। यह पूछे जाने पर कि हाल ही में चीन द्वारा जारी तथाकथित मानक मानचित्र में आसियान के कई सदस्य देशों खासकर दक्षिण चीन सागर के क्षेत्र पर चीनी आधिपत्य का दावा किये जाने के विरोध में आसियान के कुछ देशों ने एक संयुक्त वक्तव्य में इस मानचित्र पर कड़ा विरोध जताया है। चूंकि चीनी मानचित्र में भारत के प्रादेशिक क्षेत्र को भी चीनी मानचित्र में दर्शाया गया है तो क्या भारत आसियान और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलनों में इस मुद्दे को उठाया जाएगा, श्री सौरभ कुमार ने कहा कि इन शिखर सम्मेलनों में जितने भी प्रासंगिक एवं समान हितों एवं चिंताओं से जुड़े मुद्दे उठाये जाएंगे।

दुनिया को जानें

स्वस्थ जीवन के लिए हफ्ते में तीन दिन व्यायाम जरूरी

सिडनी, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। एक अध्ययन से यह बात सामने आई है कि फिट रहने के लिए सप्ताह में कम से कम तीन दिन एक्सरसाइज करना जरूरी है। अगर इसे सप्ताह में पांच दिन कर दिया जाए तो यह स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। निष्कर्षों से पता चला कि सप्ताह में ज्यादा दिन एक्सरसाइज करने की इच्छाशक्ति रखने से बेहतर परिणाम मिलेंगे। यह अध्ययन इस समझ को और बेहतर बनाने में मदद कर सकता है कि मानव शरीर एक्सरसाइज के प्रति किस प्रकार प्रतिक्रिया करता है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में एडिथ कोवान यूनिवर्सिटी के अध्ययन प्रमुख प्रोफेसर केन नोसाका ने कहा, हमारे पिछले काम से पता चला है कि नियमित रूप से की गई कम अवधि की एक्सरसाइज एक या दो बड़े प्रशिक्षण सत्रों की तुलना में अधिक फायदेमंद है। नोसाका ने कहा, अब हमें इस बात का स्पष्ट अंदाजा हो गया है कि वह निर्णायक बिंदु कहां है, जहां आप इस तरह की न्यूनतम एक्सरसाइज से सार्थक लाभ देखना शुरू करते हैं। यूरोपियन जर्नल ऑफ एप्लाइड फिजियोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन में प्रतिभागियों को एक भारी डम्बल से तीन सेकेंड प्रयास वाला बाइसेप करते देखा गया।

प्रादेशिकी

भाजपा पंजाब में अकाली दल संयुक्त के साथ मिलकर लड़ेगी संसदीय चुनाव : सिरसा

अमृतसर, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय सचिव सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा ने मंगलवार को कहा कि भाजपा पंजाब में सुखदेव सिंह ढींडसा के नेतृत्व वाले अकाली दल संयुक्त के साथ गठबंधन में संसदीय चुनाव लड़ेगी। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका, महासचिव जगदीप सिंह काहलों और अन्य नेताओं के साथ सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब और दुर्गियाना मंदिर में नतमस्तक होने के बाद मीडिया से बात करते हुए श्री सिरसा ने कहा कि भाजपा का अकाली दल (संयुक्त) के साथ गठबंधन है और इसने पंजाब की सभी 13 सीटों पर स्वयं चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

राजधानी में ड्रेनेज सिस्टम को सुधारने की कवायद तेज

नगर निगम ने शिमला शहर को आपदा में सुरक्षित रखने के लिए कार्य शुरू किया

शिमला, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। शिमला में भूधंसाव के खतरे को भांपते हुए राजधानी में ड्रेनेज सिस्टम को सुधारने की कवायद तेज हो गई है। बारिश के बाद अब नगर निगम ने शिमला शहर को आपदा में सुरक्षित रखने के लिए कार्य शुरू कर दिया है। नगर निगम शहर में ड्रेनेज सिस्टम तैयार करने वाला है। इसके लिए निगम ने एसजेपीएनएल को यह कार्य सौंप दिया है। फिलहाल प्रथम चरण में नगर निगम स्वयं पूरे शहर का आंकलन करने वाला है। वहीं इसका आंकलन करने के बाद इसकी रिपोर्ट प्रदेश सरकार को सौंपी जानी है। रिपोर्ट सौंपने के बाद एसजेपीएनएल को यह का र्य सौंपा जाएगा। वहीं एसजेपीएनएल की एजेंसी पूरे शहर में ड्रेनेज सिस्टम को बनाने का कार्य करेगा। इसके लिए संयुक्त आयुक्त ने एपी ब्रांच से शहर के सभी घरों की सूची मांग ली है। वहीं संयुक्त आयुक्त भुवन शर्मा का कहना है कि पूरे शहर का जायजा ड्रोन के जरीये लिया जाना है। वहीं पूरे शहर की रिपोर्ट बनाई जानी है जिसके बाद ही इसके लिए बजट का प्रावधान

किया जाना है। ड्रेनेंज सिस्टम करोड़ों का कार्य है। इस कार्य के लिए प्रदेश सरकार की मदद होना बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसे में शहर के हर घर को ड्रेनेज सिस्टम के साथ जोडने के लिए शहर में बारीकि से सर्वे किया जाना है। ताकि कोई भी क्षेत्र ड्रेनेज सिस्टम से वंछित न रहे। इसके लिए संयुक्त आयुक्त ने एपी ब्रांच से भी सभी भवनों की सूची तैयार करने के आदेश दिए हैं।

शिमला शहर में सभी भवनों की सूची के साथ उन घरों के नक्शों की जांच भी की जाएगी। नक्शे से साफ हो जाएगा कि किस क्षेत्र में कौन सी विधी द्वारा यानी किस तरह से छतों के पानी को बाहरा निकाला जा सकता है। वहीं उसके लिए एसजेपीएनएल को भी सर्वे करने में काफी आसानी होगी। इसके लिए एपीब्रांच प्रथम चरण का कार्य करेगी वहीं संयुक्त आयुक्त इसकी जांच करने वाले हैं। वहीं इससे यह भी साफ हो जाएगा कि शहर में नक्शों के हिसाब से क्या बदलाव किये जा सकते हैं। वहीं इसके साथ साथ एजेंसी भी नक्शे के हिसाब से ही ड्रेनेज सिस्टम का कार्य करेगी।

घर की छत के पानी के लिए अलग बनेगी नालियां

शिमला में सभी घरों की छतों के पानी के लिए अलग नालियों के निर्माण करने का प्रस्ताव निगम के हाऊस में रखा गया है। निगम के अधिकारियों का कहना है कि सिवरेज के साथ छत्तों के पानी को नहीं जोड़ा जा सकता है। छत्तों के पानी के लिए अलग नालियों का निर्माण करना अनिवार्य है। छत्तों के पानी को कहीं स्टोर कर इस्तेमाल में भी लाया जा सकता है। सिवरेज के पानी को शहर से बहार करने के लिए पहले ही लाईन तैयार की है। लेकिन अब छत्तों के पानी के लिए भी निगम और एसजेपीएनएल विशेष कार्य करने वाला है। वहीं संयुक्त आयुक्त नगर निगम शिमला भुवन शर्मा ने कहा कि सीवरेज के साथ छत्तों के पानी को नहीं जोड़ा जा सकता है। इससे खतरा होने का डर रहता है और बिमारियां फैलने का भी। ऐसे में हम पहले सर्वे करेंगे और उसके बाद छत्तों के पानी के लिए अलग ड्रेन का निर्माण करवाया जाएगा।

भाजपा विधायक विनोद कुमार पर एफआईआर निंदनीय : रणधीर शर्मा

शिमला, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। वर्तमान कांग्रेस सरकार बदले की भावना से कार्य कर रही हैं, यह आरोप भाजपा विधायक रणधीर शर्मा ने लगाया हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने पिछले दिनों नाचन से भाजपा विधायक विनोद कुमार पर एफआईआर कर निंदनीय कार्य किया हैं। उन्होंने कहा कि एक विधायक द्वारा अपने क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को उठाना, उन विषयों पर अधिकारीयों से मिलना और उनकी चर्चा करना हर विधायक का कर्तव्य हैं। उन्होंने कहा कि उन समस्याओं का हल न होने पर ऊंची आवाज़ में भी बात करनी पड़ सकती हैं। पर उस पर यह भेदभाव पूर्ण कार्य करना सरकार को शोभा नही देता हैं। भाजपा सरकार के इस क्रतिज्ञ की घोर निन्दा करती है। शर्मा ने कहा कि यह विषय मात्र नाचन का नही हैं, कुछ लोगों को राहत मिलना कुछ को राहत न मिलना भेदभाव पूर्ण कृत्य हैं। प्रशासन द्वारा विधायक की बात को न सुनना सरकार की तानाशाही प्रवृति को दर्शाता हैं। विधायक दल इसकी कड़ी निंदा करता हैं और इस एफआईआर को जल्द वापिस लेने की मांग करता हैं। उन्होंने कहा कि 18 सितंबर को विधानसभा सत्र में भाजपा इस विषय को जोर शोर से उठायगी। शर्मा ने सरकार को चेताया की कांग्रेस सरकार के भेदभाव पूर्ण कार्य व बंदर बांट को नही रोका गया तो भाजपा सदन के साथ साथ सदन के बाहर भी इस विषय को उठाएंगे और इसको जनआंदोलन बनाएंगे।

- एक विधायक द्वारा अपने क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को उठाना उसका कर्तव्य
- कांग्रेस सरकार का रवैया तानाशाही वाला

वित्तीय वर्ष 2023-24 में अपने ही रिकॉर्ड तोड़ते हुए जीएसटी में 28.2 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्ज : चीमा

चंडीगढ़, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी एवं कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने मंगलवार को यहाँ बताया कि पंजाब सरकार द्वारा अपने वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान लाये क्रांतिकारी बदलावों के परिणामस्वरूप वस्तु और सेवा कर (जी. एस. टी) के राजस्व में दर्ज की गयी वृद्धि के रिकॉर्ड को तोड़ते हुये वित्तीय वर्ष 2023-24 के पहले पांच महीनों के दौरान 28.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। श्री चीमा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022- 23 के पहले पांच महीनों के दौरान जी. एस. टी से एकत्रित किये गए कुल 6648.89 करोड़ रुपए के राजस्व के मुकाबले मौजूदा वित्तीय वर्ष में अगस्त महीने के अंत तक कुल 8524.17 करोड़ रुपए का राजस्व एकत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस तरह सिर्फ जी. एस. टी से ही बीते वित्तीय वर्ष के मुकाबले 1875.28 करोड़ रुपए का अतिरिक्त राजस्व एकत्रित किया गया।

कराधान विभाग द्वारा विभिन्न स्त्रोतों से एकत्रित किये गए राजस्व के विवरण देते हुये हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान जी. एस. टी, आबकारी, वेट, सी. एस. टी. और पी. एस. डी. टी से एकत्रित कुल राजस्व में 17.49 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गयी है। उन्होंने कहा कि

वित्तीय वर्ष 2022-23 के पहले 5 महीनों के दौरान उपरोक्त साधनों से कुल 13116.36 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ था जबकि मौजूदा वित्तीय वर्ष के इसी अरसे के दौरान 2293. 67 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी दर्ज करते कुल 15410.03 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। वित्त मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की सरकार की तरफ से नयी आबकारी नीति लागू करने के उपरांत वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 2021-22 के मुकाबले आबकारी राजस्व में 41 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज करने के बावजूद प्राप्तियों का यह ग्राफ अभी भी ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के पहले 5 महीनों के दौरान भी आबकारी से प्राप्त राजस्व ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के इसी अरसे के मुकाबले 7.69 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के पहले 5 महीनों में आबकारी से कुल 3528.92 करोड़ रुपए का राजस्व एकत्रित हुआ था जबकि मौजूदा वित्तीय वर्ष के इसी अरसे के दौरान 271.31 करोड़ रुपए के बढ़ोतरी के साथ कुल 3800. 23 करोड़ रुपए का राजस्व एकत्रित किया गया।

सार संक्षेप

आठ सितम्बर को उगेगा विकास का सूरज : भट्ट

देहरादून। उत्तराखंड भारतीय जनता पार्टी ने बागेश्वर उपचुनाव शांतिपूर्ण संपन्न होने पर प्रसन्नता जताते हुए रिकॉर्ड मतों से जीतने का दावा किया है। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट की तरफ से यहां जारी एक वीडियो बयान में चुनाव को सकुशल संपन्न कराने के लिए बागेश्वर की जनता, चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन को बधाई दी गई है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि, जिस तरह से जनता ने उत्साहपूर्वक बढ़चढ़ कर मतदान किया है वो भाजपा सरकार के कामों पर मुहर लगाने का स्पष्ट संकेत है । उन्होंने कहा कि अब तक तमाम पोलिंग बूथों से जो जानकारी मिल रही है उसके आधार पर पार्टी प्रत्याशी पार्वती दास का रिकॉर्ड मतों से जीतना तय है । जनता का एक एक वोट स्वर्गीय चंदन रामदास के क्षेत्रीय विकास में दिए योगदान के प्रति श्रद्धांजलि और मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के प्रति विश्वास को लेकर ईवीएम में दर्ज हुआ है। उन्होंने दावा किया कि आठ अगस्त का दिन बागेश्वर की जनता के लिए विकास का सूरज लेकर आएगा जिसकी रोशनी में क्षेत्रीय विकास को लेकर स्वर्गीय रामदास के अधूरे सपनों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस समेत विपक्ष ने चुनाव में मतदाताओं को झूठे आरोपों से दिग्भ्रमित करने की कोशिश की लेकिन बागेश्वर ने विकास के मुद्दे पर सकारात्मक वोट दिया है।

'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम का दूसरा चरण 30 सितम्बर तक

अमृतसर। नेहरू युवा केंद्र अमृतसर, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव के तहत अमृतसर जिले में 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के द्वितीय चरण मे अमृत कलश यात्रा कार्यक्रमों का आयोजन दिनांक एक सितंबर 2023 से 30 सितंबर 2023 तक किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजन के लिए नेहरू युवा केंद्र अमृतसर कार्यालय मे मंगलवार को सभी राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान ज़िला युवा अधिकारी, आकांक्षा महावरिया ने बताया की जिला अमृतसर के विभिन्न ब्लॉक में युवा मंडलों, युवा स्वयंसेवकों एवं ग्राम पंचायतों की सहायता से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के प्रथम चरण मे तहत सभी ग्राम पंचायत में वृक्षारोपण एवं शहीदों के परिवार एवं वीरों का नमन किया गया। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में एक सितंबर से 30 सितंबर 2023 तक ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिसमें सभी गांवों से अमृत कलश मे घर-घर यात्रा के माध्यम से चावल एवं मिट्टी को संगृहीत किया जाएगा।

सुडोकू 6308 का हल

1	4	3	5	2	7	8	9	6
2	9	6	4	3	8	5	7	1
5	8	7	1	9	6	4	3	2
9	7	2	3	5	1	6	4	8
4	3	8	7	6	2	9	1	5
6	1	5	8	4	9	7	2	3
8	6	1	9	7	3	2	5	4
3	5	9	2	8	4	1	6	7
7	2	4	6	1	5	3	8	9

पंजाब में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों से सम्बन्धित 206 स्थानों पर की छापेमारी

चंडीगढ़, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव के निर्देश पर पुलिस ने मंगलवार को राज्य भर के सभी जिलों में सुबह सात बजे से पूर्वाह्न 10 बजे तक आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों से सम्बन्धित 206 स्थानों पर छापेमारी की। पुलिस के विशेष महानिदेशक (स्पेशल डीजीपी) लॉ एंड आर्डर अर्पित शुक्ला ने कहा कि सीपीज़/ एसएसपीज़ को इन छापों से निजी तौर पर निगरानी करने और अपेक्षित संख्या में पुलिस टीमें बनाने के निर्देश दिए गए थे, जिससे छापेमारी एक ही समय की जा सके। उन्होंने कहा कि इस छापेमारी की योजना कई व्यक्तियों से पूछताछ की बाद तैयार की गई थी, जिनके देश के अंदर और बाहर बैठे समाज विरोधी तत्वों से सम्बन्ध हैं। उल्लेखनीय है कि समाज विरोधी तत्वों के संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी करने के लिए इंस्पेक्टरों/ सब- इंस्पेक्टरों के नेतृत्व अधीन पंजाब पुलिस की 115 के करीब पार्टियाँ तैनात की गई थीं। स्पेशल डीजीपी ने कहा कि पुलिस टीमों ने इन शरारती तत्वों से जुड़े घरों और अन्य परिसरों की गहराई से जांच की है और उनके मोबाइल फोनों और अन्य इलेक्ट्रानिक

हिमाचल विधान सभा का 7 दिवसीय मानसून सत्र 18 सितम्बर से

शिमला, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। हिमाचल विधान सभा का 7 दिवसीय मानसून सत्र 18 सितंबर से शुरू होगा। मानसून सत्र की तैयारियां अंतिम दौर में चल रही हैं। सत्र की तैयारियों के मद्देनजर मंगलवार को विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने सुरक्षा बंदोबस्तों को लेकर अहम बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बैठक में मौजूद अधिकारियों को सुरक्षा को लेकर कड़े निर्देश दिए। विधान सभा अध्यक्ष ने बैठक में निर्देशित किया कि सत्र के दौरान वाहन पार्किंग व ट्रैफिर प्लान को सही तरीके से लागू किया जाए। बैठक में राज्य पुलिस प्रमुख संजय कुंडू, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सतवंत अटवाल, उपायुक्त शिमला आदित्य नेगी, विधान सभा सचिव यशपाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक संजय गांधी, पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक अमित कश्यप व स्वास्थ्य निदेशक डॉ गोपाल बेरी के अलावा सूचना एवं जन संपर्क विभाग के निदेशक राजीव कुमार व कई अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि विधान सभा सचिवालय में ई.प्रवेश पत्र

मानसून सत्र की तैयारियां अंतिम दौर में

ऑन लाइन आवेदन पर ही दिया जाएगा। ई.विधान प्रणाली के तहत विधान सभा सचिवालय इसे ऑन लाइन तरीके से मुद्रित करेगी। यह आवेदन सभी ई. प्रवेश पत्र पाने वालों को अनिवार्य है। विधान सभा सचिवालय में ई. प्रवेश पत्र की जांच हेतु पुलिस द्वारा कम्प्युट्रीकृत जांच केन्द्र मुख्य द्वारों पर स्थपित किए जाएँगे ताकि कम से कम असुविधाहो तथा जांच भी पूर्ण हो। पठानिया ने कहा कि पूर्व की भांति इस बार भी क्युआर. कोड के माध्यम से फोटो युक्त ई. प्रवेश पत्र को लेपटॉप के माध्यम से प्रमाणित किया जाएगा। इन केन्द्रों पर हर व्यक्ति का डाटाबेस बनेगा। जिसे पुलिस नियन्त्रण कक्ष से मॉनिटर करेगी। बैठक में सदस्यों तथा सत्र के कार्य से जुड़े अधिकारियों व कर्मचारियों को कम से कम असुविधा हो के दृष्टिगत यह निर्णय लिस गया कि विधान सभा सचिवालय द्वारा जारी अधिकारी दीर्घा पास, स्थापना पास तथा प्रैस संवाददाताओं को जारी किए गए पास प्रमुखता से प्रदर्शित किए जाएंगेए ताकि सुरक्षा कर्मियों द्वारा फ्रिस्किंग की कम से कम आवश्यकता रहे। पठानियां ने बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुरक्षा में किसी भी तरह की कोताही न बरती जाए तथा सीसीटीवी तथा ड्रोन कैमरों से निगरानी सुनिश्चित की जाए।

प्रैस संवाददाताओं की सुविधा एवं सार्वजनिक सुरक्षा को देखते हुए बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि प्रैस संवाददाताओं का प्रवेश यथावत गेट नं 3 ,4 ,5 व 6 से ही रखा जाए।

पर्यटकों के स्वागत के लिए हिमाचल तैयार हवाई सेवाएं भी उपलब्ध

शिमला। देश का प्रसिद्ध पर्यटन गंतव्य हिमाचल प्रदेश एक बार फिर पर्यटकों के स्वागत के लिए तैयार है। हिमाचल प्रदेश पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन विभाग के निदेशक अमित कश्यप ने बताया कि पर्यटक कसौली, शिमला, चायल, नारकंडा और किन्नौर जैसे खूबसूरत पर्यटन गंतव्यों की यात्रा और भ्रमण कर सकते हैं। इन पर्यटन गंतव्यों के लिए सड़क मार्ग खुले हैं और कोई भी इन गंतव्यों की सुरक्षित यात्रा कर सकता है। उन्होंने बताया कि कांगड़ा घाटी, धर्मशाला, मैक्लोडगंज, पालमपुर, डलहौजी, खज्जियार और चम्बा के भ्रमण के लिए भी सड़क मार्ग खुले हैं। पर्यटक वर्तमान सीजन में राज्य के अधिकांश होटलों में विशेष छूट की सुविधा का लाभ भी उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन क्षेत्र का योगदान 7 प्रतिशत है। इसके अलावा, पर्यटन क्षेत्र राज्य में कुल रोजगार में लगभग 14.42 प्रतिशत प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार का योगदान देता है।

पोषण माह के दौरान कुपोषण के शिकार बच्चों की सेहत पर दिया जाएगा विशेष ध्यान : कौर

चंडीगढ़, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। पंजाब के सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ बलजीत कौर ने मंगलवार को बताया कि राज्य में सितम्बर महीने को पोषण माह के तौर पर मनाया जा रहा है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि पोषण माह कुपोषण के अधिक शिकार (एसएएम) और आंशिक तौर पर कुपोषण के शिकार (एमएएम) बच्चों की सेहत और तंदुरुस्ती पर ध्यान केंद्रित करने से सम्बन्धित है। पोषण अभियान गर्भवती महिलाओं, दूध पिलाने वाली माताओं, किशोर लड़कियों और छह साल से कम उम्र के बच्चों में पोषण सम्बन्धी नतीजों को संपूर्ण रूप में बेहतर बनाने का प्रयत्न करता है।

डॉ कौर ने बताया कि महीना भर

चलने वाली इस मुहिम को बड़े स्तर पर चलाने के लिए सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग, जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और आर. बी. एस. के., ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, मछली पालन विभाग, कृषि विभाग, कौशल विकास विभाग, आवास निर्माण और शहरी विकास विभाग के क्षेत्रीय स्टाफ की सेवाएं ली जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इसको जन लहर में बदलने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग का स्टाफ आंगणवाड़ी वर्करों, हैल्परों, सुपरवाइज़रों और सीडीपीओज़ की तरफ से एन. जी. ओज, आशा वर्करों, एएनएमज़, कृषि सभाओं, सहकारी सभाओं, स्व-सहायता समूहों, यूथ क्लबों आदि के साथ मिलकर काम किया जा रहा है।

मंत्री ने बताया कि पोषण माह के दौरान मां का दूध पिलाना और संपूर्ण खुराक देना, स्वस्थ बालक स्पर्धा, पोषण भी पढ़ाई भी, मिशन लाइफ के द्वारा पोषण में सुधार करना, मेरी मिट्टी मेरा देश, कबिलायी लोगों में पोषण जागरूकता फैलाना और टैस्ट, ट्रीट, टाक अनीमिया विषयों पर केंद्रित गतिविधियों पर विचार किया जायेगा।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई होगी: खिमटा

नाहन, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। हिमाचल के जिला सिरमौर के उपायुक्त सिरमौर सुमित खिमटा ने कहा कि जिले में सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत परिवहन, पुलिस और संबन्धित विभागों को यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए। श्री खिमटा ने मंगलवार को यहां कहा कि वाहनों की संख्या बढ़ने के साथ-साथ दुर्घटनाओं की संख्या में भी लगातार इजाफा होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत हमें गंभीरता से तीन बिंदुओं पर कार्य करने की आवश्यकता है जिसमें वाहन चालकों में जागरूकता, वाहनों के लिए पार्किंग इत्यादि की सुविधा और यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर दंडात्मक कार्रवाई शामिल है। श्री खिमटा ने जिला का रोड़ सेफटी प्लाने बनाने के साथ ही नाहन शहर के लिए भी रोड सेफटी प्लान

बनाने के लिए नगर परिषद को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर परिषद, लोक निर्माण विभाग और पुलिस के साथ मिलकर नाहन शहर के लिए रोड सेफटी प्लाान तैयार करे। उन्होंने कहा कि शहर के प्रमुख स्थलों सहित कैंट स्कूल नाहन के समीप चौक पर वाहनों के अनावश्यक पार्किंग पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाये। उपायुक्त ने कहा कि जिला की प्रमुख सड़कों विशेषकर राष्ट्रीय उच्च मार्ग पर ओपरस्पीड रोकने के लिए आवश्यक पग उठाये जायें। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए मुख्य मार्ग पर साईन बोर्ड लगाकर स्पीड लिमिट तथा आपातकालीन चिकित्सा सेवा के दूरभाष नम्बरों की जानकारी दी जाये। उन्होंने कहा कि कालाअंब से पांवटा साहिब का क्षेत्र सड़क सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत गंभीर है क्योंकि यहां पर औद्योगिक क्षेत्र होने के साथ ही स्कूलों की काफी संख्या है, इस लिए यहां पर सड़क सुरक्षा उपाय बहुत जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि ओवर स्पीड को रोकने तथा दुर्घटना से बचाव के लिए मुख्य मार्ग पर जहां भी जरूरी हो सीसीटीवी कैमरे लगाये जायें।

अंडर ऐज ड्राईविंग पर चिंता जाहिर करते हुए श्री खिमटा ने कहा कि यह बहुत ही खतरनाक और जानलेवा है। उन्होंने कहा कि पुलिस को जागरूकता के साथ साथ दोषियों के खिलाफ नियुमानुसार कार्रवाई करवाई करनी चाहिए।

मिशन-2030 को साकार करने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका : गहलोत

जयपुर, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शिक्षकों की राज्य सरकार के मिशन-2030 को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका बताते हुए उनसे आह्वान किया है कि वे विद्यार्थियों को उच्च संस्कार देकर उनमें समाज सेवा की भावना विकसित करें। श्री गहलोत मंगलवार को बिड़ला सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में एक से बढ़कर एक निर्णय किये हैं, जिससे राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि उन्नत और खुशहाल राजस्थान बनाने के लिए राज्य सरकार ने मिशन-2030 की शुरुआत की है, जिसमें शिक्षकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इस मिशन के माध्यम से विजन डॉक्यूमेंट तैयार कर वर्ष 2030 तक देश के प्रथम राज्यों की पंक्ति में राजस्थान को शुमार करवाना हमारा ध्येय है।

समारोह में 50 जिलों के 149

राज्य सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में एक से बढ़कर एक निर्णय किए हैं, जिससे राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्नत और खुशहाल राजस्थान बनाने के लिए राज्य सरकार ने मिशन-2030 की शुरुआत की है:
अशोक गहलोत

शिक्षकों को सम्मानित किया गया। उन्होंने सम्मानित शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा उनके सम्मान में प्रकाशित 'शिक्षक सम्मान' पुस्तिका का विमोचन भी किया। साथ ही भोपाल में आयोजित 66वें राष्ट्रीय स्कूल टूर्नामेंट में व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले छह खिलाड़ियों का भी सम्मान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान अब काफी बदल चुका है। शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ ही प्रत्येक क्षेत्र में प्रदेश काफी आगे बढ़ा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की योजनाएं देश के अन्य राज्यों के लिए मिसाल बन रही है और इन योजनाओं को आधार बनाकर कई राज्यों की सरकारें अपने मेनीफेस्टो तैयार कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने शिक्षकों से हर जरूरतमंद व्यक्ति तक राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समय के साथ बदलाव आवश्यक है। राज्य सरकार ने वर्तमान समय में अंग्रेजी भाषा के महत्व को समझते हुए राज्य में महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय खोले हैं। इन विद्यालयों में वर्तमान में छह लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। राज्य में संस्कृत विश्वविद्यालय एवं वैदिक विद्यालय खोले गए हैं। राजकीय विद्यालयों में कम्प्यूटर शिक्षकों की भर्ती की गई है। राज्य में विश्वविद्यालयों की संख्या 90 से अधिक हो चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य में अब उच्च अध्ययन के लिए ट्रिपल आईटी, आईआईएम और एम्स जैसे संस्थानों के साथ ही आयुर्वेद युनिवर्सिटी, लॉ युनिवर्सिटी, पत्रकारिता युनिवर्सिटी, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज आदि संस्थान उपलब्ध हैं, जिसके चलते विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं है। राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना के तहत 500 विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए विदेश भेजा जा रहा है। श्री गहलोत ने कहा कि राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक खेलों के आयोजन से खेलों के प्रति सकारात्मक माहौल बन रहा है। अन्य राज्यों की सरकारें भी अब इसका अनुसरण कर रही है। राज्य में खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न नौकरियां एवं सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया जा रहा है।

शिक्षक के रूप में अपने रोल मॉडल को देखता है शिष्य : डा. ढींडसा

सिरसा, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। हरियाणा के सिरसा स्थित जननायक चौ. देवीलाल विद्यापीठ के महानिदेशक एवं अन्तरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप सिंह ढींडसा ने शिक्षक दिवस के मौके पर कहा कि शिक्षक के रुप में अपने रोल मॉडल को देखता है शिष्य। डा. ढींडसा ने सभी शिक्षकों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुरु शिष्य का रिश्ता प्राचीनकाल से चलते आ रहा है और आज भी यह कायम है। उन्होंने शिक्षक दिवस की महत्ता एवं गुरु शिष्य के रिश्तों का व्याख्यान किया और कहा कि हमारे देश में गुरु का स्थान माता-पिता से भी ऊपर है। शिक्षक स्वयं जलता है, लेकिन छात्रों की ज़िन्दगी में ज्ञान का दीपक जलाता है। डा. ढींडसा ने कहा कि एक शिक्षक और शिष्य के बीच में शिक्षा और ज्ञान का संबंध होता है।

हमारे जीवन में शिक्षा और शिक्षक दोनों ही बहुत ज़रूरी हैं, क्योंकि हमारी जिंदगी को संवारने में हमारे माता-पिता के बाद इनकी भूमिका सबसे अहम होती है। जिस तरह से हमारे माता-पिता ही हमारे भगवान होते हैं, उसी प्रकार से हमारे गुरु में भी ईश्वर का वास होता है क्योंकि 'गुरुर ब्रह्मा गुरुर विष्णु गुरुर देवो महेश्वर: गुरुर साक्षात परब्रह्म:, तस्मै श्री गुरुवे नम:'। ये भी सच है कि बिना शिक्षक के हमें शिक्षा और ज्ञान नहीं मिल सकता। कहते हैं कि समय से बड़ा गुरु कोई नहीं होता, क्योंकि देर से ही सही मगर समय हमें सब कुछ सीखा देता है। लेकिन मैं मानता हूं कि हम सीखने में देर ही क्यों करें, क्यों न समय रहते ही हम अपने गुरु या शिक्षक से शिष्य के रूप में पहले से ही वो सीख या ज्ञान प्राप्त क्यों न कर लें, जिससे बाद में होने वाली परेशानी से बचा जा सके।

प्रादेशिकी

सीपी इंटरनेशनल स्कूल में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

फर्रुखाबाद,5 सितम्बर (देशबन्धु)। सीपी इंटरनेशनल स्कूल फर्रुखाबाद में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में अध्यापकों के सम्मान में छात्र-छात्राओं ने धूमधाम से शिक्षक दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपनिदेशिका अंजू राजे, प्रधानाचार्य डॉ.विनोदचंद्र शर्मा, हेडमिस्ट्रेस संदीपा कुमार ने दीप प्रज्वलन तथा प्रथम उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन जी के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि समर्पित करके किया। छात्रों ने सभी शिक्षकों का तिलक कर नमन करके आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रार्थना समूह के छात्रों ने गुरु वंदना प्रस्तुत की। तथा गुरुजनों को उनके स्वभाव के अनुसार टाइटल प्रदान किया और शिक्षकों के लिए कई प्रकार के गेम्स का आयोजन किया। वर्णिता प्रधान ने कहा जो ज्ञान दान दे जाता है वह जग में अमर कहलाता है।

कुपोषित बच्चों का किया जा रहा उपचार

लखनऊ, 5 सितम्बर (देशबन्धु)। प्रदेश सरकार कुपोषण को राज्य से समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। पूरे प्रदेश में जून में चले संभव अभियान में चिंहित किए गए ढाई लाख कुपोषित बच्चों का उपचार किया जा रहा है, जिससे इनकी भी कद काठी सामान्य बच्चों की तरह बढ़ सके। अगले माह इन सभी बच्चों की प्रोग्रेस रिपोर्ट आंकी जाएगी। शासन की ओर से वर्ष 2021 से हर साल कुपोषित बच्चों को खोजने के लिए संभव अभियान चलाया जा रहा है। पिछले दो वर्षों से आयोजित हो रहे संभव अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। ई-कवच से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक इस साल शून्य से पांच साल के दो लाख 48 हजार 728 अति गंभीर कुपोषित (सैम) बच्चों को चिन्हित किया गया है। इन बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के बाद उनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार टीकाकरण, आयरन, फालिक एसिड, मल्टी विटामिन, कैल्शियम दिया जा रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हर 15 दिनों पर इन चिन्हित बच्चों के घर जाकर इनका स्वास्थ्य परीक्षण कर रही हैं कि इनका वजन बढ़ रहा है कि नहीं। जरूरत के अनुसार अभी तक 16645 बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र (एनआरसी) रेफर किया गया है। 63148 और बच्चों को एनआरसी रेफर किया जाना है। एक सितम्बर से राष्ट्रीय पोषण माह शुरू हो चुका है। इस दौरान इन चिन्हित बच्चों की जांच की जाएगी कि इनमें कितने बच्चे स्वस्थ हुए। अक्टूबर में पूरे

- राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान बच्चों का किया जाएगा फॉलोअप
- संभव अभियान के दौरान मिले ढाई लाख बच्चों का हो रहा इलाज

अभियान का मूल्यांकन किया जाएगा। दिसंबर में बच्चों का फिर से वजन लिया जाएगा और यह देखा जाएगा कि बच्चों के पोषण की स्थिति में कोई परिवर्तन हुआ है कि नहीं। संभव अभियान में मुरादाबाद मंडल की परफार्मेंस प्रदेश में बेस्ट रही है।

बिजनौर प्रथम, उन्नाव दूसरे, मुरादाबाद तीसरे, वाराणसी चौथे और जौनपुर पांचवें बेहतरीन जनपद के रूप में उभरा है। गाजियाबाद छठे, श्रावस्ती सातवें, रामपुर आठवें, अमरोहा नवें और चंदौली 10वें स्थान पर रहा। जिलों की रैंकिंग सात मानकों के आधार पर की गई है। एसजीपीजीआई की डायटीशियन प्रीति यादव बताती हैं कि यदि बच्चे का वजन और उसकी लंबाई एक निश्चित अनुपात में नहीं है तो उस बच्चे को कुपोषित माना जाएगा। इसके साथ ही यदि छह माह तक के बच्चे के दोनों पैरों में सूजन है तो वह भी कुपोषित की श्रेणी में आएगा। ऐसे बचाएं बच्चे को कुपोषित होने से। गर्भावस्था के दौरान खानपान का रखें पूरा ख्याल, जन्म के तुंरत बाद कराएं स्तनपान, छह माह तक सिर्फ मां का दूध पिलाएं, बाहर का कुछ भी न दें, छह माह बाद बच्चे को दें मां के दूध के साथ पौष्टिक आहार

पीएम कुसुम योजना में लंबित कार्यों को मिलेगी रफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार हमेशा गरीब, निराश्रितों और किसानों के हितों को लेकर सजग रहती है। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश के किसानों तक सरकारी सुविधाओं का समुचित लाभ पहुंचे इस बात को सुनिश्चित करने के लिए योगी सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इस उद्देश्य से प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा व उत्थान महाभियान (पीएम कुसुम) योजना के अंतर्गत लंबित कार्यों को पूर्ण करने के लिए योगी सरकार ने 46.19 करोड़ रुपए की राज्यांश धनराशि जारी करने की स्वीकृति दे दी है। इस धनराशि से कुल 4 मदों में 92 कार्यों को पूर्ण करने में मदद मिलेगी। जिन कार्यों को इस धनराशि के जरिए पूरा किया जाएगा उसमें 8 कार्यालय से जुड़े कार्य, 15 गाड़ियों के अनुरक्षण व पेट्रोल आदि खरीद तथा 42 अन्य व्यय समेत 27 सब्सिडी केसेस की पूर्ति प्रमुख हैं। प्रदेश में पीएम कुसुम योजना के आधीन 210.77 करोड़ रुपए की कुल प्रावधानित धनराशि में से 46.19 करोड़ रुपए की राज्यांश राशि जारी होने से विभागीय कार्यों समेत सब्सिडी से जुड़े कार्यों व अन्य योजनाओं को गति देने में सफलता मिलेगी। उल्लेखनीय है कि जिन चार मदों में राज्यांश धनराशि को योगी सरकार द्वारा जारी किया गया है इसमें से सर्वाधिक 46.07 करोड़ रुपए सब्सिडी के मद में हैं। वहीं, 8 कार्यालय व्यय के मद में 2 लाख, गाड़ियों के अनुरक्षण व पेट्रोल खरीद तथा रखरखाव के मद में 5 लाख रुपए, जबकि पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत 42 अन्य व्यय के मद में कुल 5 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है। इन सभी कार्यों को भारत सरकार के निर्देशों तथा उत्तर प्रदेश सरकार की रूल बुक के अनुसार उत्तर प्रदेश बजट मैनुअल व वित्तीय नियम संग्रह के आधार पर किया जाएगा।

डॉ.दिनेश शर्मा ने राज्यसभा सीट के लिए किया नामांकन

लखनऊ,5 सितम्बर (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश में एक सीट के लिए हो रहे राज्यसभा उपचुनाव के लिए मंगलवार को भाजपा प्रत्याशी डॉ.दिनेश शर्मा ने नामांकन दाखिल कर दिया है। नामांकन के समय स्वयं सीएम योगी भी मौजूद रहे। सीएम योगी के साथ ही डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी की मौजूदगी में नामांकन दाखिल किया गया। उपचुनाव में डॉ.दिनेश शर्मा का निर्विरोध निर्वाचन तय माना जा रहा है। राज्यसभा की यह सीट बीते जून में भाजपा सांसद हरद्वार दुबे के निधन से खाली हुई है। नामांकन से पूर्व मुख्यमंत्री योगी ने भाजपा मुख्यालय में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज शिक्षक दिवस है और इस अवसर पर एक शिक्षक के रूप में दिनेश शर्मा जी राज्यसभा के उपचुनाव के लिए अपना नामांकन करने जा रहे हैं। शिक्षक दिवस पर आप सबको बधाई देते हुए हृदय से उनका अभिनंदन करता हूं।

दिनेश शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी के एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में कार्य करते हुए संगठन के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर अपनी शानदार पारी को आगे बढ़ाया है। प्रदेश के अध्यक्ष के रूप में, लखनऊ के महापौर के रूप में भी उन्होंने बेहतरीन कार्य किया है। 2017 से 2022 के बीच में उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद उप मुख्यमंत्री के दायित्व के साथ ही माध्यमिक और उच्च शिक्षा विभागों की जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए कई अहम कदम उठाए। आज पार्टी ने उन्हें राज्यसभा उपचुनाव में अपने प्रत्याशी के रूप में उतारा है। डॉ. दिनेश शर्मा जी पंडित दीन दयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेई जी के मूल्यों और सिद्धांतों से सदैव जुड़े रहे हैं। इस अवसर पर डॉ. दिनेश शर्मा को राज्यसभा प्रत्याशी बनाए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत पूरे केंद्रीय मंत्रिमंडल और पार्टी के प्रति आभार प्रकट करता हूं।

- भाजपा सांसद हरद्वार दुबे के निधन से खाली हुई हैं राज्यसभा की सीट

सार संक्षेप

विरोध दिवस के रूप में मनाया शिक्षक दिवस

मवाना। नगर स्थित आर्य कन्या इंटर कॉलेज में मंगलवार को शिक्षक दिवस पर काली पट्टी बांधकर शिक्षकों ने विरोध प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग विधेयक 2023 पारित कर बोर्ड के अस्तित्व को खत्म कर दिया है। प्रदेश के सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों तथा प्रधानाचार्य को अब तक मिली हुई सेवा सुरक्षा खतरे में पड़ने से शिक्षकों तथा प्रधानाचार्य में असंतोष और निराशा का भाव व्याप्त है इसीलिए शिक्षकों ने पूर्व राष्ट्रपति तथा महान शिक्षा दार्शनिक डॉक्टर राधाकृष्णन के जन्म दिवस पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के उपरांत अपनी बाहों में काली पट्टी बांधकर अपना विरोध प्रदर्शन किया। विद्यालय से सभी शिक्षकों के हस्ताक्षर से अपनी मांग को लेकर मुख्यमंत्री को डाक से तथा मेल पर अपना ज्ञापन प्रेषित किया। यहां पर प्रधानाचार्य सुनीता कुमारी, आशा भारती, संगीता जैन, ऋतु रस्तोगी, कविता रस्तोगी, पूजा सिंह, रूबी सैनी, आशा रानी, अनिता कुमारी, विनय कुमारी, प्रियंका, दीपा, रजत, अंतिम आदि समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

डीएम ने गोवंश आश्रय स्थल का किया औचक निरीक्षण

फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी ने गोवंश आश्रय स्थल खगऊ विकास खंड शमसाबाद का औचक निरीक्षण किया। सोमवार को जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह ने विकासखंड शमशाबाद क्षेत्र के गांव आगे में स्थित गौशाला का आवश्यक निरीक्षण किया,इस दौरान जिलाधिकारी को प्रधान द्वारा बताया गया कि गौशाला में 374 गोवंश मौजूद हैं। गौशाला में गोवंश हेतु भरण पोषण से संबंधित सभी व्यवस्थाएं पर्याप्त मिली जिलाधिकारी द्वारा गौशाला के नोडल अधिकारी/तहसीलदार कायमगंज को गोशाला में आय के संसाधन डेवलप करने के कड़े निर्देश दिए,गोशाला के निकट जमीन को मनरेगा से समतल कराकर चारा करने के निर्देश भी दिए।

सड़क हादसे में दो की मौत

फर्रुखाबाद। तेज रफ्तार ऑटो खड़ी हुई पिकअप में घुस गया जिसमें ग्यारह लोग घायल हो गए। जिनमें से दो लोगों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। राहगीर व ग्रामीण ने घायलों को सीएचसी कायमगंज भिजवाया। थाना शमसाबाद के गांव असगरपुर, शुकरूल्लापुर निवासी बीना देवी पत्नी सरनेश पाल, गीता देवी पत्नी अवनेंद्र, लक्ष्मी व काव्या, पत्नी कन्हैया लाल, गुड्डी देवी पत्नी श्रीपाल, शकुंतला देवी पत्नी जितेंद्र तथा चालक जितेन्द्र पुत्र खुशीराम आटो से जनपद कासगंज क्षेत्र के कस्बा स्थित पटियाली में भोले बाबा के आश्रम गए हुए थे वहां से सभी लोग वापस अपने गांव लौट रहे थे। ठंडी कुइयां गांव खुड़ना के निकट फर्रुखाबाद की ओर से मवेशी ला रही खड़ी पिकप में सामने तेज रफ्तार आ रहे आटो ने टक्कर मार दी। पिकअप चालक निवासी पल्ला गल्लामंडी फर्रुखाबाद सहित उक्त सभी लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। जिनमें धनदेवी पत्नी स्व.ग्रीश चंद्र व रानी देवी पत्नी प्रकाश चन्द्र की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। पिकअप चालक राकेश ने बताया कि उसकी पिकअप खड़ी हुई थी। वह चलाने ही जा रहा था तभी आटो दूसरे आटो से आगे निकलने के चक्कर में मेरी पिकअप में टक्कर मार दी।

तक्षशिला में हर्षोल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस

मेरठ,5 सितम्बर (देशबन्धु)। मंगलवार को कंकरखेड़ा स्थित तक्षशिला पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस बड़ी धूम-धाम से मनाया गया। सर्वप्रथम डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छाया चित्र पर माल्यार्पण करते हुए विद्यालय के चेयरमैन डा. ओमपाल सिंह तथा प्राचार्य डा. प्रवीन कुमार पथरा ने दीप प्रज्जवलित किया। तत्पश्चात विद्यार्थियों द्वारा गुरू-शिष्य परम्परा, गुरू महिमा आदि पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया गया। मुख्य प्रस्तुतियों में कविता, भाषण, गीत-वी लव यू टीचर, कबीर के दोहे, नृत्य- गुरूर ब्रह्मा, गुरूर विष्णु आदि मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे। विद्यार्थियों द्वारा अध्यापकों के लिए किए गये सभी कार्यक्रमों को शिक्षकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम के अन्त में विद्यालय के चेयरमैन डा. ओमपाल सिंह तथा प्रधानाचार्य डा. प्रवीन कुमार पथरा ने अपने संभाषण में बच्चों की प्रस्तुति की सराहना की और प्रत्येक के जीवन में शिक्षकों के महत्व को समझाते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डीएवी स्कूल में धूमधाम से मनाया शिक्षक दिवस

- शिक्षकों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया

मेरठ,5 सितम्बर (देशबन्धु)। डीएवी स्कूल में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में उन्हें स्मरण करते हुए सर्वप्रथम श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए तथा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। आर्य समाज की परंपरागत विधि यज्ञ की पवित्र अग्नि को प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। विशेष प्रार्थना सभा के अंतर्गत कक्षा आठवीं के सोनाक्षी तथा अंश प्रकाश ने अध्यापकों का अभिवादन करते हुए एक कविता प्रस्तुत की। तत्पश्चात कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों ने सामूहिक गान प्रस्तुत कर वहां उपस्थित समस्त दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। कक्षा तीसरी के प्रथम चौहान ने मनोरम नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम में समा बांध दिया। तत्पश्चात कक्षा 11वीं तथा 12वीं के छात्रों ने अपने शिक्षकों को सम्मानित करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। शिक्षकों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। जिसमें शिक्षकों ने पूर्ण उत्साह के साथ भाग लिया तथा बच्चों के साथ पूर्ण आनंद का अनुभव किया। डॉ.विनीत त्यागी तथा सुनीता सिंह को अध्ययन के क्षेत्र में उनके श्रेष्ठ कार्य के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में रीजनल ऑफिसर डीएवी स्कूल यू पी जोन ए, डॉ.अल्पना शर्मा, प्रधानाचार्या अपर्णा जैन ने विद्यार्थियों को हृदय से आभार व्यक्त किया तथा उपस्थित समस्त शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

भारती शर्मा को शिक्षक उत्कृष्टता पुरस्कार से नवाजा

मेरठ,5 सितम्बर (देशबन्धु)। विनायक विद्यापीठ की सहायक प्रोफेसर भारती शर्मा को पिछड़ा वर्ग आयोग दिल्ली सरकार एवं पद्म विभूषण आदित्यनाथ झा मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में दिल्ली सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम शिक्षक उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में देश भर से साहित्य, चिकित्सा, विधि एवं न्याय, पत्रकारिता, खेल, संस्कृति आदि लोगों को भी सम्मानित किया गया। भारती शर्मा की इस उपलब्धि पर विनायक विद्यापीठ की प्राचार्या डॉ.अनुप्रिता शर्मा, निदेशक इंजी. विकास कुमार डीन एकता सिंधू, ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट ऑफिसर प्रवीन शर्मा ने उनको बधाई दी।

अधिवक्ताओं ने मुख्य सचिव व पुलिस महानिदेशक का किया पुतला दहन

मवाना,5 सितम्बर (देशबन्धु)। एक सप्ताह पूर्व हापुड़ में वकीलों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में मवाना के बार एसोसिएशन के तवाधान में मंगलवार को अधिवक्तागण न्यायिक कार्य से विरत रहकर पैन डाउन हड़ताल रखी। दोपहर को अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में पुलिस प्रशासन के खिलाफनारेबाजी कर तहसील गेट के बाहर मुख्य सचिव व पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश का पुतला दहन किया। उक्त धरना स्थल पर बार एसोसिएशन मवाना की अध्यक्षता बार के अध्यक्ष ने की और संचालन सचिव द्वारा की गई। मवाना तहसील में बार एसोसिएशन द्वारा हापुड़ की घटना को लेकर पैन डाऊन कर धरना दिया गया।

अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन मवाना एसडीएम अखिलेश यादव को सौंपा गया। अधिवक्ताओं ने मांग रखते हुए कहा कि हापुड़ बार एसोसिएशन हापुड़ की सदस्य प्रियंका त्यागी एडवोकेट व उनके पति के विरुद्ध दर्ज मुकदमे तत्काल निरस्त करें।

- अधिवक्ताओं ने की कलम बंद हडताल

अधिवक्ताओं ने किया प्रदर्शन

मेरठ। अधिवक्ताओं ने हापुड़ में वकीलों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव और डीजीपी का पुतला कचहरी परिसर में फूंका और मंगलवार को भी कलम बंद हड़ताल पर रहे। इससे पहले अधिवक्ता एकत्र होकर कचहरी परिसर में घूमे और अदालतों का कामकाज बंद करा दिया। इस दौरान पुलिस कर्मियों को अधिवक्ताओं ने कचहरी परिसर से बाहर भेज दिया। मेरठ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कुंवरपाल शर्मा व महामंत्री विनोद कुमार चौधरी और जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष शिवदत्त जोशी व महामंत्री विमल कुमार के नेतृत्व में अधिवक्ता मुख्य सचिव व डीजीपी का पुतला लेकर कचहरी परिसर में घूमे। उस समय अधिवक्ताओं की संख्या सैकड़ों में थी। अधिवक्ताओं ने विरोध के चलते अदालते भी बंद कर दीं। उनका कहना है कि हापुड़ में शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे अधिवक्तों पर पुलिस द्वारा लाठी चार्ज किए जाने के विरोध में प्रदेश के अधिवक्ताओं में रोष है।

नीरज चोपड़ा की प्रतिमा से भाला चोरी

मेरठ,5 सितम्बर (देशबन्धु)। हापुड़ अड्डा चौराहे का सौंदर्यीकरण मेरठ विकास प्राधिकरण द्वारा कराया गया था। प्राधिकरण द्वारा स्पोर्ट्स सिटी के बोर्ड के साथ चौराहे पर भाला फेंकते हुए एथलीट खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का आदमकद स्टेच्यू लगा रखा है। इसी के साथ क्रिकेट, बैडमिंटन, हॉकी, तीरंदाजी और एथलेटिक्स खिलाड़ियों के भी स्टेच्यू लगाए। हापुड़ अड्डे चौराहे पर सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं के बड़ी संख्या में कैमरे लगे हैं। इन सभी के बावजूद नीरज चोपड़ा की प्रतिमा में लगे भाले को अज्ञात आरोपी चोरी करके ले गए। जिसका पता चलते ही शहर में हड़कंप मच गया। एसपी सिटी पीयूष सिंह का कहना है कि भाला चोरी नहीं हुआ हैं। एक ट्रक वाले से भाला पूर्व में टूट गया था। यदि चोरी का मामला प्रकाश में आता हैं, तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

शोभित विवि के शिक्षकों का राष्ट्रपति भवन में भ्रमण

मेरठ,5 सितम्बर (देशबन्धु)। राष्ट्रपति के आमंत्रण पर शोभित विश्वविद्यालय के शिक्षकों का एक प्रतिष्ठित दल राष्ट्रपति भवन स्थित अमृत उद्यान का भ्रमण किया। इस अद्वितीय अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अमृत उद्यान पहुंचकर सभी उपस्थित शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों के दल में डॉ. अभिषेक डबास, डॉ आरिफ नसीर, डॉ सोमपर्ब दुबे, डॉ शिवानी, डॉ.सगुफता मल्होत्रा, कुलदीप चौहान, नेहा भारती, शमशाद हुसैन, जितेंद्र जादौन, रोहित वत्स, और वाणी भाटिया शामिल थे। डॉ.शिवानी द्वारा राष्ट्रपति को पुष्प भेंट किया गया। डॉ.अभिषेक डबास ने बताया की शिक्षक दिवस के अवसर पर देश के राष्ट्रपति द्वारा शिक्षकों को आमंत्रित कर उन्हें शिक्षक दिवस की बधाई देना अपने आप में ही एक बहुत बड़ा सम्मान है।

- शिवानी ने राष्ट्रपति को किया पुष्प भेंट

समीक्षा *मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाले 37 विकास कार्यक्रम की समीक्षा की गई*

लक्ष्य के अनुरूप समय से पूर्ण हों योजनाएं : मीणा

मेरठ,5 सितम्बर (देशबन्धु)। कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिलाधिकारी दीपक मीणा की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री के प्राथमिकता वाले 37 विकास कार्यक्रमो की समीक्षा बैठक आहूत की गयी। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी द्वारा संबंधित समस्त विभागो को निर्देशित किया गया कि दिए गए लक्ष्य के अनुरूप योजनाओ को समयबद्ध एवं गुणवत्तापरक ढग से शत-प्रतिशत पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करे। सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओ में शत-प्रतिशत प्रगति लाते हुये पात्रों को लाभ दिलाया जाए। आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतो का शत-प्रतिशत निस्तारण कराया जाना सुनिश्चित करे।

जिलाधिकारी द्वारा जिला पूर्ति अधिकारी से राशन की रिक्त दुकानों तथा न्यायालय में लंबित वादों के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। समाज कल्याण अधिकारी से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह एवं पेंशन योजना के संबंध में जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होने कहा कि सरकार की विभिन्न लाभार्थीपरक योजनाओ में लाभार्थी को समय से भुगतान कराया जाना सुनिश्चित करे। जिलाधिकारी द्वारा जिला कृषि अधिकारी को निर्देशित किया गया कि किसान सम्मान निधि में शत-प्रतिशत ई-केवाईसी कराना सुनिश्चित किया जाए। प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुये प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा कृषि से संबंधित विभिन्न लाभार्थीपरक योजनाओं में निष्पक्ष एवं पारदर्शिता के साथ कार्यवाही करते हुए लाभ दिलाया जाए। जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी से सहभागिता व टीकाकरण के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि पशुओं में लम्पी बीमारी के कुछ मामले सामने आए हैं इसके लिए लम्पी बीमारी से बचाव हेतु समय से पूरी तैयारी कर ली जाए। मत्स्य विभाग के अधिकारी को पट्टे आवंटन करने तथा लाभार्थियों को योजना से आच्छादित करने के निर्देश दिए गए।

जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित करते हुए कहा कि छात्रवृत्ति के फार्म समय से भरवा लिए जाए तथा उन्होंने कन्या सुमंगला योजना का लाभ अधिक से अधिक लाभार्थियो को पहुंचान के निर्देश दिए। जिला गन्ना अधिकारी से लंबित गन्ना मूल्य भुगतान के संबंध में जानकारी प्राप्त कर शीघ्र गन्ना मूल्य भुगतान कराने के निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त लघु सिंचाई, विद्युत, लोक निर्माण, सेतु निगम, पंचायती राज आदि विभागो के कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर ज्वाईंट मजिस्ट्रेट गामिनी सिंगला, प्रशिक्षु आईएएस श्रुति शर्मा, जिला विकास अधिकारी अमरीश कुमार सहित संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

- आईजीआरएस की शिकायतों का शत-प्रतिशत निस्तारण के निर्देश
- पात्र लाभार्थी को समय से होगा भुगतान

वेंकटेश्वरा में ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

मेरठ,5 सितम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली-रूडकी बाईपास स्थित वेंकटेश्वरा संस्थान मे शिक्षिक दिवस के अवसर पर स्कूल ऑफ फार्मेसी विभाग के नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए ओरिन्टेशन प्रोग्राम आरंभ-2023 का शानदार आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ समूह चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, मुख्य अतिथि प्रो. डॉ.आर के खंडाल पूर्व कुलपति एकेटीयू, परिसर निदेशक डॉ. प्रताप सिंह, कुलसचिव डॉ. रविशंकर, डॉ. योगेश बडसिलिया आदि ने रिबन काट कर एवं मॉ सरस्वती एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। सर्व प्रथम फार्मेसी विभाग की छात्रा विधी ने सरस्वती वन्दना प्रस्तुत कर अतिथिगढ का स्वागत किया। इस अवसर पर दीपक कुमार, ब्रजपाल सिंह, अलका सिंह, आरबी ढाका, डा. निधी आदि मौजूद रहे।

फिल्म भारत माता की जय का पहला गाना आग लगा दे पानी में रिलीज

मुंबई। अभिनेता प्रिंस सिंह राजपूत और अभिनेत्री पायस पंडित अभिनीत फिल्म भारत माता की जय का पहला गाना 'आग लगा दे पानी में जी म्युजिक भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। आग लगा दे पानी में गीत के लेखक कवि प्यारे लाल यादव है जबकि इसका संगीत से मधुकर आनंद ने दिया है। इस गाने को पवन परदेशी एवं चौरस के सुमधुर आवाज में स्वरबद्ध किया गया है। ब्राइट सन हाउस इन एसोसियेशन विथ ज्ञानपुर प्रोडक्शन के बैनर तले बनी भारत माता की जय के निर्माता सतीश पोद्दार,हरसिता मिश्रा है जबकि निर्देशक सुजीत कुमार सिंह, लेखक एस के चौहान है कार्यकारी निर्माता रंजीत उपाध्याय है। प्रिंस सिंह राजपूत ने कहा कि यह फिल्म देशभक्ति से पूर्ण फिल्म है, जिसमे एक बढ़कर एक दृश्य और गाने फिल्माये गए है।

वैज्ञानिकों का शोध निष्कर्ष में दावा

तंबाकू का पत्ता कैंसर के कई रूपों से लड़ने की रखता है क्षमता

लखनऊ/प्रयागराज, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (एयू) के पूर्व छात्र सहित विभिन्न देशों के वैज्ञानिकों ने एक शोध निष्कर्ष में दावा किया है कि तंबाकू का पत्ता कैंसर के कई रूपों से लड़ने की क्षमता रखता है। यह निष्कर्ष एक हैरान करने वाला विरोधाभास पेश करता है, क्योंकि डब्ल्यूएचओ के अनुसार, तंबाकू का उपयोग दुनियाभर में कैंसर से संबंधित सभी मौतों में से एक चौथाई के लिए जिम्मेदार है और फेफड़ों के कैंसर का प्राथमिक कारण बना हुआ है। यूके में टेलर एंड फ्रांसिस लिमिटेड के प्रकाशन 'जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स' में एयू के पूर्व छात्र अमित दुबे, भारतीय वैज्ञानिक आयशा तुफैल और मलेशियाई शोधकर्ताओं मिया रोनी और प्रोफेसर ए.के.एम. मोयेनुल हक के साथ की गई उल्लेखनीय खोज प्रकाशित हुई है। शोध निष्कर्ष के अनुसार, 4-[3-हाइड्रॉक्सीनिलिनो]-6,7-डाइमेथॉक्सीक्विनाज़ोलिन नामक एक अद्वितीय कैंसर-रोधी तत्व तंबाकू के पत्तों से निकाला जा सकता है, जिसका कोई स्पष्ट दुष्प्रभाव नहीं होता है। अमित दुबे ने

■ फेफड़ों के कैंसर का प्राथमिक कारण बना तंबाकू का उपयोग

बताया कि कैंसर कोशिकाओं का प्रसार, अस्तित्व, आसंजन, प्रवासन और विभेदन सभी एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर (ईजीएफआर) से महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित होते हैं। ट्यूमर कोशिकाओं की दीवारों में ईजीएफआर होता है। उन्हें जीवित रहने और विकसित होने के लिए इस प्रोटीन की आवश्यकता होती है। अनुसंधान टीम ने ईजीएफआर प्रोटीन को लक्षित करने वाले ड्रग बैंक तत्वों की स्क्रीनिंग के लिए एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण का उपयोग किया।

इसे ड्रग बैंक के माध्यम से अलबर्टा विश्वविद्यालय और अलबर्टा कनाडा में मेटाबोलॉमिक्स इनोवेशन सेंटर द्वारा बनाए गए एक व्यापक फ्री-एक्सेस ऑनलाइन डेटाबेस के माध्यम से सुविधाजनक बनाया गया था, जहां से टीम ने अपने अध्ययन के लिए तंबाकू के पत्तों में पाए जाने वाले तत्व को प्राप्त किया था।

गड़बड़ जीवनशैली के कारण होता है स्तन कैंसर

नई दिल्ली। स्तन कैंसर मुख्य रूप से पश्चिमी देशों की गड़बड़ जीवनशैली के कारण होने वाली बीमारी है। मगर कुछ उपायों से इसे रोका जा सकता है। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। स्तन कैंसर दुनिया भर में महिलाओं को प्रभावित करने वाला सबसे आम प्रकार का कैंसर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2020 में 20 लाख से अधिक महिलाओं में स्तन कैंसर का पता चला और इसमें 6 लाख से अधिक महिलाओं की जान चली गई। भारत में महिलाओं में कैंसर का प्रमुख कारण स्तन कैंसर है। नेशनल सेंटर फॉर डिजीज इंफॉर्मेटिक्स एंड रिसर्च की नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में भारत में दो लाख से अधिक महिलाओं में स्तन कैंसर का निदान होने का अनुमान लगाया गया था। अनुमान है कि 76,000 से अधिक मौतें हुईं। एक रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में यह संख्या बढ़कर 2.3 लाख से अधिक होने की उम्मीद है।कपारस हेल्थ गुरुग्राम की उपाध्यक्ष और एचओडी मेडिकल ऑन्कोलॉजी और हेमेटोलॉजी डॉ. ज्योति वाधवा ने बताया कि स्तन कैंसर महिलाओं में कैंसर से संबंधित मौतों का सबसे आम कारण है। 10 प्रतिशत तक मामलों को वंशानुगत कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, स्तन कैंसर मुख्य रूप से जीवनशैली से संबंधित बीमारी है। बढ़ती आयु, पहले बच्चे के जन्म के समय ज्यादा उम्र, कमजोरी, मोटापा और शराब के सेवन के साथ कुछ अन्य महत्वपूर्ण जोखिम इसके कारक हैं।

डॉ. वाधवा ने कहा कि इसके अलावा युवा महिलाओं में स्तन कैंसर अधिक आक्रामक और अक्सर ट्रिपल नकारात्मक प्रकार का होता है, जिसके बदतर परिणाम होते हैं। एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल्स द्वारका के एचओडी और सलाहकार, मेडिकल हेमाटो ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. पीयूष बाजपेयी ने कहा कि स्तन कैंसर के बढ़ने का एक महत्वपूर्ण कारण यह है कि हमने पश्चिमी जीवनशैली अपना ली है, जिसमें मोटापा, तनाव, धूम्रपान की आदतें, शराब या फास्ट-फूड जैसी आदतें शामिल हैं। इसके अलावा अल्ट्रा प्रोसेस्ड भोजन भी इसमें लिए जिम्मेदार है।

फिरोजाबाद में 10 फीट के मगरमच्छ को रेस्क्यू किया गया

आगरा, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश वन विभाग के सहयोग से वाइल्डलाइफ एसओएस ने फिरोजाबाद के नगला अमान गांव में घुसे 10 फुट लंबे मगरमच्छ को सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया है। मगरमच्छ पास की जल नहर से भटककर एक कृषि क्षेत्र में आ गया था, जिससे गांव के लोगों के बीच हलचल मच गई। गांव के लोगों ने इसकी जानकारी स्थानीय अधिकारियों की दी, जिन्होंने वन विभाग से संपर्क किया।

फिरोजाबाद के पास नगला अमान गांव में सुबह राहगीरों ने एक खेत में 10 फुट लंबा मगरमच्छ देखा। मगरमच्छ की सुरक्षा के लिए चिंतित, ग्रामीणों ने स्थानीय अधिकारियों को सूचित किया। वाइल्डलाइफ एसओएस की तीन सदस्यीय रैपिड रिस्पांस यूनिट ने स्थान तक पहुंचने के लिए 100 किमी की यात्रा की और एक घंटे तक चले ऑपरेशन में मगरमच्छ को सुरक्षित बाहर निकाला।

साइट पर किए गए मेडिकल ऑब्जर्वेशन से पता चला कि मगरमच्छ को कोई चोट नहीं आई। इसके बाद उसे प्राकृतिक स्थान में वापस छोड़ दिया गया।

जसराना के रेंज वन अधिकारी आशीष कुमार ने कहा कि मगरमच्छ को बचाने में त्वरित सहायता के लिए हम वन्यजीव एसओएस के आभारी हैं। एनजीओ की अनुभवी टीम के निर्बाध सहयोग से मगरमच्छ का सफल बचाव और रिहाई संभव हो पाई। वाइल्डलाइफ एसओएस के सह-संस्थापक और सीईओ कार्तिक सत्यनारायण ने कहा कि यह ऑपरेशन ग्रामीणों के सहयोग के बिना संभव नहीं होता, जिन्होंने हमें मगरमच्छ की मौजूदगी के बारे में तुरंत सचेत किया। मगर मगरमच्छ को दलदली मगरमच्छ के नाम से भी जाना जाता है, यह भारत, श्रीलंका, बर्मा, पाकिस्तान और ईरान के कुछ हिस्सों के मूल निवासी हैं। यह आमतौर पर मीठे पानी के वातावरण जैसे नदियों, झीलों, पहाड़ी झरनों, गांव के तालाबों और मानव निर्मित जलाशयों में पाए जाते हैं और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची के तहत संरक्षित हैं।

शिक्षक दिवस पर काजोल ने कहा कि मैं ऐसे गांव में पली-बढ़ी, जो मजबूत महिलाओं से भरा था

नई दिल्ली, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। शिक्षक दिवस पर एक्ट्रेस काजोल ने इंस्टाग्राम पर मंगलवार को एक रील शेयर की, जिसमें उनके कई इंटरव्यू की झलक दिखी। जिसमें वह गर्व से अपनी मां और अभिनेत्री तनुजा, अपनी नानी शोभना समर्थ, परदादी रतन बाई के बारे में बात कर रही हैं। शोभना और रतन बाई दोनों भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की एक्ट्रेस थीं। वीडियो में काजोल को यह कहते हुए देखा जा सकता है, 'मेरे सबसे बड़े गुरु के लिए, मेरी मां सुपर कूल हैं। मेरी मां ऑसम हैं और उनकी मां अमेजिंग हैं। जब मैं 5-6 साल की थी तब मेरी परदादी ने मुझे बुनाई करना सिखाया। उन्होंने मुझे हारमोनियम बजाना भी सिखाया।' 'बाज़ीगर' फेम एक्ट्रेस ने वीडियो को कैप्शन दिया, मैं वास्तव में एक गांव में पली-बढ़ी हूं। वह गांव, जो एकदम कूल महिलाओं से भरा हुआ था। मैंने ठोकरें खाकर सीखा है, कोई भी बातें मेरे दिमाग में बैठाई नहीं गई है। मैं कितना भी धन्यवाद कर दूं, लेकिन वह कम ही है। अच्छा और बुरा और बीच का, सब मुझे सिखाई गई, जिनका स्कूल से कोई लेना-देना नहीं है। इन सीखों का संबंध जीवन से था और वे तब काम आए, जब मुझे उनकी सबसे अधिक जरुरत थी। ज्यादातर बच्चों की तरह मैं भी किसी की नहीं सुनती थी, लेकिन सीखती थी और इसलिए वर्तमान में इतनी उभर पाई हूं। ये सीखना खत्म नहीं हुआ है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो काजोल को आखिरी बार 'लस्ट स्टोरीज 2' में 'देवयानी' के रूप में देखा गया था। उन्होंने डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग एक कानूनी ड्रामा 'द ट्रायल- प्यार कानून धोखा' में भी अभिनय किया। उनकी अगली फिल्म 'सरजमीं' और 'दो पत्ती' हैं।

'वंशज' के आगामी एपिसोड में एक्शन करती नजर आएंगी अंजलि तत्रारी

मुंबई, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। टेलीविजन शो 'वंशज' के आगामी एपिसोड में युविका की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री अंजलि तत्रारी शो में जबरदस्त एक्शन सीन करती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने साझा किया कि इन एक्शन सीन पर काम करते हुए वो खुद को सशक्त महसूस कर सकी। हाल ही में शूट किए गए एक फाइट सीन में अंजलि ने लाजवाब परफॉर्मेंस दी जिससे हर कोई हैरान रह गया।'वंशज' में युविका को एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ा और उसके दोस्त नील (मोहित कुमार द्वारा अभिनीत) के तुरंत हस्तक्षेप करने के बजाय, युविका ने अपनी व्यक्तिगत ताकत का एहसास करते हुए अपनी लड़ाई लड़ी। उसी के बारे में बात करते हुए अंजलि ने कहा कि मैं सचमुच मानती हूं कि हर चुनौतीपूर्ण दृश्य एक अभिनेत्री के रूप में विकास का अवसर है।'वंशज' में हालिया लड़ाई का सीन कोई अपवाद नहीं था। इसकी तैयारी के लिए समर्पण और अभ्यास की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि रिहर्सल ने मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ शॉट देने की अनुमति दी और मेरे निर्देशक और सह-कलाकारों के समर्थन ने मुझे इसे स्क्रीन पर सशक्त ढंग से प्रदर्शित करने में मदद की। पुरुष प्रभुत्व के विचार पर टिके रहने के बजाय, 'वंशज' ने दिखाया कि मेरा किरदार युविका संघर्षों को सुलझाने में मजबूत है। इस सशक्त दृष्टिकोण ने मुझे उन सीमाओं से मुक्त होने की अनुमति दी जो अक्सर विशिष्ट कहानियों से जुड़ी होती हैं। वंशज सोनी सब पर सोमवार से शनिवार प्रसारित होता है।

महिला ने पुलिस को बम की 39 बार फर्जी कॉल की

मुंबई, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। मुंबई की एक महिला ने मंगलवार को मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को फोन करके पॉश नेपियन सी रोड पर कथित तौर पर बम रखे होने की सूचना दी, जो बाद में अफवाह निकली।

पुलिस को बाद में पता चला कि महिला ने पहले भी इसी तरह के 38 बम धमकी भरे कॉल किए थे। इस बार 39वीं फर्जी कॉल थी। महिला की धमकियों की वजह से पुलिस को विभिन्न क्षेत्रों में रखे गए गैर-मौजूद विस्फोटकों के लिए इधर-उधर भागना पड़ा था।

इसी तरह मुंबई पुलिस को दक्षिण मुंबई के कमाठीपुरा इलाके में बम रखे होने की सूचना मिली, जो एक फर्जी चेतावनी निकली।

हाल ही में मुंबई पुलिस को मंत्रालय, पुलिस मुख्यालय, हवाई अड्डों, रेलवे, उपनगरीय ट्रेनों, प्रमुख स्थानों आदि स्थानों पर 26/11 की तरह आतंकवादी हमलों वाले बम रखे जाने की चेतावनी देने वाली कॉलों की बौछार की गई थी, लेकिन सभी फर्जी निकलीं। महिला के अलावा, अन्य कॉल मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्तियों द्वारा की गई थीं, एक बीमार नाबालिग लड़के द्वारा, या कुछ संदिग्ध पात्रों द्वारा की गई थी, जिन पर कार्रवाई की जाएगी।

स्वस्थ जीवन को लेकर वैज्ञानिकों का अध्ययन में खुलासा

हफ्ते में कम से कम तीन दिन व्यायाम जरूरी

■ कम अवधि की एक्सरसाइज एक या दो बड़े प्रशिक्षण सत्रों की तुलना में अधिक फायदेमंद

सिडनी, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। एक अध्ययन से यह बात सामने आई है कि फिट रहने के लिए सप्ताह में कम से कम तीन दिन एक्सरसाइज करना जरूरी है। अगर इसे सप्ताह में पांच दिन कर दिया जाए तो यह स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। निष्कर्षों से पता चला कि सप्ताह में ज्यादा दिन एक्सरसाइज करने की इच्छाशक्ति रखने से बेहतर परिणाम मिलेंगे।

यह अध्ययन इस समझ को और बेहतर बनाने में मदद कर सकता है कि मानव शरीर एक्सरसाइज के प्रति किस प्रकार प्रतिक्रिया करता है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में एडिथ कोवान यूनिवर्सिटी (ईसीयू) के अध्ययन प्रमुख प्रोफेसर केन नोसाका ने कहा कि हमारे पिछले काम से पता चला है कि नियमित रूप से की गई कम अवधि की एक्सरसाइज एक या दो बड़े प्रशिक्षण सत्रों की तुलना में अधिक फायदेमंद है।

नोसाका ने कहा कि अब हमें इस बात का स्पष्ट अंदाजा हो गया है कि वह निर्णायक बिंदु कहां है, जहां आप इस तरह की न्यूनतम एक्सरसाइज से सार्थक लाभ देखना शुरू करते हैं। यूरोपियन जर्नल ऑफ एप्लाइड फिजियोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन में प्रतिभागियों को एक भारी डम्बल से तीन सेकेंड प्रयास वाला बाइसेप करते देखा गया।

नए अध्ययन में प्रतिभागियों को दो समूहों में विभाजित किया गया था, पहला समूह प्रति सप्ताह में दो दिन, तीन सेकेंड की एक्सरसाइज करता था। वहीं दूसरा समूह सप्ताह में तीन दिन एक्सरसाइज करता था।

चार सप्ताह के बाद शोधकर्ताओं ने प्रतिभागियों की बाइसेप्स की तुलना की।

जिन लोगों ने प्रति सप्ताह दो दिन एक्सरसाइज की, उनमें कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं देखा गया। हालांकि, तीन दिन एक्सरसाइज करने वाले समूहों में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई। हालांकि, सप्ताह में पांच दिन एक्सरसाइज करने वालों की मांसपेशियों में काफी वृद्धि देखने को मिली।

परिणीति-राघव की शादी इसी महीने उदयपुर में, गुरुग्राम में होगा रिसेप्शन

जयपुर, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। आप पार्टी के नेता राघव चड्ढ़ा और एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा इस महीने लेक सिटी उदयपुर में शादी के बंधन में बंधेंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि शादी की रस्में 23-24 सितम्बर को होटल लीला पैलेस और उदय विलास में होंगी।

इस दौरान राजनीति और बॉलीवुड जगत की कई बड़ी हस्तियां उदयपुर आएंगी। सूत्रों की मानें तो मेहंदी, हल्दी और संगीत कार्यक्रम 23 सितम्बर से शुरू होंगे। साथ ही चर्चा है कि शादी के बाद गुरुग्राम में रिसेप्शन भी रखा जाएगा।

कार्यक्रम में परिणीति की बहन प्रियंका चोपड़ा और उनके पति निक जोनास सहित कई फिल्मी हस्तियों और दिल्ली और अन्य राज्यों के नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है।

कान्हा नगरी के पांच मंदिरों में जन्माष्टमी मनाने की परंपरा है निराली

मथुरा, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। कान्हा की नगरी मथुरा के पांच मन्दिरों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाने की निराली परंपरा है। इनमें से चार मन्दिर वृन्दावन में एवं एक मन्दिर नन्दगांव में है। वृन्दावन के प्राचीन राधारमण, राधा दामोदर एव गोकुलानन्द मन्दिर में जन्माष्टमी दिन में मनाई जाती है वहीं वृन्दावन के शाहजी मन्दिर में भी जन्माष्टमी दिन में मनाने की परंपरा चली आ रही है। पांचवां मन्दिर नन्दबाबा मन्दिर नन्दगांव है जहां पर आठ सितम्बर को जन्माष्टमी मनाई जाएगी लेकिन इस मन्दिर में इस दिन न तो अभिषेक होगा और ना ही रात 12 बजे के अभिषेक के दर्शन होते हैं। राधारमण मन्दिर मे तो इस दिन मन्दिर के सेवायत लाला को चिरंजीव होने का आशीर्वाद तक देते हैं। राधारमण मन्दिर के सेवायत आचार्य दिनेश चन्द्र गोस्वामी ने बताया कि चैतन्य महाप्रभु के शिष्य रूप गोस्वामी ने यह परंपरा आज से लगभग 500 वर्ष पहले डाली थी जिसका वर्णन रूप गोस्वामी के ग्रन्थ 'श्रीकृष्ण जन्म तिथि विधि' में मिलता है। वास्तव में जन्माष्टमी श्रीकृष्ण की सालगिरह है तथा रात में लाला को जगाकर

■ चार मन्दिर वृन्दावन में एवं एक मन्दिर नन्दगांव में

उसका जन्म दिन मनाना ठीक नही है इसलिए ही दिन में जन्माष्टमी मनाने के बारे में रूप गोस्वामी, जीव गोस्वामी और गोपाल भट्ट ने दिया था। शाह जी मन्दिर में सभी परंपराएं राधारमण मन्दिर के अनुरूप ही चलती हैं इसलिए यहां भी जन्माष्टमी दिन में ही मनाई जाती है। उन्होंने बताया कि ठाकुर का यमुना जल से अभिषेक करने के बाद 27 मन गाय के दूध, दही, घी तथा बूरा, शहद, औषधि, वनोषधि, सर्वोषधि, महाषधी आदि से अभिषेक किया जाता है सबसे अन्त में केशर से अभिषेक किया जाता है। इसके बाद पर्दा आ जाता है और अन्दर ही ठाकुर का श्रृंगार होता है। श्रृंगार के बाद ठाकुर को राई लोन उतार कर मन्दिर के सेवायत उन्हें आशीर्वाद देते हैं

माई तेरो चिर जीवे गोपाल

इसके बाद मन्दिर के सेवायत ठाकुर से प्रार्थना करते हैं 'न धनम, न जनम न सुन्दरी' अर्थात हे प्रभु मुझे कुछ नहीं चाहिए क्योंकि आप के श्रीचरणों में मेरा अनुराग बना रहे। इस दिन तिल का विशेष भोग लगता है। आरती के बाद सभी भक्तों में प्रसाद का वितरण होता है तथा अभिषेक समाप्त होने के बाद ही चरणामृत का वितरण मन्दिर के बाहर होता है। राधा दामोदर मन्दिर में सवा मन गाय के दूध के साथ पंचामृत अभिषेक उसी प्रकार होता है जैसे राधारमण मन्दिर में होता है।यहां के अभिषेक की विशेषता यह है कि भक्त भी अभिषेक में अपना सहयोग देने के लिए दूध लेकर आते है और मन्दिर के सेवायत को अभिषेक के लिए दे देते हैं भक्तों द्वारा कई मन दूध लाया जाता है तो कुछ भक्त 250 मिलीलीटर तक दूध लाते हैं। एक प्रकार से यहां का अभिषेक सामूहिक अभिषेक होता है जो मन्दिर के सेवायतों द्वारा किया जाता है। मन्दिर के सेवायत आचार्य बलराम गोस्वामी ने बताया कि इस मन्दिर में अभिषेक के बाद दही और हल्दी मिश्रित कीच सेवायत एक दूसरे पर डालकर श्रीकृष्ण के अवतरण पर खुशी जाहिर करते हैं। इस दिन उस गिर्राज शिला का भी अभिषेक किया जाता है जिसे ठाकुर जी ने स्वयं सनातन गोस्वामी को दिया था। यहां के कार्यक्रम में विदेशी कृष्ण भक्त भी शामिल होते हैं क्योंकि इस मन्दिर में साधना करने के बाद ए सी भक्ति वेदान्त स्वामी प्रभुपाद को विशेष ज्ञान प्राप्त हुआ था।

मथुरा में जन्माष्टमी उत्सव इसरो वैज्ञानिकों को समर्पित

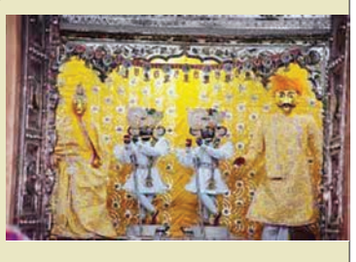

उत्तर प्रदेश के मथुरा में श्री कृष्ण जन्मस्थान मंदिर में इस साल का जन्माष्टमी समारोह सफल चंद्रयान-3 मिशन के लिए इसरो वैज्ञानिकों को समर्पित होगा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने कहा कि आईएसओपी अध्यक्ष एस. सोमनाथ के प्रयासों को बताने के लिए उस अस्थायी निवास का नाम 'सोमनाथ पुष्प बांग्ला' रखा गया है, जहां भगवान 7 सितम्बर की मध्यरात्रि को विराजमान होंगे। उन्होंने कहा कि कृष्ण की मूर्ति की विशेष पोशाक का नाम प्रज्ञान रोवर के नाम पर 'प्रज्ञान प्रभास' रखा गया है। बंगाल और दिल्ली के डिजाइनर विशेष पोशाक को अंतिम रूप दे रहे हैं। मंदिर प्रबंधन निकाय के सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने कहा कि चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंच गया है। इतनी बड़ी उपलब्धि पर देश का प्रत्येक नागरिक वैज्ञानिकों की दृढ़ता, त्याग और कड़ी मेहनत की सराहना करता है। चंद्रवंशी भगवान कृष्ण की 5,250वीं जयंती के एक विशेष और भव्य उत्सव में, प्रज्ञान रोवर की एक विशेष कलाकृति पवित्र भागवत भवन में, देवता की सीट के सामने रखी जाएगी। 23 अगस्त को, जिस दिन लैंडर मॉड्यूल प्रज्ञान ने लैंडिंग की, उसकी सफलता के लिए मथुरा के प्रमुख मंदिरों में विशेष प्रार्थनाएं की गईं थीं।

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज भी यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

पावरग्रिड	2.50 प्रतिशत
एलटी	2.09 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	1.95 प्रतिशत
एचडीएफसी	1.01 प्रतिशत
सन फार्मा	0.89 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

रिलायंस	1.11 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	0.97 प्रतिशत
एचसीएल टेक	0.67 प्रतिशत
टाइटन	0.59 प्रतिशत
आईटीसी	0.56 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिदुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2500-3000
गेहूं दडा	2150-2160
आटा	2800-2290
मैदा	945-950
चोकर	620-630

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

बासमती औसत किस्म	4500-4600
परमल	1750-1775
चावल सेला	2250-2350
आरआर (आठ)	1650-1670

दाल-दलहन

चना	4,850-4,950
दाल चना	4,850-4,950
मसूर काली	7,800-7,900
उड़द दाल	10300-10400
मूंग दाल	7,900-8,000
अरहर दाल	9700-9800

मौद्रिक नीति को दूरदर्शी होना चाहिए : शक्तिकांत

नई दिल्ली, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मंगलवार को कहा कि मौद्रिक नीति को दूरदर्शी होना चाहिए, क्योंकि पीछे देखने का दृष्टिकोण दुर्घटनाओं को जन्म दे सकता है। दास, जिन्होंने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स डायमंड जुबली विशिष्ट व्याख्यान देते हुए कार ड्राइविंग की उपमा दी, ने कहा कि मौद्रिक नीति का संचालन संभावित गड्ढों और गति बाधाओं वाली सड़क पर कार चलाने जैसा है। चूंकि मौद्रिक नीति लंबे और परिवर्तनीय अंतराल के साथ काम करती है, प्रमुख व्यापक आर्थिक चर के पूर्वानुमान मौद्रिक नीति के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यही कारण है कि मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण ढांचे को 'मुद्रास्फीति पूर्वानुमान लक्ष्यीकरण' ढांचे के रूप में भी कहा जाता है।

उन्होंने कहा, 'वास्तविक जीवन में सादृश्य लेने के लिए मौद्रिक नीति का संचालन संभावित खाइयों और गति अवरोधों वाली सड़क पर कार चलाने जैसा है। चालक को अपनी कार की गति को नियंत्रित करने और बातचीत करते समय खाई या स्पीड बम्प पर नजर रखने की जरूरत है। यदि ड्राइवर अचानक स्पीड बम्प पर प्रतिक्रिया करता है, तो वह नियंत्रण खोने और दुर्घटना होने का जोखिम उठाता है। इसलिए, मौद्रिक नीति का सफल संचालन मुद्रास्फीति और विकास जैसे प्रमुख चर के विश्वसनीय पूर्वानुमानों पर निर्भर करता है। दूसरे शब्दों में, मौद्रिक नीति को दूरदर्शी होना चाहिए। रियर व्यू मिरर से नीतिगत त्रुटियां हो सकती हैं।'

मौद्रिक नीति का संचालन संभावित गड्ढों और गति बाधाओं वाली सड़क पर कार चलाने जैसा है। चूंकि मौद्रिक नीति लंबे और परिवर्तनीय अंतराल के साथ काम करती है, प्रमुख व्यापक आर्थिक चर के पूर्वानुमान मौद्रिक नीति के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं:-शक्तिकांत दास, गवर्नर

आरबीआई गवर्नर ने यह भी कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के लिए मूल्य स्थिरता पर नज़र रखना और उसके अनुसार कार्य करना महत्वपूर्ण है। दास ने कहा, 'इसके अलावा, एमपीसी यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहती है कि मूल्य वृद्धि के सामान्यीकरण के रूप में मुद्रास्फीति के दूसरे क्रम के प्रभावों को बढ़ने न दिया जाए।' उन्होंने कहा, 'मूल्य स्थिरता पर नजर रखना और उचित तरीके से कार्य करना जरूरी है। हम अब 4 फीसदी के लक्ष्य पर मजबूती से केंद्रित हैं।' दास ने आगे कहा कि आरबीआई ने कोविड के बाद के युग में मूल्य स्थिरता को बाधित न करने के लिए तरलता प्रबंधन की योजना बनाई। उन्होंने कहा, 'हमारे अधिकांश तरलता इंजेक्शन उपायों की घोषणा एक साल या तीन साल की अवधि के लिए की गई थी। इससे उन्हें (बाजार सहभागियों को) एक साल या तीन साल में केंद्रीय बैंक को पैसा वापस करने के लिए अपनी गतिविधियों की योजना बनाने में मदद मिली।'

1.3 बिलियन तक पहुंचा ग्लोबल 5जी मोबाइल सब्सक्रिप्शन, भारत ने सबसे अधिक यूजर्स जोड़े

नई दिल्ली, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। दूसरी तिमाही में ग्लोबल 5जी सब्सक्रिप्शन में 175 मिलियन की वृद्धि हुई, जबकि इस अवधि में सात मिलियन से अधिक नए यूजर्स के साथ भारत में समग्र मोबाइल सब्सक्रिप्शन में सबसे अधिक वृद्धि हुई। एरिक्सन मोबिलिटी रिपोर्ट के अनुसार, दूसरी तिमाही में शामिल होने से 5जी सब्सक्रिप्शन की वैश्विक संख्या 1.3 बिलियन के करीब पहुंच गई है। दूसरी तिमाही में, मोबाइल सब्सक्रिप्शन की संख्या कुल 8.3 बिलियन हो गई, जिसमें तिमाही के दौरान 40 मिलियन सब्सक्रिप्शन की शुद्ध वृद्धि हुई। यूनिक मोबाइल सब्सक्राइबर्स की संख्या 6.1 बिलियन थी।

■ दूसरी तिमाही में ग्लोबल 5जी सब्सक्रिप्शन में 175 मिलियन की वृद्धि हुई

तिमाही के दौरान भारत में सबसे अधिक शुद्ध वृद्धि (7 मिलियन से अधिक) हुई। भारत के बाद चीन (पांच मिलियन) और अमेरिका (तीन मिलियन) मोबाइल सब्सक्राइबर्स रहे। रिपोर्ट में कहा गया है, लगभग 260 कम्युनिकेशन सर्विस प्रोवाइडर्स (सीएसपी) ने कमर्शियल 5जी सर्विस लॉन्च की हैं। लगभग 35 सीएसपी ने 5जी स्टैंडअलोन (एसए) नेटवर्क लॉन्च किया है।

दूसरी तिमाही में ग्लोबल मोबाइल सब्सक्रिप्शन पहुंच 105 प्रतिशत थी। तिमाही में मोबाइल ब्रॉडबैंड सब्सक्रिप्शन की संख्या में लगभग 100 मिलियन की वृद्धि हुई, जो कुल 7.4 बिलियन हो गई, जो साल-दर-साल 5 प्रतिशत की वृद्धि है। निष्कर्षों से पता चला कि अब सभी मोबाइल सब्सक्रिप्शन में मोबाइल ब्रॉडबैंड की हिस्सेदारी 88 प्रतिशत है। दूसरी तिमाही 2022 और दूसरी तिमाही 2023 के बीच मोबाइल डेटा ट्रैफिक में 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 4जी सब्सक्रिप्शन में 11 मिलियन की वृद्धि हुई, जो कुल मिलाकर लगभग 5.2 बिलियन है और सभी मोबाइल सब्सक्रिप्शन का 62 प्रतिशत है। तिमाही में मोबाइल ब्रॉडबैंड सब्सक्रिप्शन की संख्या में लगभग 100 मिलियन की वृद्धि हुई, जो कुल 7.4 बिलियन हो गई, जो साल-दर-साल 5 प्रतिशत की वृद्धि है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब सभी मोबाइल सब्सक्रिप्शन में मोबाइल ब्रॉडबैंड की हिस्सेदारी 88 प्रतिशत है।

जोहो ने 100 मिलियन यूजर्स के आंकड़े को किया पार

नई दिल्ली, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। ग्लोबल सॉफ्टवेयर-ए-ए-सर्विस (सास) कंपनी जोहो ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने अपने 55 से ज्यादा बिजनेस ऐप्लिकेशन में 100 मिलियन यूजर्स को पार कर लिया है। पिछले साल कंपनी का वार्षिक राजस्व 1 अरब डॉलर तक पहुंचने के बाद यह वृद्धि हुई है। जोहो ने कहा कि 2008 में इनकी संख्या 1 मिलियन से बढ़कर 15 साल बाद 100 मिलियन हो गई है, जबकि आखिरी 50 मिलियन यूजर्स पिछले पांच सालों में जुड़े हैं। जोहो के सह-संस्थापक और सीईओ श्रीधर वेम्बू ने कहा, 'यह किसी भी संगठन के लिए प्रभावशाली है, लेकिन एक बूटस्ट्रैप्ड कंपनी के रूप में हमारे लिए विशेष रूप से सुखद है जिसने कभी भी बाहरी पूंजी नहीं जुटाई और हमने अभी तक काम पूरा नहीं किया है।'

उन्होंने कहा, 'हमारे पास अगले 10 सालों के लिए प्रभावशाली इनोवेशन पाइपलाइन है और हम दुनिया भर के अरबों यूजर्स को सेवा प्रदान करने के लिए टेक्नोलॉजी में निवेश कर रहे हैं।' जोहो के 150 से ज्यादा देशों में 700,000 से अधिक बिजनेस हैं। भारत सबसे तेजी से बढ़ते देशों में से एक है, जहां कंपनी ने अपमार्केट सेगमेंट में तीन साल की सीएजीआर 65 प्रतिशत देखी है। विशेष रूप से मध्य-बाजार और उद्यम खंड अब भारत में जोहो के वार्षिक आवर्ती राजस्व (एआरआर) का 50 प्रतिशत से अधिक के लिए जिम्मेदार है।

अब भारतपे के चीफ बिजनेस ऑफिस निशांत जैन एंजेल वन ने छोड़ा पद

नई दिल्ली, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। फिनटेक लीडर भारतपे से टॉप लेवल के लोगों के जाने का सिलसिला जारी है। अब, इसके चीफ बिजनेस ऑफिसर (सीबीओ) निशांत जैन कंपनी में 3.5 साल के बाद आगे बढ़ गए हैं। निशांत जैन एंजेल वन (पहले एंजेल ब्रोकिंग) में कार्यकारी निदेशक और सीबीओ (सहायता प्राप्त व्यवसाय) के रूप में शामिल हुए। वह मई 2020 में भारतपे में शामिल हुए थे और भारतपे के व्यापारी आधार को 10 मिलियन तक बढ़ा दिया था। उन्होंने प्रोफेशनल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लिंक्डइन पर पोस्ट किया, 'मैं एंजेल वन में कार्यकारी निदेशक और सीबीओ (सहायक व्यवसाय) के रूप में एक नया पद शुरू कर रहा हूं! मैं उत्साहित हूं क्योंकि मैं इस नई यात्रा पर निकल रहा हूं, जो इस तरह के अग्रणी संगठन में योगदान देने से

प्रेरित है।' उन्होंने कहा, 'भारतपे के साथ पिछले 3.5 साल शानदार रहे हैं। यह एक रोमांचक अनुभव रहा है, जो सार्थक प्रभाव डालने की संतुष्टि से भरा है।' जैन ने पहले जोमैटो (बिक्री और विकास में अग्रणी), पेप्सी और कोका कोला के साथ काम किया था।

पिछले हफ्ते, भारतपे के पूर्व सीओओ ध्रुव धनराज बहल ने इस्तीफा दे दिया। उन्हें हाल ही में कंपनी के मर्चेंट लेंडिंग डिवीजन के लिए मुख्य व्यवसाय अधिकारी (सीबीओ) के रूप में फिर से नियुक्त किया गया था। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा, 'वह संगठन का अभिन्न अंग रहे हैं और उन्होंने कंपनी के विकास में योगदान दिया है। हम भारतपे की यात्रा में उनके योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद देते हैं और भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हैं।' बहल का इस्तीफा हाल के महीनों में फिनटेक फर्म द्वारा देखे गए उच्च-स्तरीय इस्तीफों की एक सीरीज के मद्देनजर था।

मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी विजय अग्रवाल, उपभोक्ता उत्पाद-पोस्टपे के प्रमुख नेहुल मल्होत्रा, ऋण और उपभोक्ता उत्पाद के मुख्य उत्पाद अधिकारी रजत जैन और प्रौद्योगिकी के उपाध्यक्ष गीतांशु सिंगला ने हाल ही में भारतपे से इस्तीफा दे दिया। भारतपे के सीईओ सुहैल समीर ने जनवरी में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

सार संक्षेप

एमएसएमई प्रमोशन काउंसिल ने तमिलनाडु में बढ़ाये अपने कदम

चेन्नई। एमएसएमई प्रमोशन काउंसिल ने तमिलनाडु में अपने दायरे को बढ़ाया और उसके नए पदाधिकारियों ने कार्यभार संभाला है। संगठन ने आज यहां जारी बयान में कहा कि एमएसएमई बिजनेस स्केल अप शिखर सम्मेलन के दौरान तमिलनाडु टीम के सभी सदस्यों ने शपथ ली। तमिलनाडु अध्यक्ष एम वी चौधरी समेत अन्य पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम में तमिलनाडु समेत अन्य राज्यों से उद्योगपति शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य तमिलनाडु समेत भारत के उद्योग जगत से जुड़े उद्यमियों को हो रही परेशानी और उन्हें बिजनेस से जुड़ी जानकारियां, सरकारी योजना का लाभ पहुंचाना है।

पीएफसी देगा असम पेट्रोकेमिकल्स को 1229 करोड़ की कर्ज सहायता

नई दिल्ली। पावर फाइनेंस कार्पोरेशन (पीएफसी) और असम पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एपीएल) के बीच सोमवार को 1229 करोड़ रुपए के सावधि ऋण के समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। पीएफसी की एक विज्ञप्ति के अनुसार यह ऋण असम में नामरूप में एपीएल की 500 टन प्रति दिन (टीपीडी) मेथनॉल संयंत्र और 11 मेगावाट कैप्टिव बिजलीघर (सीपीपी) परियोजना तथा बोइटामारी में कंपनी के 200 टीपीडी फॉर्मेलिन प्लांट और 0.90 मेगावाट क्षमता के कैप्टिव बिजलीघर के लिए दिया जा रहा है। इनकी लागत 1827 करोड़ रुपए अनुमानित है। नामरूप में एपीएल के 11 मेगावाट सीपीपी सहित 500 टीपीडी मेथनॉल संयंत्र का उद्घाटन इसी वर्ष 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था।

सैमसंग को पछाड़कर एप्पल बन सकता है ग्लोबल स्मार्टफोन लीडर

नई दिल्ली। अपकमिंग आईफोन 15 सीरीज के बाजार में बेहतर परफॉर्मेंस के साथ एप्पल के पास सैमसंग को ग्लोबल मार्केट लीडर के रूप में हटाने का अच्छा मौका है। मार्केट इंटेलिजेंस कंपनी ट्रेंडफोर्स के अनुसार, 2023 की दूसरी तिमाही में, सैमसंग ने 53.9 मिलियन यूनिट्स की डिलीवरी के साथ प्रोडक्शन रैंकिंग में नेतृत्व करना जारी रखा, जबकि एप्पल की दूसरी तिमाही प्रोडक्शन के मामले में सबसे कमजोर रही, जिसने 42 मिलियन यूनिट्स की डिलीवरी की। हालांकि, सैमसंग को 12.4 प्रतिशत (तिमाही-दर-तिमाही) गिरावट का सामना करना पड़ा, जबकि एप्पल ने पिछली तिमाही की तुलना में 21.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्लोबल स्मार्टफोन प्रोडक्शन में लगातार गिरावट देखी गई है। शोधकर्ताओं ने कहा, '2023 की पहली तिमाही में लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट के बाद, दूसरी तिमाही में संख्या लगभग 66 प्रतिशत और कम हो गई, जो मामूली 272 मिलियन यूनिट पर आ गई।

87 लाख उपकरणों की तैनाती के साथ पेटीएम की इन-स्टोर भुगतान सेवा और मजबूत

नई दिल्ली, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। अग्रणी भुगतान और वित्तीय सेवा कंपनी पेटीएम ने मंगलवार को तिमाही (जुलाई-अगस्त अवधि) के लिए अपने बिजनेस ऑपरेटिंग परफॉर्मेंस मेट्रिक्स की घोषणा की। फिनटेक दिग्गज ने 87 लाख उपकरणों की तैनाती के साथ भुगतान मुद्रीकरण के अपने नेतृत्व को मजबूत करना जारी रखा है। महीने में 4.9 लाख उपकरणों की वृद्धि देखी गई, इसके भुगतान मुद्रीकरण को और मजबूत किया गया। अपने अभूतपूर्व नवाचारों के साथ, पेटीएम देश भर के छोटे व्यापारियों के लिए नई तकनीक ला रहा है। कंपनी ने हाल ही में नए साउंडबॉक्स उपकरणों की एक श्रृंखला लॉन्च की है - पेटीएम म्यूजिक साउंडबॉक्स, पेटीएम पॉकेट साउंडबॉक्स, इसके बाद अगस्त में पेटीएम कार्ड साउंडबॉक्स का एक और लॉन्च हुआ। पेटीएम ने कहा, 'एक सेवा मॉडल के रूप में हमारी सदस्यता के साथ, उपकरणों को मजबूती से अपनाने से सदस्यता राजस्व और उच्च

भुगतान मात्रा में वृद्धि होती है।' टेक इनोवेटर अपने ग्राहक आधार के निरंतर विस्तार और (जुलाई-अगस्त अवधि) के लिए मासिक लेनदेन उपयोगकर्ताओं (एमटीयू) में 9.4 करोड़ तक 20 प्रतिशत की वृद्धि के साथ ग्राहक जुड़ाव में वृद्धि को दर्शाता है। पेटीएम ने जीएमवी के साथ कुल व्यापारियों की मात्रा में भी वृद्धि देखी, जो सालाना आधार पर 43 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3 लाख करोड़ रुपये (36.3 बिलियन डॉलर) हो गई।

नवीनतम एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, कंपनी ने कहा कि ईएमआई और कार्ड जैसे गैर-यूपीआई उपकरणों के जीएमवी में वृद्धि देखी जा रही है, और उनका ध्यान भुगतान मात्रा पर केंद्रित है जो कंपनी के लिए शुद्ध भुगतान के माध्यम से लाभप्रदता उत्पन्न करता है। अग्रणी बैंकों और एनबीएफसी के साथ साझेदारी में, इसके प्लेटफॉर्म के माध्यम से वितरित कुल ऋण के साथ पेटीएम के ऋण वितरण में भी वृद्धि हुई है, जो सालाना 137 प्रतिशत बढ़कर 10,710 करोड़ रुपये (1.3 बिलियन डॉलर) हो गया है। अब तक की तिमाही में पेटीएम ऐप के माध्यम से वितरित ऋणों की संख्या सालाना आधार पर 47 प्रतिशत बढ़कर 88 लाख हो गई है। वर्तमान वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के परिणामों के अनुसार, पेटीएम ने परिचालन से राजस्व में 39 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की, जो 2,342 करोड़ रुपये थी, जो व्यापारी सदस्यता राजस्व में वृद्धि, जीएमवी में महत्वपूर्ण उछाल और ऋण वितरण में उच्च वृद्धि से प्रेरित थी।

ईएसओपी की लागत बढ़कर 84 करोड़ रुपए होने से पहले कंपनी की परिचालन लाभप्रदता का सिलसिला उसके ईबीआईटीडीए के साथ लगातार तीन तिमाहियों तक जारी रहा।

डिजिटल ऋण देने वाले प्लेटफॉर्म खाताबुक ने की 40 से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी

नई दिल्ली, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। घरेलू डिजिटल ऋण प्लेटफॉर्म खाताबुक ने कथित तौर पर लागत में कटौती और अपने संचालन को सुव्यवस्थित करने के लिए विभिन्न विभागों से 40 से अधिक कर्मचारियों को निकाल दिया है। सूत्रों के मुताबिक, प्लेटफॉर्म ने टाउन-हॉल मीटिंग में सेल्स, मार्केटिंग और एनालिटिक्स और टेक्नोलॉजी वर्टिकल में कर्मचारियों को नौकरी में कटौती की सूचना दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन लोगों ने अपनी नौकरी खो दी है, उन्हें तीन महीने के वेतन समेत सेवरन्स पैकेज दिए गए हैं। खाताबुक ने नवंबर 2021 में अपने ई-कॉमर्स इनेबलमेंट प्रोडक्ट माईस्टोर को बंद कर दिया था। प्लेटफॉर्म ने अब तक 187 मिलियन डॉलर जुटाए हैं, जिसमें ट्राइब कैपिटल और मूर स्ट्रैटेजिक के नेतृत्व में 100 मिलियन डॉलर का सीरीज सी राउंड भी शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, इसके निवेशकों के रूप में पीकएक्सवी और बेटर कैपिटल भी हैं। खाताबुक के सह-संस्थापक और सीईओ रवीश नरेश ने पिछले साल कहा था कि कंपनी अक्टूबर 2023 तक 1,000 करोड़ रुपए की लोन बुक साइज हासिल करने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

बिंग, आईमैसेज को यूरोपीय संघ की 'गेटकीपर' लिस्ट का हिस्सा नहीं बनाना चाहते माइक्रोसॉफ्ट व एप्पल

लंदन, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। यूरोपीय आयोग 6 सितम्बर को नए डिजिटल मार्केट एक्ट (डीएमए) के हिस्से के रूप में नामित 'गेटकीपर्स' की एक लिस्ट प्रकाशित करने की तैयारी कर रहा है। माइक्रोसॉफ्ट और एप्पल कथित तौर पर बिंग और आईमैसेज को लिस्ट से दूर रखने पर जोर दे रहे हैं। एक बार जब यूरोपीय संघ अपने गेटकीपर्स को नामित कर देता है, तो उनके पास डीएमए के नियमों का पालन करने के लिए छह महीने या मार्च 2024 तक का समय होगा। द फाइनेंशियल टाइम्स के अनुसार, माइक्रोसॉफ्ट और एप्पल निजी तौर पर यह तर्क दे रहे हैं कि उनकी सेवाएं इतनी बड़ी या शक्तिशाली नहीं हैं कि डिजिटल बाज़ार अधिनियम के प्रतिबंधों को उचित ठहरा सकें। माइक्रोसॉफ्ट का विंडोज प्लेटफॉर्म गेटकीपर की परिभाषा को पूरा करता है। हालांकि, इसका तर्क है कि ग्लोबल सर्च मार्केट में बिंग की अपेक्षाकृत छोटी हिस्सेदारी (गूगल की तुलना में) नए नियमों के साथ और भी कम हो सकती है। कथित तौर पर एप्पल उन तरीकों पर भी काम कर रहा है जो आईओएस को थर्ड पार्टी ऐप स्टोर के लिए खोलेंगे और नए नियमों का पालन करने के लिए साइडलोडिंग करेंगे। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, टेक दिग्गज का तर्क है कि आईमैसेज को अन्य मैसेजिंग सेवाओं के साथ इंटरऑपरेट नहीं करना चाहिए। एप्पल और माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, अल्फाबेट, मेटा, बाइटडांस और सैमसंग के साथ, यूरोपीय संघ 'गेटकीपर्स' लिस्ट का हिस्सा होंगे और यह निर्धारित करेंगे कि किन प्रोडक्ट को डीएमए के तहत कवर किया जाना चाहिए। डीएमए 'गेटकीपर्स' की पहचान करने के लिए स्पष्ट रूप से परिभाषित उद्देश्य मानदंडों का एक सेट स्थापित करता है। गेटकीपर बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म हैं जो तथाकथित कोर प्लेटफॉर्म सर्विस प्रदान करते हैं, जैसे उदाहरण के लिए ऑनलाइन सर्च इंजन, ऐप स्टोर, मैसेंजर सर्विस।

जिंसों में टिकाव

नई दिल्ली, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों सहित सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में सितंबर का पाम ऑयल वायदा 35 रिंगिट फिसलकर 3875 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, सितंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.10 सेंट की तेजी लेकर 63.57 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी: मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पुराने स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन: दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना , मसूर दाल , मूंग दाल और उड़द दाल, अरहर दाल के दाम टिके रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव पुराने स्तर पर पड़े रहे।

फोनपे ने अपने स्मार्टस्पीकर पर अमिताभ बच्चन के साथ सेलिब्रिटी वॉयस फीचर लॉन्च किया

नई दिल्ली, 5 सितम्बर (एजेंसियां)। फोनपे ने प्रतिष्ठित भारतीय अभिनेता अमिताभ बच्चन के सहयोग से अपने स्मार्टस्पीकर पर अपनी तरह का पहला सेलिब्रिटी वॉयस फीचर लॉन्च किया है। नई सुविधा भारत भर में फोनपे स्मार्टस्पीकरों को अमिताभ बच्चन की विशिष्ट आवाज़ में पेमेंट के सफल होने की जानकारी देगी। यह इंडस्ट्री-फर्स्ट सेलिब्रिटी वॉयस फीचर वर्तमान में हिंदी और अंग्रेजी में उपलब्ध है। इसे भविष्य में अन्य भाषाओं में शुरू करने की योजना है। फोनपे स्मार्टस्पीकर एक साल पहले लॉन्च किया गया था और तबसे 19,000 पोस्टल कोड (देश के 90 प्रतिशत से अधिक को कवर करते हुए) में व्यापारी भागीदारों ने चार मिलियन डिवाइस का उपयोग किया है। कंपनी ने कहा है कि स्मार्टस्पीकर देश भर में 100 करोड़ (1,000 मिलियन) लेनदेन को मान्य करते हैं। अमिताभ बच्चन की विशेषता वाली एक सेलिब्रिटी आवाज के शामिल होने से व्यापारियों और ग्राहकों दोनों के लिए भुगतान अनुभव बेहतर हो जाएगा, जिससे यह पहले से कहीं अधिक इंटरैक्टिव होगा।

फोनपे के ऑफलाइन बिजनेस के प्रमुख विवेक लोहचेब ने कहा कि हमें पूरे भारत में व्यापारी भागीदारों के लिए अपने स्मार्टस्पीकर पर एक अद्वितीय सेलिब्रिटी वॉयस फीचर लॉन्च करते हुए खुशी हो रही है। अमिताभ बच्चन की आवाज तुरंत और सार्वभौमिक रूप से याद की जाती है। यह देश भर में लाखों भारतीयों के साथ गूंजती है। उन्होंने कहा कि चार में से एक भारतीय फोनपे ऐप को यूज करता है। इस नाते हमारा मानना है कि यह सहयोग व्यापारियों और ग्राहकों के लिए फोनपे स्मार्टस्पीकर की लोकप्रियता को और बढ़ाएगा। फोनपे फॉर बिजनेस ऐप से नई सुविधा को सक्षम करने के लिए व्यापारियों को पहले फोनपे फॉर बिजनेस ऐप खोलना होगा और फिर होम स्क्रीन पर स्मार्टस्पीकर अनुभाग पर जाना होगा।

'माई स्मार्टस्पीकर' के तहत 'स्मार्टस्पीकर वॉयस' पर क्लिक करें, फिर पसंदीदा भाषा में अमिताभ बच्चन की आवाज चुनें। आवाज को एक्टिव करने के लिए 'कन्फर्म' पर क्लिक करें। डिवाइस कुछ ही घंटों में अमिताभ बच्चन की आवाज में अद्यतन भाषा के साथ रीबूट हो जाएगा। इसके अलावा फोनपे स्मार्टस्पीकर को बाजार में खड़ा करने वाली कुछ अन्य विशेषताओं में पोर्टेबिलिटी, श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ बैटरी, सबसे शोर वाले वातावरण में भी शानदार ऑडियो स्पष्टता और कॉम्पैक्ट और बहुमुखी फॉर्म फैक्टर शामिल हैं, जो व्यापारियों को उपयोग करने की अनुमति देता है। यह सबसे भीड़भाड़ वाले काउंटर स्थानों में भी है।

खेल जगत

सुपर चार चरण के लिए फिट हुए लिटन

ढाका, 5 सितंबर (एजेंसियां)। बंगलादेश के सलामी बल्लेबाज लिटन दास बुखार से पूरी तरह उबर गए हैं और एशिया कप 2023 के सुपर चार मैचों में हिस्सा लेने के लिए टीम में शामिल होंगे। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। बीसीबी ने एक बयान में कहा, सलामी बल्लेबाज लिटन कुमार दास वायरल बुखार से पूरी तरह ठीक हो गए हैं, जिसके कारण वह टूर्नामेंट के शुरुआती मैच के लिए टीम के साथ श्रीलंका की यात्रा नहीं कर पाए थे। वह एशिया कप के सुपर चार मैचों से पहले पाकिस्तान में टीम में शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि रविवार को लाहौर में अपने आखिरी ग्रुप मैच में अफगानिस्तान पर 89 रनों की जीत के बाद बंगलादेश ने सुपर चार चरण में जगह बना ली। बीसीबी के मुख्य चयनकर्ता मिन्हाजुल आबेदीन ने बताया कि एशिया कप के शुरुआती दो मैचों में कुछेक खिलाड़ियों को चोट लगी है।

रोहित-शुभमन के अर्द्धशतकों से भारत सुपर 4 में

■ भारत ने नेपाल को डकवर्थ लुइस नियम के आधार दस विकेट से हराया

नई दिल्ली, 5 सितंबर (देशबन्धु)। कप्तान रोहित शर्मा और उनके सलामी जोड़ीदार शुभमन गिल के शानदार अविजित अर्द्धशतकों के साथ अपनी रंगत पाने तथा बाएं हाथ के अनुभवी लेफ्ट आर्म स्पिनर रवींद्र जडेजा (3/40) और मोहम्मद सिराज (3/61) के गेंद से कमाल से भारत ने नेपाल को पालीकेल(श्रीलंका) में वन डे एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में ग्रुप ए में बारिश की आंखमिचौनी के बीच अपने दूसरे मैच में सोमवार देर रात डकवर्थ लुइस नियम के आधार पर दस विकेट से हरा कर दो मैचों में पह पहली जीत साथ सुपर 4 में जगह बना ली। बारिश के कारण धीमी पिच पर नमी के कारण नेपाल के कर्ण केसी ने रोहित को अपने पहले ओवर में अपने मूवमेंट से जरूरी कुछ परेशान किया लेकिन एक बार रंगत पाने के बाद उन्होंने मैच के मिजाज की जरूरत के मुताबिक बल्लेबाजी कर दर्शनीय स्ट्रोक खेले। नेपाल के बल्लेबाजों की तारीफ करनी होगी उन्होंने भारत से पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाए जाने पर सम्मानजनक स्कोर बनाया।

भारत का चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप ए में पहला मैच बारिश के चलते अधूरा बेनतीजा खत्म हो गया था। पाकिस्तान ने नेपाल को 238 रन के बड़े अंतर से हराया था। भारत और पाकिस्तान दोनों ने नेपाल को हराया और ग्रुप ए में दोनों के दो दो मैचों में एक-एक जीत और एक मैच बेनतीजा रहने से समान रूप से तीन तीन अंक रहे। पाकिस्तान अपने बेहतर नेट रन रेट के कारण ग्रुप ए में पहले और भारत दूसरे स्थान पर रहा और अब ये दोनों टीमें 10 सितंबर को सुपर 4 में फिर आमने-सामने होंगी।

भारत को बारिश के कारण जीत के लिए डकवर्थ नियम के आधार पर जीत के लिए 23 ओवर में 145 रन बनाने का संशोधित लक्ष्य मिला। मैन ऑफ द' मैच रोहित शर्मा (अविजित 74 रन, 59 गेंद, पांच छक्के, छह चौके और शुभमन गिल (67 रन,62 गेंद, एक छक्का, आठ चौके) की सलामी जोड़ी की असमाप्त 147 रन भागीदारी की भारत ने बिना कोई विकेट खोए मैच जीत लिया। रोहित और शुभमन की सलामी जोड़ी की भारत के लिए वन डे में यह तीसरी शतकीय भागीदारी थी।

इससे पूर्व सलामी बल्लेबाज आसिफ शेख (58 रन, 97 गेंद, 8 चौके) के अर्द्धशतक और आठवें नंबर पर उतरे ऑलराउंडर सोमपाल कामी के दो छक्कों और एक चौकों की मदद से 56 गेंद 48 रन की बेशकीमती पारी की बदौलत नेपाल ने भारत के ढीले क्षेत्ररक्षण का लाभ उठाकर पहले बल्लेबाजी की दावत पाकर 230 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। भारत के शीर्ष क्रम के शार्दूल ठाकुर ने भुरतल को विकेटकीपर इशान किशन के हाथों कैच करा नेपाल को पहला झटका दिया। भारत के लेफ्ट आर्म स्पिनर रवींद्र जडेजा ने 16 से 22 वें ओवर के बीच भीम शर्की(7), कप्तान रोहित पौडल (5) और कुशल मल्ला (2) को आनन फानन में आउट कर नेपाल का स्कोर 22 ओवर में चार विकेट पर 104 रन कर दिया। जडेजा का दूसरे छोर से कसी गेंदबाजी कर कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने खूब साथ निभाया। सिराज ने आसिफ को पारी के 30 वें ओवर में विराट कोहली के हाथों कैच करा पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में लडखड़ाने के बाद नेपाल के बल्लेबाजों ने भारत के तेज गेंदबाजों -मोहम्मद सिराज और शार्दूल ठाकुर के खिलाफ आक्रामक तेवर दिखाकर अपने स्ट्रोक खेल शुरू के दस ओवर में उन पर दबाव बनाया। भारत के लिए मैच के शुरू में श्रेयस अय्यर, विराट कोहली और विकेटकीपर इशान किशन ने तीन आसान कैच टपकाए और इसका नेपाल के बल्लेबाजों ने लाभ उठाया लेकिन दोनों स्पिनरों -खासतौर पर लेफ्ट आर्म स्पिनर रवींद्र जडेजा और बाएं हाथ के लेग स्पिनर कुलदीप ने कंजूसी से गेंदबाजी कर भारत की मैच में वापसी कर दी।

आसिफ शेख व उनके सलामी जोड़ीदार कुशल भुरतल (38 रन,25 गेंद, दो छक्के व तीन चौके) ने पहले विकेट के लिए शुरू के दस ओवर में तेज शुरुआत 65 रन जोड़ नेपाल को बढिया शुरूआत दी लेकिन तभी उनकी बेहतरीन पारी का अंत करने के बाद बारिश आने से पहले गुलशन झा (23 रन, 35 गेंद, तीन चौके)को आउट किया।बारिश के बाद खेल फिर शुरू होने पर हार्दिक ने दीपेंद्र सिंह ऐरी (29 रन, 25 गेंद, तीन चौके)के बढिया ऑफ कटर पर आउट कर नेपाल का स्कोर 42 ओवर में सात विकेट पर 194 कर दिया। हार्दिक और सिराज की शॉर्ट पिच पर सोमपाल कामी ने खुल कर शॉट खेले और मोहम्मद शमी की गेंद पर विकेटकीपर इशन को कैच थमा आउट होने से पहले संदीप लमिछाने के साथ मिलकर आठवें विकेट के लिए 34 रन जोड़ टीम के स्कोर को 228 रन पर पहुंचाया और दो गेंद पर लमिछाने (9) सब्सिटयूट फील्डर अक्षर पटेल ने रनआउट कर दिया। अंतिम पूर्व दूसरी गोल पर सिराज ने ललित राजबंशी(0) को बोल्ड कर नेपाल की पारी 230 रन पर समेट दी।

जब भारत-पाकिस्तान का मैच होता है तो सब कुछ थम जाता है : रोजर बिन्नी

लाहौर, 5 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप मैच देखने के लिए पाकिस्तान पहुंचे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने पीसीबी की सराहना की और भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट संबंधों पर विशेष चर्चा की। बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, लाहौर में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्हें पीसीबी प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जका अशरफ ने आमंत्रित किया था।

गवर्नर हाउस में पीसीबी गाला डिनर में बोलते हुए बिन्नी ने कहा, मैं आज रात के कार्यक्रम के निमंत्रण के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं आपके लिए बीसीसीआई और भारत के क्रिकेट प्रेमियों की ओर से शुभकामनाएं लाया हूं। भारत-पाकिस्तान मैच सबसे बड़े खेलों में से एक है। मैं आपको बता सकता हूं। जब भारत पाकिस्तान से खेलता है तो सब कुछ रुक सा जाता है।

बीसीसीआई प्रमुख ने आगे कहा, लोग काम नहीं करते हैं, सड़कें खाली रहती हैं। हर कोई टेलीविजन के सामने क्रिकेट देख रहा होता है। भारत और पाकिस्तान में क्रिकेट इतना बड़ा है। जब से हम सीमा पार कर के इस मुल्क में आए हैं, तब से हमें पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने किसी चीज की कमी नहीं होने दी और मैं उनके इस खास आतिथ्य के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने आखिरी में कहा, यह एक अद्भुत अनुभव था। अपने लाहौर दौरे के दौरान, बीसीसीआई अधिकारी मंगलवार को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में होने वाले एशिया कप मैच को देखेंगे।

दोनों अधिकारियों के साथ उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव युद्धवीर सिंह और बीसीसीआई के उपाध्यक्ष मोहम्मद अकरम भी हैं। बीसीसीआई ने भारत के सभी मैच पाकिस्तान में खेलने से मना कर दिया था, इसलिए 13 मैचों में से केवल चार ही वहां होंगे। शेष खेल सह-मेजबान श्रीलंका के पल्लेकेले और कोलंबो में खेले जा रहे हैं।

वर्ल्ड कप से पहले क्विंटन डी कॉक ने किया संन्यास का ऐलान

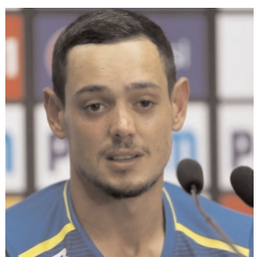

जोहान्सबर्ग, 5 सितंबर (एजेंसियां)। स्टार बल्लेबाज और विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक वनडे विश्व कप 2023 के बाद वनडे क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। मंगलवार को साउथ अफ्रीका ने वर्ल्ड कप के लिए अपनी टीम का ऐलान किया। इस दौरान क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने अपनी विश्व कप टीम की घोषणा में क्विंटन डी कॉक की संन्यास लेने की खबर की पुष्टि की और कहा, हम दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट के लिए उनकी सेवा के लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहते हैं। दक्षिण अफ़्रीका के क्रिकेट निदेशक एनोच एनकेवे ने कहा, क्विंटन डी कॉक दक्षिण अफ़्रीकी क्रिकेट के लिए वास्तव में एक अच्छे साथी रहे हैं। उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली से कई रिकॉर्ड बनाए और टीम के कई सालों तक मुख्य बल्लेबाज रहे। डी कॉक ने 2013 में टीम में डेब्यू किया था और अब तक 140 मैच खेले हैं। 44.85 की औसत और 96.08 की स्ट्राइक रेट के साथ डी कॉक ने 5966 रन बनाए हैं। उनके नाम पर 17 शतक और 29 अर्द्धशतक हैं, जिसमें 178 का उच्च स्कोर है जो 2016 में सेंचुरियन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आया था। एक विकेटकीपर के रूप में उनके नाम 183 कैच और 14 स्टंपिंग हैं। डी कॉक ने आठ वनडे मैचों में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी भी की, जिनमें से उन्होंने चार जीते और तीन हारे। दक्षिण अफ्रीका अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत 7 अक्टूबर को दिल्ली में श्रीलंका के खिलाफ करेगा।

सिनर पर कड़ी जीत के साथ क्वार्टरफाइनल में ज्वेरेव

न्यूयॉर्क, 5 सितंबर (एजेंसियां)। जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अमेरिकी ओपन 2023 के कड़े और रोमांचक शीर्ष 16 मुकाबले में इटली के यानिक सिनर को हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। चार सेट के समापन के बाद दोनो खिलाड़ी 2-2 की बराबरी पर थे, जिसके बाद ज्वेरेव ने पांचवें सेट में बाज़ी मारकर सिनर को चार घंटे 41 मिनट में 6-4, 3-6, 6-2, 4-6, 6-3 से मात दी।

सिनर ने दूसरे और तीसरे सेट में संघर्ष करने के बावजूद ज्वेरेव को कड़ी टक्कर दी और चौथे सेट में वापसी करते हुए जीत भी हासिल की। दूसरे सेट के दौरान सिनर को दोनों पैरों में ऐंठन की समस्या होने लगी और तीसरे सेट के बीच तक उनकी हालत इतनी खराब हो गई कि ज्वेरेव उनकी स्थिति जानने के लिए उनके पास आए।

चौथे और पांचवें सेट में सिनर की स्थिति में सुधार हुआ, लेकिन ज्वेरेव ने अंतिम सेट में 14 विनर खेलते हुए क्वार्टरफाइनल का टिकट कटा लिया। ज्वेरेव ने जीत के बाद कहा, मैं नहीं जानता कि यह कैसे हुआ क्योंकि मैं चौथे सेट में पूरी तरह से थक चुका था। मुझे लगता है कि वह (सिनर) मुझसे ज्यादा फिट था, भले ही उसे ऐंठन हो रही थी, फिर भी मुझे लगता है कि वह बेहतर स्थिति में था। पांचवें सेट में मैंने किसी तरह इसे फिर से हासिल कर लिया। इस ऊर्जा के बिना, दर्शकों के बिना, यह संभव नहीं होता। अगले दौर में सिनर का सामना स्पेन के शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज से होगा, जो इटली के मैटियो अर्नाल्डी को 6-3, 6-3, 6-4 से हराकर आ रहे हैं। आंद्रे अगासी के बाद ओपन एरा में अल्काराज़ 21 साल की उम्र में तीन बार अमेरिकी ओपन क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं।

इस बीच, रूस के दानिल मेदवेदेव ने ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनॉर को 2-6 6-4 6-1 6-2 से हराया। क्वार्टरफाइनल में मेदवेदेव अपने युवा हमवतन आंद्रे रूबलेव से भिड़ेंगे।

भारतीय मुक्केबाज मुस्तफा मेमोरियल टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए तैयार

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय मुक्केबाजों की 11 सदस्यीय टीम बोस्निया और हर्जेगोविना की राजधानी साराजेवो में 21वां मुस्तफा हजरूलाहोविक मेमोरियल टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए तैयार हैं। इस टूर्नामेंट में छह पुरुष और पांच महिला मुक्केबाज शामिल हैं।

इस बार भारतीय महिला टीम का नेतृत्व 2019 विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता मंजू रानी (50 किग्रा) और युवा विश्व चैंपियन ज्योति (54 किग्रा) और शशि चोपड़ा (60 किग्रा) कर रही हैं। उनके अलावा, विनाक्षी (57 किग्रा) और जिज्ञासा राजपूत (75 किग्रा) सहित अन्य मुक्केबाज प्रतिष्ठित प्रतियोगी मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं। पुरुष टीम का नेतृत्व 2019 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मनीष कौशिक (63.5) के साथ-साथ 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता आकाश कुमार (57 किग्रा) करेंगे।

इस टूर्नामेंट में टोक्यो ओलंपियन और अनुभवी मुक्केबाज सतीश कुमार (92+किग्रा) लंबे समय के बाद नजर आएंगे जबकि राष्ट्रीय चैंपियन नवीन कुमार 92 किग्रा वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। युवा मुक्केबाज बरुण सिंह (51 किग्रा) और निखिल दुबे (71 किग्रा) को भी अपनी प्रतिभा दिखाने और देश के लिए पदक जीतने का मौका मिलेगा। यह मुकाबला छह सितंबर से शुरू होगा और नौ सितंबर को फाइनल टूर्नामेंट खेला जाएगा।

वरुण सिंह शगोलशेम (51 किग्रा), आकाश कुमार (57 किग्रा), मनीष कौशिक (63.5 किग्रा), निखिल प्रेमनाथ दुबे (71 किग्रा), नवीन कुमार (92 किग्रा), सतीश कुमार (92+ किग्रा) मुक्केबाज पुरुषों में शामिल हैं जबकि महिला मुक्केबाज में मंजू रानी (50 किग्रा), ज्योति (54 किग्रा), विनाक्षी (57 किग्रा), शशि चोपड़ा (60 किग्रा), जिज्ञासा राजपूत (75 किग्रा) हैं।

झेंग किनवेन यूएस ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहरी बार खेलेंगी

न्यूयॉर्क, 5 सितंबर (एजेंसियां)। चीनी स्टार झेंग किनवेन ने ट्यूनीशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त ओन्स जाबेउर को 6-2, 6-4 से सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह शीर्ष 10 खिलाड़ी के खिलाफ झेंग की पहली जीत है और वह पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता के अंतिम आठ में पहुंची है।

21 वर्षीय झेंग ने अपनी शानदार जीत के बाद कहा, फिलहाल, मैं इस बड़े स्टेडियम में खेलने के लिए बेहद खुश और उत्साहित महसूस कर रही हूं और आज मैंने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। जब झेंग से उनके लोकप्रिय उपनाम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मुझे क्वीन वेन नाम बेहद पसंद है। सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए झेंग का सामना बुधवार को आर्यना सबालेंका से होना तय है।

पुरुष एकल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने 22 वर्षीय इतालवी माटेओ अर्नाल्डी को सीधे सेटों में 6-3, 6-3, 6-4 से हराया। तीसरी वरीयता प्राप्त रूस के डेनियल मेदवेदेव ने ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर को 2-6, 6-4, 6-1, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। यह मैच दो घंटे और 40 मिनट तक चला, जो पिछले पांच वर्षों में मेदवेदेव की न्यूयॉर्क में चौथी क्वार्टर फाइनल उपस्थिति थी।

दो साल पहले उन्होंने सर्बियाई दिग्गज नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराकर अपना पहला और एकमात्र ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। मेदवेदेव के हमवतन और आठवीं वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव भी आगे बढ़े, उन्होंने ब्रिटान जैक ड्रेपर को 6-3, 3-6, 6-3, 6-4 से हराया।

सार संक्षेप

शाह ने बच्चन को दिया क्रिकेट विश्व कप 2023 का गोल्डन टिकट

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने मंगलावार को बॉलीवुड के सुपरस्टार अमिताभ बच्चन को क्रिकेट विश्व कप 2023 का गोल्डन टिकट दिया। श्री शाह ने ट्वीट किया, हमारा स्वर्णिम टिकट किसी और को नहीं बल्कि 'सदी के महानायक' को देने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा, फिल्मी जगत के बिग बी का भारतीय टीम के प्रति अटूट समर्थन है, जो हम सभी को प्रेरित करता रहता है। वह आईसीसी विश्व कप 2023 के लिए हमारे साथ जुड़े हैं, जिससे हम और अधिक रोमांचित हैं। उल्लेखनीय है कि आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 पांच अक्टूबर से शुरु हो रहा है और इसका फाइनल मुकाबला 19 नवंबर को होगा। भारतीय टीम विश्व कप 2023 सीजन में अपना पहला मुकाबला आठ अक्टूबर को खेलेगी। यह मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई में खेला जाएगा।

एक्स गर्लफ्रेंड के लगाए गए आरोपों के बाद एंटनी ब्राजील टीम से बाहर

नई दिल्ली। ब्राजील ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के विंगर एंटनी सैंटोस को उनकी एक्स गर्लफ्रेंड गैब्रिएला कैवलिन द्वारा लगाए गए मारपीट के आरोपों के बाद 2026 विश्व कप क्वालीफायर के पहले दो मैच से बाहर कर दिया है। ब्राज़ीलियाई फुटबॉल परिसंघ (सीबीएफ) ने घोषणा की है कि तथ्यों के सार्वजनिक होने के बाद एंटनी राष्ट्रीय टीम से हट गए हैं, जिनकी जांच की आवश्यकता है। सीबीएफ ने एक बयान में कहा, एंटनी, को ब्राजीलियाई राष्ट्रीय टीम से हटा दिया गया है। ब्राजीलियाई समाचार आउटलेट यूओएल के अनुसार, जिसने सोमवार को एंटनी के पूर्व साथी द्वारा लगाए गए आरोपों को प्रकाशित किया था। 23 वर्षीय फारवर्ड की साओ पाउलो सिविल पुलिस द्वारा एक्स गर्लफ्रेंड गैब्रिएला कैवलिन द्वारा लगाए गए घरेलू हिंसा के आरोपों की जांच की जा रही है। हालांकि, एंटनी ने आरोपों से इनकार करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। उन्होंने कहा, गैब्रिएला के साथ मेरा रिश्ता उतार-चढ़ाव वाला था। लेकिन मैंने कभी कोई फिजिकली टॉर्चर नही किया। एंटनी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, मुझे भरोसा है कि चल रही पुलिस जांच मेरी बेगुनाही के बारे में सच्चाई सामने लाएगी। बोलिविया और पेरू के खिलाफ आगामी विश्व कप क्वालीफायर के लिए एंटनी की जगह आर्सेनल के स्ट्राइकर गेब्रियल जीसस को ब्राजील टीम में शामिल किया गया है।

एशिया कप के सुपर-4 शेड्यूल में बारिश के कारण होगा बदलाव : रिपोर्ट

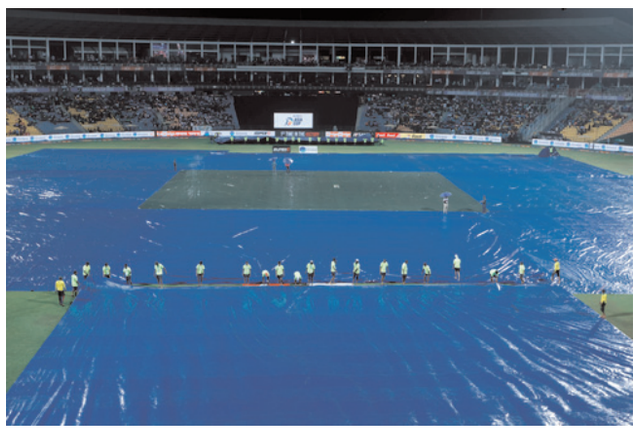

नई दिल्ली, 5 सितंबर (एजेंसियां)। बारिश के बीच हो रहे एशिया कप ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के मैनेजमेंट की मुश्किलें बढ़ा दी है। बताया जा रहा है कि सुपर-4 के मैच कोलंबो से हंबनटोटा शहर में शिफ्ट कर दिए गए हैं। एशिया कप में बारिश बार-बार बाधा बन रही है। भारत और पाकिस्तान की टक्कर पहले ही बारिश की भेंट चढ़ चुकी है। ऐसे में अब मैनेजमेंट को कई बड़े फैसले लेने होंगे।

सुपर-4 स्टेज के 6 में से 5 मैच कोलंबो में खेले जाने थे। लेकिन, शहर में बाढ़ जैसे हालात हैं और अगले 10 दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी है। इस कारण सुपर-4 के मैच कोलंबो से हंबनटोटा शहर में शिफ्ट किए जा सकते हैं। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) द्वारा जल्द ही आधिकारिक घोषणा करने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में कहा गया है, एसीसी ने हंबनटोटा में मौसम के मिजाज को भी ध्यान में रखा है। यह देखा गया है कि वहां वर्षा का स्तर सुपर 4 चरण के मूल स्थल कोलंबो की तुलना में कहीं अधिक अनुकूल है। एशिया कप के सुपर 4 चरण में रविवार को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में भारत बनाम पाकिस्तान मैच खेला जाएगा। लेकिन, मौसम अपडेट के अनुसार कोलंबो में 20 सितंबर तक बहुत बारिश होगी। ऐसे में वेन्यू को बदलने के लिए मैनेजमेंट मजबूर है।

हमारा फोकस सिर्फ पाकिस्तान पर नहीं वर्ल्ड कप ट्रॉफी पर होना चाहिए : गंभीर

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर का मानना है कि भारतीय टीम को चाहिए कि वो अपना फोकस केवल पाकिस्तान के मैच पर ना रखे बल्कि वर्ल्ड कप जीतने पर ध्यान दे। भारत-नेपाल एशिया कप मुकाबले के बाद स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए गौतम गंभीर ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच विश्व कप जीतने की दिशा में महज एक कदम है। गंभीर ने कहा, यह केवल 14 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के बारे में नहीं है। मुझे उम्मीद है कि यह भारत के विश्व कप फाइनल खेलने और कप जीतने के बारे में है, क्योंकि आप कभी नहीं जानते कि इस विश्व कप टीम से कितने लोग अगले विश्व कप का हिस्सा होंगे और यह 4 साल के बाद होता है।

उन्होंने आगे कहा, एक राष्ट्र के रूप में हमारे लिए, प्रशंसकों के रूप में हमारे लिए और प्रसारक के रूप में हमारे लिए, सब कुछ केवल भारत और पाकिस्तान पर केंद्रित नहीं होना चाहिए। यह विश्व कप जीतने के बारे में है। पाकिस्तान सिर्फ एक बाधा है। यह विश्व कप जीतने की दिशा में महज एक कदम है।

गंभीर ने 2007 और 2011 विश्व कप में चैंपियनशिप जीतने वाली भारतीय टीमों को भी याद किया और इस बात पर जोर दिया कि उनका प्राथमिक ध्यान ट्रॉफी पर था। गंभीर ने कहा, 2007 में टी20 विश्व कप में हमने अपना अभियान पाकिस्तान के खिलाफ शुरू किया। हमने पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल खेला। यह कभी भी केवल पाकिस्तान के बारे में नहीं था। 2011 में भी यह कभी पाकिस्तान के बारे में नहीं था, पाकिस्तान को हराना बस एक कदम था। इसलिए, जब एक प्रसारक, विशेषज्ञ के रूप में अगर हम केवल भारत बनाम पाकिस्तान के बारे में बात करना बंद कर दें और विश्व कप जीतने के बारे में सोचें, तो मुझे लगता है कि टीम इंडिया काफी बेहतर स्थिति में होगी।

दोनों देशों के बीच बड़ा मुकाबला जो पहले 15 अक्टूबर को होने वाला था। अब एक दिन पहले यानी 14 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा।